नई दिल्ली । बुधवार, 20 मई, 2026
ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष चतुर्थी, सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष :12, अंक :134 / मूल्य 3.00 रुपए । पृष्ठ 12

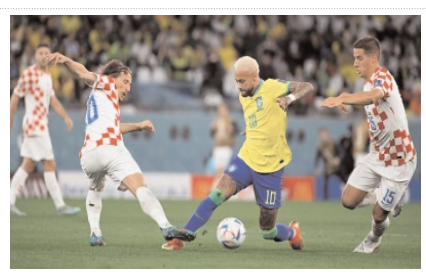

दैनिक
विश्व केसरी
नई दिल्ली संस्करण
सिर्फ पत्रकारिता...
vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwakesari_news
आर. एन. आई. संख्या डीईएलएच आईएन/2015/61415

@ खेल फीफा वर्ल्ड कप 2026 : ब्राजील की टीम में हुई नेमार...
@ विचार कार पर सस्ता, शिक्षा पर ब्याज भारी क्यों?
@ व्यापार शुरुआती बढ़त खोकर लाल निशान में बंद हुआ बाजार...

बस्तर में बंदूक का दौर खत्म, लोग ले रहे चैन की सांस : अमित शाह

'सेवा डेरा' मॉडल के जरिए गांव के दरवाजे तक सरकार पहुंचाने की तैयारी

संवाददाता ■ रायपुर

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि जब छत्तीसगढ़ में पार्टी की सरकार विष्णु देव साय के नेतृत्व में बनी, उस वक्त केन्द्र में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पार्टी की सरकार थी। उन्होंने कहा कि 13 दिसंबर 2023 में यहां पार्टी की सरकार बनने के तुरंत बाद हमने बस्तर में बचे हुए नक्सलवाद को समाप्त करने के लिए फिर से कवायद शुरू की। शाह ने कहा कि 24 अगस्त, 2024 को सभी राज्यों के पुलिस महानिदेशकों की बैठक के बाद घोषणा की गई कि 31 मार्च 2026 को देश को हम नक्सलवाद से मुक्त कर देंगे। उन्होंने कहा कि हमारे सुरक्षाबलों के पराक्रम, साहस और बलिदान के कारण 31 मार्च, 2026 की जो तिथि तय हुई थी, उससे पहले ही देश से नक्सलवाद का संपूर्ण उन्मूलन हो चुका है। जगदलपुर मीडियाकर्मी से चर्चा में शाह ने कहा कि 19 मई 2026 की तिथि का भी बहुत महत्व है। उन्होंने कहा कि जब से नक्सलबाड़ी से नक्सलवाद फैलना शुरू हुआ, इसके पक्षधर बुद्धिजीवी लोग यह कहते थे कि नक्सलवाद इसलिए अस्तित्व में आया है कि कुछ क्षेत्रों में विकास नहीं पहुंचा। उन्होंने कहा कि यह वास्तविकता नहीं थी क्योंकि देश के कई हिस्से ऐसे थे जो नक्सल प्रभावित क्षेत्र से भी ज्यादा पिछड़े हुए थे, लेकिन वहां नक्सलवाद नहीं फैला और वो सभी क्षेत्र धीरे-धीरे विकास की ओर बढ़ गए। उन्होंने कहा कि लेकिन हमारा बस्तर और कई नक्सलवाद प्रभावित क्षेत्र विकसित नहीं हो सके।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि 19 मई 2026 को उसी पूर्ववर्ती नक्सल प्रभावित क्षेत्र में संपूर्ण विकास की परिकल्पना को लॉन्च किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कल ही 'वीर शहीद गुण्डाधुर सेवा डेरा' का उद्घाटन किया गया है। बस्तर के सात जिलों को नक्सलवाद से मुक्त कराने के लिए भारत सरकार के गृह मंत्रालय द्वारा यहां लगभग 200 सुरक्षा कैंप बनाए गए थे। उन्होंने कहा कि आज जब बस्तर नक्सल मुक्त हो गया है, तब हमने तय किया है कि प्रथम चरण में इन 200 कैंपों में से 70 कैंप

(लगभग एक-तिहाई) को हम 'वीर शहीद गुण्डाधुर सेवा डेरा' में बदल देंगे। सरकार को गांव और सरकारी सुविधाओं को बस्तर के हर आदिवासी भाई-बहन के घर तक ले जाना ही वीर शहीद गुण्डाधुर सेवा डेरा का काम है। इस सेवा डेरा में बैंकिंग सुविधा होगी, आधार कार्ड भी बनेगा, सारी डिजिटल सेवाएं उपलब्ध होंगी और कॉमन सर्विस सेंटर के माध्यम से राज्य सरकार और केंद्र सरकार की 371 योजनाओं का लाभ भी जनता को मिलेगा। एक ही सेवा डेरे में विकास के सारे काम उपलब्ध हो जाएंगे और इसका उद्देश्य है कि 50 साल से विकास के महरूम रह गए नागरिकों को सभी योजनाओं का शत प्रतिशत लाभ मिले। शाह ने कहा कि इस सेवा डेरा में प्राथमिक कृषि ऋण समिति (PACS) भी बनेगा, डेयरी भी बनेगी और यहां तक हर आदिवासी महिला अपने पशुओं का दूध पहुंचा सकेंगी। शाह ने कहा कि इसी सेवा डेरा के माध्यम से हम बस्तर के हर आदिवासी को एक गाय और एक भैंस देने वाले हैं जिनके माध्यम से सहकारिता के तरीके से वह दूध की पूरे भारत में मार्केटिंग कर पाएंगे। आने वाले 6 माह में हम बस्तर संभाग में डेयरी का एक बड़ा नेटवर्क बनाने जा रहे हैं

अमित शाह ने कहा कि पहले यहां बंदूक के संगीन के साए थे, वहां अब विकास पहुंच जाएगा। अब तक नक्सलवादियों के कारण ये पूरा क्षेत्र विकास से महरूम रह गया था। न उन्हें राशन कार्ड मिला, न मुफ्त अनाज की योजना का फायदा मिला, न 5 लाख तक का स्वास्थ्य का बीमा मिला, न उनकी उपज को ?3100 क्विंटल की दर से खरीदने की व्यवस्था की गई। रोजगार का दूर-दूर तक नामोनिशान नहीं था, न गांव में बिजली पहुंची, न पानी पहुंचा और न स्कूल बने। उन्होंने कहा कि ये सारी व्यवस्था सेवा डेरा के माध्यम से हम पूरे बस्तर में करने जा रहे हैं और शहीद वीर गुण्डाधुर सेवा डेरा नक्सल प्रभावित बस्तर को नक्सल मुक्त विकसित बस्तर बनाने का एक बहुत बड़ा जरिया बनेगा। उन्होंने कहा कि यहां की वन उपज को कोऑपरेटिव तरीके से प्रोसेस कर इसका पूरा मुनाफा भी हम आदिवासियों तक पहुंचाएंगे।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि भारत सरकार ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में बस्तर के विकास के लिए कई काम किए हैं। हमने 20557 करोड़ रूपए की लागत से 12211 किलोमीटर सड़कों का निर्माण पूरा कर दिया है, कुल 13000 मोबाइल टावर की प्लानिंग की है, जिनमें से 5000 मोबाइल टावर देशभर के नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में लग भी चुके हैं। 1804 बैंक शाखाएं खुली हैं, 1321 एटीएम खुल चुके हैं और 890 पोस्ट ऑफिस खोलने का काम भी समाप्त हो चुका है। 259 एकलव्य मॉडल स्कूल खोले हैं, 46 आईटीआई और 49 स्किल डेवलपमेंट सेंटर खुल चुके हैं और 90000 से ज्यादा युवाओं और महिलाओं की स्किलिंग का काम हो चुका है।

ईंधन की कीमतों में 3.91 रुपए की बढ़ोतरी

एजेंसी ■ नई दिल्ली

भारत में इस सप्ताह घोषित पेट्रोल और डीजल की कीमतों में 3.91 रुपए प्रति लीटर या 4.4 प्रतिशत की वृद्धि तेल उत्पादक देशों जैसे सऊदी अरब को छोड़कर किसी भी प्रमुख अर्थव्यवस्था द्वारा की गई सबसे कम वृद्धि है। यह जानकारी ग्लोबलपेट्रोलप्राइसेजडॉटकॉम के द्वारा संकलित आंकड़ों में दी गई।

इंडियन ऑयल के एक अधिकारी ने बताया कि ईंधन की कीमतों में 3.91 रुपए की बढ़ोतरी से केवल आंशिक रूप से कच्चे तेल में आए उछाल की भरपाई हुई है। यह कदम क्रूड ऑयल की बढ़ी कीमतों को सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियों द्वारा 76 दिनों तक पूरी तरह से वहन करने के बाद उठाया गया है। इसके विपरीत, बाकी दुनिया कच्चे तेल की लागत में हुई वृद्धि को समायोजित करने के लिए दोनों ईंधनों की खुदरा कीमतों में 10 से 90 प्रतिशत तक की वृद्धि कर रही है।

आंकड़ों के मुताबिक, 'म्यांमार, मलेशिया, पाकिस्तान और संयुक्त अरब अमीरात में पेट्रोल की कीमत युद्ध-पूर्व मूल्य से आधे से अधिक बढ़ गई है, जबकि डीजल की कीमत वैश्विक व्यापार और माल ढुलाई से प्रत्यक्ष संबंध के कारण और भी तेजी से बढ़ी है। पाकिस्तानी उपभोक्ता आज पेट्रोल के लिए तीन महीने पहले की तुलना में लगभग 55 प्रतिशत अधिक भुगतान कर रहा है, मलेशियाई उपभोक्ता लगभग 56 प्रतिशत अधिक और संयुक्त अरब अमीरात के उपभोक्ता लगभग 52 प्रतिशत अधिक कीमत चुका रहे हैं।' रिपोर्ट में बताया गया कि विकसित अर्थव्यवस्थाओं में ईंधन की कीमतों में तेज वृद्धि दर्ज की गई है। अमेरिका में पेट्रोल की कीमतों में 45 प्रतिशत और डीजल की कीमतों में 48 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

'व्यापार समझौता-भारत-नॉर्डिक देशों का स्वर्णिम युग'

एजेंसी ■ ओस्लो

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ओस्लो में तीसरे इंडिया-नॉर्डिक समिट में शामिल हुए। समिट में सस्टेनेबिलिटी, इनोवेशन, क्लीन एनर्जी, नई टेक्नोलॉजी और शांतिपूर्ण और खुशहाल भविष्य के लिए सहयोग को मजबूत पर जोर दिया गया। इसके बाद पीएम मोदी ने नॉर्डिक देशों के नेताओं के साथ संयुक्त प्रेस मीट को संबोधित किया।

इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि लोकतंत्र, कानून के नियम और बहुपक्षवाद के प्रति साझा प्रतिबद्धता भारत और नॉर्वे को एक नेचुरल साझेदार बनाता है। दोनों देशों ने पश्चिम एशिया और वैश्विक तनाव के मुद्दों पर भी अपने विचार साझा किए। पीएम मोदी ने कहा, 'आज भारत-नॉर्डिक समिट में शामिल होने पर मुझे खुशी हो रही है। इस समिट का आयोजन करने के लिए राष्ट्रपति का धन्यवाद करता हूं। इस समिट में मैं सभी नॉर्डिक नेताओं का स्वागत करता हूं। लोकतंत्र, कानून के नियम और बहुपक्षवाद के प्रति हमारी साझा प्रतिबद्धता हमें नेचुरल साझेदार बनाती है। आठ वर्ष पहले हमने नॉर्डिक देशों के साथ अपने संबंधों को ऊर्जा और गति देने के लिए इस फॉर्मेट का गठन किया।'

उन्होंने कहा, 'मुझे बहुत खुशी है कि पिछले कुछ वर्षों में हमने अपने संबंधों में विशेष प्रगति की है। 10 वर्षों में हमारा द्विपक्षीय व्यापार चार गुना बढ़ा है। नॉर्डिक देशों के निवेश फंड भी भारत की रैपिड ग्रोथ में अहम साझेदार बन रहे हैं। पिछले एक दशक में नॉर्डिक देशों से भारत में निवेश में लगभग 200 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। तेजी से बढ़ते व्यापार और निवेश में भारत की ग्रोथ स्टोरी ने योगदान दिया है, साथ ही नॉर्डिक देशों की अर्थव्यवस्थाओं में भी बहुत सकारात्मक भूमिका निभाई और हजारों नई नौकरियां बनाई हैं।

इस मजबूत नींव पर अपने संबंधों को अगले स्तर पर ले जाने के लिए हमने हाल ही में कुछ महत्वपूर्ण पहल किए हैं।' पीएम मोदी ने कहा, 'अक्टूबर 2025 से नॉर्वे, आइसलैंड और अन्य ईएफटीए देशों के साथ हमने व्यापार और आर्थिक साझेदारी लागू की है। कुछ ही महीने पहले हमने भारत-ईयू एफटीए किया, जिसमें डेनमार्क, फिनलैंड और स्वीडन भी भागीदार हैं। इन व्यापार समझौतों से हम भारत-नॉर्डिक देशों के साथ संबंधों में नए स्वर्णिम युग की शुरुआत करने जा रहे हैं। हमने भारत और नॉर्वे के संबंधों को ग्रीन टेक्नोलॉजी और नवाचार रणनीतिक साझेदारी का स्वरूप देने का निर्णय लिया है।'

एआईएडीएमके को गठबंधन में शामिल किया तो समर्थन पर करेंगे पुनर्विचार

एजेंसी ■ नई दिल्ली

तमिलनाडु की राजनीति में सत्तारूढ़ टीवीके सरकार और उसके सहयोगियों के बीच मतभेद खुलकर सामने आने लगे हैं। वामपंथी दल सीपीएम ने मुख्यमंत्री विजय की पार्टी को साफ चेतावनी देते हुए कहा है कि यदि एआईएडीएमके को सरकार या गठबंधन में शामिल किया गया, तो पार्टी अपने समर्थन पर पुनर्विचार करेगी।

सीपीएम ने कहा कि तमिलनाडु की जनता ने डीएमके और एआईएडीएमके दोनों के खिलाफ जनादेश दिया है। ऐसे में एआईएडीएमके के किसी भी गुट को टीवीके सरकार का हिस्सा बनाना जनता की भावना के विपरीत होगा। पार्टी ने यह भी कहा कि एआईएडीएमके को गठबंधन में शामिल करना टीवीके के स्वच्छ शासन' के वादे के खिलाफ माना जाएगा।

सीपीएम ने क्यों दिया विजय को सरकार को समर्थन ?

सीपीएम नेताओं का कहना है कि फिलहाल पार्टी टीवीके सरकार का समर्थन इसलिए कर रही है क्योंकि राज्य अभी दोबारा चुनाव के लिए तैयार नहीं है। साथ ही, वे नहीं चाहते कि राजनीतिक अस्थिरता का फायदा उठाकर भाजपा राज्य में 'पिछले दरवाजे' से प्रवेश करे या राज्यपाल शासन की स्थिति बने।

'ईरान पर फिर हमला कर सकता है अमेरिका'

ट्रंप के बयान ने बढ़ाई दुनिया की चिंता

एजेंसी ■ नई दिल्ली

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने कहा है कि अमेरिका को भविष्य में ईरान पर फिर से हमला करने की जरूरत पड़ सकती है। उन्होंने दावा किया कि मंगलवार को वह ईरान पर सैन्य कार्रवाई का फैसला लेने से सिर्फ एक घंटे दूर थे, लेकिन अंतिम समय में हमले को टाल दिया गया।

व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बातचीत के दौरान डोनल्ड ट्रंप ने कहा, 'मैं हमला करने का फैसला लेने से केवल एक घंटे की दूरी पर था।' हालांकि उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि हमला किस प्रकार का होने वाला था और उसे क्यों स्थगित किया गया।

ईरान के नेता अब समझौता करने के लिए गुहार लगा रहे- ट्रंप

ट्रंप ने यह भी दावा किया कि ईरान के नेता अब समझौता करने के लिए गुहार लगा रहे हैं। उनके इस बयान को अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के संदर्भ में काफी अहम माना जा रहा है।

पश्चिम एशिया में लगातार बढ़ रहा तनाव

हाल के महीनों में पश्चिम एशिया में तनाव लगातार बढ़ा है। ईरान के परमाणु कार्यक्रम, क्षेत्रीय सुरक्षा और अमेरिकी सैन्य मौजूदगी को लेकर दोनों देशों के बीच कई बार तीखी बयानबाजी हो चुकी है।

दोनों देशों के बीच तनाव पर दुनिया पर असर

ट्रंप के इस बयान के बाद अंतरराष्ट्रीय समुदाय की नजरें अब अमेरिका-ईरान संबंधों पर टिक गई हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि दोनों देशों के बीच तनाव और बढ़ता है तो इसका असर पूरे पश्चिम एशिया की सुरक्षा और वैश्विक तेल बाजार पर पड़ सकता है।

रि-एग्जाम में कोई गलती बर्दाश्त नहीं : धर्मेन्द्र प्रधान

एजेंसी ■ नई दिल्ली

नीट-यूजी पेपर लीक विवाद के बाद, केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने पुनर्परीक्षा की तैयारियों की समीक्षा की और सख्त सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत एक त्रुटिरहित परीक्षा सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने अधिकारियों को पिछली परीक्षा की सभी खामियों को दूर करने और परीक्षा प्रक्रिया में पूर्ण पारदर्शिता बनाए रखने पर जोर दिया।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने मंगलवार को आगामी नीट (यूजी) पुनर्परीक्षा की तैयारियों का जायजा लेने के लिए एक बैठक की अध्यक्षता की और सख्त सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत त्रुटिरहित परीक्षा आयोजित करने की मांग की। उच्च स्तरीय बैठक के दौरान, प्रधान ने परीक्षा के संचालन में पूर्ण निष्ठा और पारदर्शिता की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने निर्देश दिया कि पिछली परीक्षा प्रक्रिया में पाई गई सभी कमियों को व्यापक रूप से दूर किया जाए। यह बैठक नीट-यूजी 2026 विवाद और परीक्षा की निष्पक्षता को लेकर जारी चिंताओं के बीच हुई है। समीक्षा के दौरान मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि पुनर्परीक्षा आयोजित करने से पहले पिछली परीक्षा प्रक्रिया में पाई गई कमियों को व्यापक रूप से दूर किया जाना चाहिए। मंत्री ने अधिकारियों को परीक्षा प्रक्रिया में मौजूद खामियों को दूर करने का निर्देश दिया। आधिकारिक बयान के अनुसार, प्रधान ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे सुनिश्चित करें कि पुन: नीट परीक्षा सख्त सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत सुरक्षित, सुचारू और त्रुटिरहित तरीके से आयोजित की जाए। उन्होंने परीक्षा प्रक्रिया की विश्वसनीयता बनाए रखने की आवश्यकता पर जोर दिया और अधिकारियों को निर्देश दिया कि जहां भी पहले खामियां पाई गई हों, वहां सुधारात्मक उपाय लागू किए जाएं। मंत्री ने जमीनी स्तर पर निगरानी तंत्र को मजबूत करने के लिए केंद्रीय और स्थानीय अधिकारियों के बीच घनिष्ठ समन्वय का भी आह्वान किया।

खतरनाक कुत्तों को मौत का इंजेक्शन दें : सुप्रीम कोर्ट

लोगों की सुरक्षा जरूरी; जो अफसर निर्देश न माने, उन पर अवमानना का केस चले

एजेंसी ■ नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि खतरनाक या रेबीज से संक्रमित आवारा कुत्तों को इंजेक्शन लगाकर मारा जा सकता है, लोगों की जान की हिफाजत जरूरी है और गरिमा के साथ जीने में कुत्तों के खतरे से मुक्त होकर रहने का अधिकार भी शामिल है।

मंगलवार को दिए गए इस मामले पर आखिरी फैसले के साथ ही कोर्ट ने सार्वजनिक जगहों से आवारा कुत्तों को हटाने के आदेश के खिलाफ दाखिल सभी याचिकाएं खारिज कर दी। कोर्ट ने कहा कि आवारा कुत्तों के पुनर्वास और नसबंदी पर नवंबर 2025 में दिए गए निर्देश ही लागू होंगे। जो अफसर इनका पालन न करें, उन पर अवमानना का केस चले। नवंबर 2025 में सुप्रीम कोर्ट ने स्कूलों, अस्पतालों, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, हाईवे जैसे पब्लिक प्लेस से आवारा कुत्तों को हटाने के निर्देश जारी किए थे।

कोर्ट ने कहा था कि आवारा कुत्तों को जहां से पकड़ें, नसबंदी और टीकाकरण के बाद वहीं न छोड़ें। ऐसे कुत्तों को शेल्टर होम्स में रखें। अदालत ने सड़कों पर कुत्तों को खाना खिलाने पर भी बैन लगाया था। इसके बाद कई डॉग

लवर्स और एनजीओ ने इन निर्देशों को रद्द कराने के लिए कई याचिकाएं दाखिल की थीं। हालांकि इन याचिकाओं की संख्या की जानकारी नहीं दी गई है।

मंगलवार के आदेश की 8 अहम बातें

राज्य सरकारें पशु कल्याण बोर्ड के नियमों को मजबूत करें और सही तरीके से लागू करें। हर जिले में पूरी तरह काम करने वाला एक एबीसी सेंटर (एनिमल बर्थ कंट्रोल सेंटर) बनाया जाए। जहां आवारा कुत्तों की आबादी ज्यादा है, वहां जरूरत के हिसाब से एबीसी सेंटरों की संख्या बढ़ाई जाए। जनता की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए दूसरे सार्वजनिक स्थानों पर भी ये नियम लागू करने पर फैसला लिया जाए और उसे तय समय में लागू किया जाए।

एंटी-रेबीज दवाओं की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। एनएचएआई नेशनल हाईवे पर आवारा पशुओं की समस्या से निपटने के लिए जरूरी कदम उठाए, जैसे पुराने ट्रांसपोर्ट वाहनों का इस्तेमाल कर उन्हें हटाना। ह॥ढ्ढ इसकी मॉनिटरिंग भी करे। रेबीज से संक्रमित और बेहद खतरनाक कुत्तों को कानून के तहत और जरूरत पड़ने पर यूथेनेशिया (दया मृत्यु) जैसे कदम उठाए जा सकते हैं ताकि लोगों का जीवन सुरक्षित रहे। कोर्ट के आदेश लागू करने वाले नगर निगम और सरकारी अधिकारियों को कानूनी सुरक्षा दी जाए। सामान्य तौर पर उनके खिलाफ स्रढ्ढक्रऔर सख्त कार्रवाई न की जाए।

सुप्रीम कोर्ट ने 3 राज्यों में कुत्तों के काटने की घटनाएं गिनाईं

राजस्थान के गंगानगर में एक महीने में कुत्तों के काटने की 1084 घटनाएं सामने आईं। छोटे बच्चों को गंभीर चोटें आईं, जिनमें चेहरों पर गहरे घाव शामिल हैं। तमिलनाडु में साल के पहले चार महीनों में कुत्तों के काटने की लगभग 2 लाख घटनाएं दर्ज की गईं।

भारत बनाम अफगानिस्तान : भारत की वनडे और टेस्ट टीम घोषित

कोहली-रोहित को मौका, नहीं खेलेंगे बुमराह

एजेंसी ■ मुंबई

भारत और अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट मैच और तीन वनडे मुकाबलों की सीरीज के लिए भारतीय टीम का ऐलान हो गया है। दोनों ही फॉर्मेट में टीम इंडिया की कमान शुभमन गिल के हाथों में है। अनुभवी विराट कोहली और रोहित शर्मा को वनडे टीम में मौका मिला है, जबकि जसप्रीत बुमराह इस टूर्नामेंट का हिस्सा नहीं होंगे। हालांकि, रोहित के अलावा, हार्दिक पांड्या का खेलना फिटनेस के आधार पर तय होगा। केएल राहुल टेस्ट टीम में भारत के उप-कप्तान होंगे। इस टीम में युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल को भी शामिल किया गया है। विकेटकीपिंग का जिम्मा ऋषभ पंत के कंधों पर होगा। साईं सुदर्शन, देवदत्त पड्डिकल, वॉशिंगटन सुंदर, नितीश राणा और मोहम्मद सिराज जैसे खिलाड़ियों के साथ एम सुथार, प्रसिद्ध कृष्णा, गुरनूर बरार और हर्ष दुबे को इस टीम

में स्थान मिला है। वनडे टीम की बात करें, तो रोहित शर्मा और हार्दिक पांड्या को इस सीरीज में मौका दिया गया है, लेकिन उनका खेलना फिटनेस के आधार पर तय होगा। अनुभवी खिलाड़ी विराट कोहली वनडे सीरीज में नजर आएंगे। ईशान किशन, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल, अर्शदीप सिंह, वॉशिंगटन सुंदर को भी इस सीरीज में मौका दिया गया है। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 का फाइनल 31 मई को खेला जाएगा, जिसके बाद 6 जून से भारत और अफगानिस्तान के बीच टूर्नामेंट की शुरुआत होगी।

पश्चिम बंगाल सरकार ने चार नगर निकायों को भंग किया, प्रशासकों की नियुक्ति की

कोलकाता। पश्चिम बंगाल नगर निगम विभाग ने मंगलवार को राज्य के उत्तरी बंगाल में स्थित तृणमूल कांग्रेस द्वारा संचालित चार शहरी नगर निकायों के बोर्डों को भंग करने की घोषणा की। इन निकायों पर लंबे समय से बिना चुनाव कराए प्रशासनिक बोर्डों के माध्यम से अवैध रूप से काम करने के गंभीर आरोप थे।

राज्य सरकार ने साथ ही घोषणा की कि नए चुनाव होने और नए बोर्ड सदस्यों के निर्वाचित होने तक इन चारों शहरी नगर निकायों का प्रशासनिक अधिकार संबंधित उप-विभागीय अधिकारियों को सौंप दिया जाएगा।

राज्य नगर निगम विभाग द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, इन चारों शहरी नगर निकायों के मौजूदा बोर्डों को भंग करने का निर्णय राज्यपाल आरएन रवि के कार्यालय से मिली सलाह के बाद लिया गया।

चार शहरी नगर निकायों में से तीन दार्जिलिंग जिले में हैं, जिनके नाम हैं कर्सियोंग नगरपालिका, मिरिक अधिसूचित क्षेत्र प्राधिकरण और कलिम्पोंग नगरपालिका, जबकि एक दक्षिण दिनाजपुर जिले में है, जिसका नाम है बुनियादपुर नगरपालिका।बुनियादपुर नगरपालिका के प्रशासक के रूप में गंगारामपुर के उप-विभागीय अधिकारी को नियुक्त किया गया है, जबकि कर्सियोंग नगरपालिका, मिरिक अधिसूचित क्षेत्र प्राधिकरण और कलिम्पोंग नगरपालिका के प्रशासकों के रूप में क्रमश: कर्सियोंग, मिरिक और कलिम्पोंग के उप-विभागीय अधिकारियों को नियुक्त किया गया है। कर्सियोंग नगरपालिका, मिरिक अधिसूचित क्षेत्र प्राधिकरण और कलिम्पोंग नगरपालिका के लिए अंतिम चुनाव मई 2017 में हुए थे।

तत्कालीन सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस ने अपने स्थानीय पहाड़ी सहयोगियों के साथ मिलकर इन तीनों प्राधिकरणों के बोर्डों पर नियंत्रण कर लिया था। हालांकि, अप्रैल 2022 में इन बोर्डों का कार्यकाल समाप्त होने के बाद भी राज्य सरकार ने चुनाव नहीं कराए। इसके बजाय, इन तीनों शहरी नगर निकायों के बोर्डों के तत्कालीन अध्यक्षों को प्रशासक नियुक्त किया गया। विपक्ष ने आरोप लगाया कि शहरी नगर निकाय बोर्डों के अध्यक्षों को प्रशासक नियुक्त करने से नगरपालिकाओं की शक्तियां प्रभावी रूप से सत्ताधारी दल के हाथों में चली गईं।

शिक्षा को अधिक रोजगारोन्मुखी, शोध-आधारित और भारतीय मूल्यों के अनुकूल बनाया जाए : सांसद बृजमोहन

'विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान विधेयक, 2025' पर संयुक्त समिति की बैठक में सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने दिए महत्वपूर्ण सुझाव

नई दिल्ली। सांसद एवं वरिष्ठ भाजपा नेता बृजमोहन अग्रवाल मंगलवार को नई दिल्ली में आयोजित 'विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान विधेयक, 2025' पर गठित संसद की संयुक्त समिति की एक अत्यंत महत्वपूर्ण बैठक में शामिल हुए।

बैठक में बृजमोहन अग्रवाल ने देश की भावी शिक्षा व्यवस्था के ढांचे को मजबूत करने के लिए अपने कई बहुमूल्य और व्यावहारिक सुझाव साझा किए।

बैठक में देश के उच्च शिक्षा और तकनीकी क्षेत्र के शीर्ष संस्थानों के प्रमुखों ने हिस्सा लिया। इसमें IIT मुंबई, IITDM कांचीपुरम, सास्त्रा विश्वविद्यालय, शिव नादर विश्वविद्यालय, केंद्रीय विश्वविद्यालय गुजरात, डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेन ट्रेड (IIFT) और इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मास कम्युनिकेशन (IIMC) जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों के कुलपतियों एवं विषय-विशेषज्ञों ने विधेयक के विभिन्न प्रावधानों पर अपने तकनीकी व व्यावहारिक दृष्टिकोण प्रस्तुत किए।

बैठक में चर्चा के मुख्य बिंदुओं को साझा करते हुए सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कहा, 'आदरणीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'विकसित भारत @2047' के संकल्प को पूरा करने में हमारी शिक्षा नीति की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। आज का यह संवाद नई शिक्षा नीति (NEP) को और अधिक प्रभावी, रोजगारोन्मुखी, शोध-आधारित तथा हमारे समृद्ध भारतीय मूल्यों के अनुरूप बनाने की दिशा में अत्यंत सार्थक और दूरगामी सिद्ध होगा।' अग्रवाल ने कहा कि आधुनिक शिक्षा को न केवल वैश्विक मानकों के अनुरूप होना चाहिए, बल्कि उसमें हमारी सांस्कृतिक जड़ों और नैतिक मूल्यों का समावेश भी अनिवार्य है।

जनगणना में 'ट्रांसमेन' और 'ट्रांसविमेन' की अलग श्रेणी शामिल करने के पक्ष में एनएचआरसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने आगामी भारत की जनगणना में 'इंटरसेक्स', 'ट्रांसमेन' और 'ट्रांसविमेन' जैसी अलग श्रेणियों को शामिल करने की सिफारिश की है। आयोग ने मंगलवार को जारी अपने 'एडवाइजरी 2.0' में ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के कल्याण और अधिकारों को सुनिश्चित करने के लिए कई अहम सुझाव दिए हैं।

एनएचआरसी ने कहा कि ट्रांसजेंडर और इंटरसेक्स व्यक्तियों को बिना किसी भेदभाव के उत्तराधिकार, संपत्ति, आवास और पारिवारिक अधिकार दिए जाने चाहिए। इसके साथ ही शैक्षणिक संस्थानों में स्व-पहचाने गए जेंडर के आधार पर ट्रांसजेंडर छात्रों को प्रवेश देने की भी सिफारिश की गई है।आयोग ने जन्म और मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, किशोर न्याय अधिनियम और उत्तराधिकार कानूनों समेत कई कानूनों की समीक्षा करने की जरूरत बताई है, ताकि स्व-पहचाने गए जेंडर को कानूनी मान्यता मिल सके और ट्रांसजेंडर व इंटरसेक्स व्यक्तियों के अधिकारों की रक्षा हो सके।

यह एडवाइजरी 11 मंत्रालयों, भारत के रजिस्ट्रार जनरल एवं जनगणना आयुक्त कार्यालय और सभी राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों/प्रशासकों को भेजी गई है। आयोग ने सभी संबंधित विभागों से दो महीने के भीतर 'एक्शन टेकन रिपोर्ट' (एटीआर) सौंपने को कहा है।

एडवाइजरी जिन मंत्रालयों को भेजी गई है, उनमें सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता, गृह, कानून एवं न्याय, सांख्यिकी एवं कार्यक्रम क्रियान्वयन, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, महिला एवं बाल विकास, कॉरपोरेट कार्य, श्रम एवं रोजगार, आवास एवं शहरी कार्य तथा ग्रामीण विकास मंत्रालय शामिल हैं।एनएचआरसी ने कहा कि 15 सितंबर 2023 को जारी पिछली एडवाइजरी पर संबंधित विभागों की सकारात्मक प्रतिक्रिया और सहयोग उत्साहजनक रहा है। आयोग ने ट्रांसजेंडर व्यक्तियों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति सुधारने के लिए सरकार द्वारा किए गए प्रयासों, खासकर ट्रांसजेंडर व्यक्ति (अधिकारों का संरक्षण) अधिनियम, 2019 और उससे जुड़ी योजनाओं की भी सराहना की।

हालांकि आयोग ने अपने फील्ड इंटरैक्शन, हितधारकों से बातचीत और योजनाओं की समीक्षा के आधार पर पाया कि ट्रांसजेंडर समुदाय अब भी कई चुनौतियों का सामना कर रहा है। इसी को देखते हुए आयोग ने उनके कल्याण के लिए नई सिफारिशें जारी की हैं।

एडवाइजरी में 10 प्रमुख क्षेत्रों पर विशेष जोर दिया गया है। इनमें राष्ट्रीय डाटा प्रणाली में जेंडर विविधता को शामिल करना, कानूनों और नीतियों को जेंडर समावेशी बनाना, संपत्ति का अधिकार, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं तक समान पहुंच, कार्यस्थलों पर समावेशिता, विविध जेंडर पहचान वाले बच्चों के अधिकारों की सुरक्षा, बुजुर्ग ट्रांसजेंडर व्यक्तियों की देखभाल और 'गरिमा गृह' आश्रय केंद्रों को मजबूत करना शामिल है।

तमिलनाडु सरकार का बड़ा कदम, 10वीं रिजल्ट से पहले छात्रों के लिए मुफ्त काउंसलिंग हेल्पलाइन

चेन्नई। तमिलनाडु सरकार ने कक्षा 10वीं (एसएसएलसी) परीक्षा परिणाम जारी होने से पहले छात्रों और अभिभावकों के लिए मानसिक स्वास्थ्य परामर्श को लेकर एडवाइजरी जारी की है। राज्य सरकार ने मुफ्त मानसिक स्वास्थ्य काउंसलिंग सेवाओं का लाभ उठाने की अपील की है।

शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए एसएसएलसी परीक्षा के परिणाम 20 मई को जारी होने वाले हैं। इसे देखते हुए स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग ने कहा कि छात्रों के भावनात्मक संतुलन और मानसिक स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए प्रशिक्षित मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों और डॉक्टरों द्वारा लगातार टेली-काउंसलिंग सहायता प्रदान की जा रही है।

सरकार ने ऐसे छात्रों और अभिभावकों से हेल्पलाइन नंबर 14416 या 104 पर संपर्क करने की अपील की है, जिन्हें किसी प्रकार की काउंसलिंग सहायता की जरूरत हो। इन नंबरों पर मुफ्त सहायता उपलब्ध कराई जा रही है।

अधिकारियों के अनुसार, इस पहल का उद्देश्य परीक्षा परिणाम के दौरान छात्रों में तनाव को कम करना और उनके मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखना है।

बता दें कि 20 मई को तमिलनाडु एसएसएलसी कक्षा 10वीं परीक्षा परिणाम 2026 जारी होने वाले हैं। तमिलनाडु निदेशालय सरकारी परीक्षा 20 मई को सुबह 9:30 बजे एसएसएलसी कक्षा 10वीं के परिणाम घोषित करेगा। इस साल 8 लाख से अधिक छात्र अपने रिजल्ट का इंतजार कर रहे हैं।

परिणाम जारी होने के बाद छात्र आधिकारिक पोर्टल, डिजीलॉकर और उमंग ऐप के माध्यम से ऑनलाइन अपना परिणाम देख सकेंगे। तमिलनाडु में कक्षा 10वीं की बोर्ड परीक्षाएं 11 मार्च से 6 अप्रैल तक राज्य भर के विभिन्न परीक्षा केंद्रों पर ऑफलाइन मोड में आयोजित की गईं। परीक्षाएं सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक एक ही शिफ्ट में आयोजित की गईं।पिछले साल तमिलनाडु बोर्ड ने 16 मई को एसएसएलसी के परिणाम घोषित किए थे और 93.80 प्रतिशत छात्र पास हुए थे। साल 2025 में कुल 9,13,036 छात्र परीक्षा में शामिल हुए थे। लड़कों की तुलना में लड़कियों का प्रदर्शन बेहतर रहा था।

25 मई से 2 जून तक खूब तपेगी धरती: 9 दिन क्यों पड़ती है भीषण गर्मी? जानें क्या है नौतपा और उसका महत्व

नई दिल्ली। गर्मी अब और बढ़ने वाली है। मौसम विभाग के अनुसार, नई दिल्ली में मंगलवार को तापमान 42 डिग्री दर्ज किया गया। हालांकि, ये तपन अभी रुकने वाली नहीं है। दिल्ली-एनसीआर समेत देश के कई हिस्सों में तापमान बढ़ेगा। भारत सरकार ने हीटवेव को लेकर पहले ही एडवाइजरी जारी कर दी है। ठीक इसी बीच 25 मई से नौतपा शुरू हो रहा है, जो 2 जून तक चलेगा। इन 9 दिनों में धरती खूब तपेगी और भीषण गर्मी के साथ लू चलने की संभावना है।

'नौतपा' का अर्थ है नौ दिनों की भारी तपिश। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, ज्येष्ठ मास में सूर्य रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश करते हैं। 25 मई को सूर्य रोहिणी नक्षत्र में जाएंगे, जिसके कारण सूर्य और पृथ्वी के बीच की दूरी कम हो जाती है। सूर्य की किरणें पृथ्वी पर सीधे और तेजी से पड़ती हैं, जिससे गर्मी बेहद बढ़ जाती है। इन नौ दिनों में तापमान सामान्य से काफी ज्यादा रहता है और लू का प्रकोप देखने को मिलता है। हालांकि, नौतपा सिर्फ गर्मी से जुड़ा नहीं है, बल्कि यह मानसून और कृषि के लिए भी बेहद महत्वपूर्ण है। मान्यता है कि जितनी भीषण गर्मी और सूखा नौतपा के दौरान पड़ेगा, मानसून उतना ही अच्छा और लंबा होने की संभावना बढ़ जाती है।

नौतपा के गर्म और शुष्क दिन समुद्र के पानी को गर्म करते हैं, जिससे बादल बनने की प्रक्रिया तेज होती है और खरीफ फसलों को अच्छी बारिश मिलती है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, रोहिणी नक्षत्र के स्वामी चंद्रमा हैं। सूर्य की तेज उपस्थिति में चंद्रमा की शीतलता कम हो जाती है, इसलिए इन दिनों गर्मी का प्रभाव ज्यादा रहता है। धर्म शास्त्रों में सलाह मिलती है कि नौतपा के दौरान क्या करें और क्या न करें। नौतपा के दौरान सूर्य देव की उपासना करें। सूर्यदेव को जल अर्पित करें। इसके लिए तांबे के लोटे में चावल, गुड़, रोली व लाल फूल डालकर अर्पित करें व धूप-दीप दिखाएं।

नौतपा में पूजा-पाठ के साथ दान-पुण्य का भी काफी महत्व है। भीषण गर्मी के 9 दिनों के दौरान जरूरतमंदों को शरबत, सत्तू, ठंडा पानी, पंखा और मौसमी सब्जियां व फल दान करें।

रांची में बाइक चोरी करने वाले संगठित गिरोह का खुलासा, चोरी की 12 मोटरसाइकिलें बरामद, सात गिरफ्तार

रांची। रांची पुलिस ने शहर के नामकुम थाना क्षेत्र में सक्रिय मोटरसाइकिल चोरी करने वाले एक संगठित गिरोह का पर्दाफाश करते हुए सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके पास से चोरी की 12 मोटरसाइकिलें, कई कटे हुए इंजन और छह मोबाइल फोन बरामद किए हैं।

पुलिस के मुताबिक, गिरोह रांची और आसपास के इलाकों के हाट-बाजारों से बाइक चोरी कर उनके नंबर प्लेट बदलकर बेच डालता था। रांची के वरीय पुलिस अधीक्षक को 18 मई की शाम सूचना मिली थी कि चोरी की एक नीले रंग की अपाचे बाइक से एक युवक रामपुर की ओर जा रहा है। सूचना के बाद ग्रामीण एसपी के निर्देशन में वरीय पुलिस उपाधीक्षक अमर कुमार पांडेय के नेतृत्व में विशेष छापेमारी टीम बनाई गई।

पुलिस टीम ने सिदरौल जोड़ा मंदिर के पास वाहन जांच अभियान शुरू किया। इसी दौरान एक नीले रंग की अपाचे बाइक के साथ एक युवक को पकड़ा गया। पूछताछ में उसने अपनी पहचान बिहार के सारण जिले के सिताबदियारा निवासी अभय सिंह उर्फ मन्नु सिंह के रूप में बताई।

आरोपी ने स्वीकार किया कि बाइक चोरी की है और उसे नंबर प्लेट बदलकर बेचने के लिए बेड़ो निवासी वसीम ओहदार उर्फ वसीम आलम के पास ले जाया जा रहा था।

कांग्रेस सरकार के तीन साल: सीएम सिद्धारमैया बोले, 'कर्नाटक मॉडल, गुजरात मॉडल से बेहतर'

तुमकुरु। मुख्यमंत्री के रूप में अपने दूसरे कार्यकाल में कर्नाटक में कांग्रेस सरकार के तीन साल पूरे होने के उपलक्ष्य में, सिद्धारमैया ने मंगलवार को तुमकुरु जिला प्रशासन और जिला पंचायत द्वारा आयोजित 'तीन साल की उपलब्धियों के प्रति समर्पण सम्मेलन' का उद्घाटन किया।

इस अवसर पर, उन्होंने 'नव कर्नाटक' विकास मॉडल प्रदर्शनी का भी उद्घाटन किया और तुमकुरु जिले में 682 करोड़ रुपए की प्रमुख विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखी।

गृह मंत्री जी. परमेश्वर के नेतृत्व और राजस्व मंत्री कृष्णा बायरे गौड़ा की देखरेख में आयोजित इस विशाल सम्मेलन में उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार, सभी कैबिनेट मंत्री और विधायक उपस्थित थे।

'तीन साल की उपलब्धियों के प्रति समर्पण सम्मेलन' का उद्घाटन करने के बाद मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा कि परमेश्वर और राजस्व मंत्री कृष्णा बायरे गौड़ा ने इस कार्यक्रम का आयोजन सार्थक और स्वेच्छा से किया है।

सिद्धारमैया ने कहा कि गृह मंत्री जी. परमेश्वर की अध्यक्षता में तैयार किए गए पार्टी के चुनावी घोषणापत्र में किए गए 580 वादों में से कांग्रेस सरकार ने 290 से अधिक वादे पूरे कर दिए हैं और आश्वासन दिया कि शेष वादे भी अगले दो वर्षों के भीतर पूरे कर दिए जाएंगे।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार ने सत्ता संभालने के तुरंत बाद पांच गारंटी योजनाओं को लागू कर दिया था और जनता से किए गए कई अन्य वादों को पूरा करने की दिशा में भी काम किया था।

उन्होंने कहा कि हमने सभी जातियों और धर्मों के लोगों के विकास के लिए काम किया है। हमने सभी समुदायों के गरीब लोगों को सशक्त बनाया है। भाजपा के विपरीत, हमने जाति और धर्म के नाम पर विभाजनकारी राजनीति नहीं की।

भाजपा पर निशाना साधते हुए सिद्धारमैया ने दावा किया कि 'कर्नाटक विकास मॉडल' 'गुजरात मॉडल' से बेहतर है।

उन्होंने दावा किया कि भाजपा गुजरात में 35 वर्षों से सत्ता में है, लेकिन वहां वास्तविक विकास नहीं हुआ है। गुजरात में हाल ही में हुई एक घटना, जिसमें एक मकान मालिक ने 2,500 रुपए के बकाया किराए को लेकर एक गरीब किरायेदार परिवार की 13 वर्षीय लड़की का यौन उत्पीड़न किया, गुजरात के वास्तविक मॉडल को दर्शाती है।

मुख्यमंत्री ने ईंधन और अन्य वस्तुओं की बढ़ती कीमतों को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आलोचना भी की।

सिद्धारमैया ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के प्रधानमंत्री बनने से पहले डीजल, पेट्रोल और सोने की कीमतें काफी कम थीं। आज कीमतें आसमान छू रही हैं। गरीब और मध्यम वर्ग दोनों ही इससे पीड़ित हैं।

संक्षिप्त खबरें

मनोहरमल ज्वेलर्स से 2 करोड़ का सोना गायब

रायपुर । छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के सदर बाजार स्थित एक सराफा कारोबारी के यहां करीब 2 करोड़ रुपए से ज्यादा के सोने के जेवर गबन का मामला सामने आया है। कारोबारी की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी कर्मचारी के खिलाफ केस दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। मामला पुरानी बस्ती थाना क्षेत्र का है। पुलिस के मुताबिक पीड़ित कारोबारी सुरेश भंसाली है, जो सदर बाजार में मनोहरमल एंड कंपनी नाम से सोने–चांदी का कारोबार करते हैं। कोतवाली निरीक्षक सतीश सिंह ने बताया कि, कारोबारी की शिकायत पर उसके कर्मचारी के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। मामले की जांच की जा रही है।

16 साल से दुकान में काम कर रहा था आरोपी

कारोबारी ने पुलिस को बताया कि, सूरज साहू नाम का कर्मचारी पिछले 16 साल से उनकी दुकान में काम कर रहा था। आरोपी पर रोजाना डिस्प्ले में रखे गए जेवरों को वापस लॉकर में सुरक्षित रखने की जिम्मेदारी थी। बताया जा रहा है कि 9 अप्रैल 2026 को दुकान बंद होने के दौरान सूरज साहू ने जेवरों को लॉकर में रखने के बजाय अपने पास रख लिया। शुरुआत में किसी को इसकी जानकारी नहीं हुई।

'विश्व पर्यावरण दिवस अभियान-2026' प्रभात फेरी एवं नुक्कड़ नाटक से जागरूकता

रायपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रायपुर मंडल द्वारा 'विश्व पर्यावरण दिवस अभियान–2026' (15 मई से 5 जून 2026) के अंतर्गत पर्यावरण संरक्षण एवं जन–जागरूकता हेतु दिनांक 18 मई,2026 को प्रभात फेरी एवं नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। यह अभियान केवल एक दिवस तक सीमित न होकर विस्तारित अवधि में चरणबद्ध रूप से संचालित किया जा रहा है, जिसमें जागरूकता, संवाद एवं व्यवहार परिवर्तन आधारित गतिविधियाँ आयोजित की जा रही हैं। इसी क्रम में आज रायपुर रेल मंडल के अधिकारियों कर्मचारियों स्काउट गाइड्स द्वारा मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय से डब्ल्यू आर एस मार्केट तक एवं मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय में वापसी के दौरान प्रभात फेरी का आयोजन किया गया और डब्ल्यू आर एस मार्केट एवं रायपुर रेलवे स्टेशन पर नुक्कड़ नाटक के माध्यम से प्लास्टिक के दुष्प्रभावों से जलवायु परिवर्तन पर पड़ने वाले प्रभावों के बारे में यात्रियों को जन जागरूक किया गया। प्लास्टिक के स्थान पर वैकल्पिक एवं पर्यावरण–अनुकूल सामग्री अपनाने का संदेश दिया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ मंडल यांत्रिक इंजीनियर (समन्वय) समर कर वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी, वरिष्ठ मंडल संरक्षा अधिकारी, सहायक वाणिज्य प्रबंधक सहित संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

श्रमिक दिवस का आयोजन

रायपुर। श्रमिक दिवस के परिपेक्ष में रायपुर रेल मंडल के 46 ईमानदार, मेहनती एवं रेल के प्रति समर्पित विभिन्न विभागो के रेल कर्मचारियों को सेक्रो (दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे महिला कल्याण संगठन, रायपुर) के द्वारा उल्लास क्लब, शिवनाथ रेल विहार, डब्ल्यु.आर.एस कालोनी, रायपुर में उपहार देकर सम्मानित किया गया। इस श्रमिक दिवस उत्सव के आयोजन के अवसर पर अध्यक्षा/सेक्रो, शिखा सिंह, उपाध्यक्षा अदिति अग्रवाल, सचिव राशी गुप्ता, कोषाध्यक्ष रितिका डूडी, सह–सचिव अमृता शाह एवं अन्य सभी सेक्रो सदस्याएं उपस्थित रही।

स्कूल ड्रॉपआउट दर में कमी, गुणवत्ता में सुधार मिलावटखोरी पर लगे रोक : अमित शाह

संवाददाता ■ रायपुर

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने छत्तीसगढ़ के बस्तर में मध्य क्षेत्रीय परिषद की 26वीं बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी सहित इन सदस्य राज्यों और केन्द्र सरकार के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। यह बैठक केन्द्रीय गृह मंत्रालय के अधीन कार्यरत अंतर–राज्य परिषद सचिवालय द्वारा छत्तीसगढ़ सरकार की मेज़बानी में आयोजित की गई।

बैठक को संबोधित करते हुए केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि यह बहुत हर्ष का विषय है कि यह बैठक बस्तर में आयोजित की जा रही है और इससे पहले ही आज पूरा बस्तर नक्सल मुक्त हो गया है। उन्होंने कहा कि उन्होंने कहा कि आज भारत के नक्सल मुक्त होने का संपूर्ण श्रेय हमारे सुरक्षाबलों के जवानों के परिश्रम और बहादुरी को जाता है। हमारी एजेंसियों ने बहुत सटीकता के साथ इनपुट एकत्र किए, सभी राज्यों के पुलिसबलों और केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (ष्ट्रक्क्नह्य) के साथ मिलकर हर इनपुट पर सटीक कार्रवाई करने से संबंधित समयबद्ध निर्णय किए। इसके साथ ही Whole of the Government Approach के साथ सभी राज्य सरकारों और केन्द्र सरकार के सभी विभागों ने नक्सलमुक्त हुए क्षेत्रों में विकास को पहुंचाने का काम किया।

अमित शाह ने कहा कि हमारी लड़ाई समाप्त नहीं हुई है क्योंकि नक्सल प्रभावित क्षेत्र लगभग पांच दशक से विकास की दौड़ में पिछड़े हुए हैं। उन्होंने कहा कि जब तक इन क्षेत्रों को विकास के मामले में देश के बाकी क्षेत्रों के समकक्ष नहीं ले आते, तब तक हमारी लड़ाई समाप्त नहीं होगी। केन्द्रीय गृह मंत्री ने पूरे देश के नक्सल मुक्त होने के अवसर पर देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी का हार्दिक अभिनंदन किया।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार को नक्सलवाद के खिलाफ लड़ाई में जो भी चीजें चाहिए थीं, उन्होंने भारत सरकार के गृह मंत्रालय के साथ समन्वय कर उन्हें प्राप्त किया और जहां नेतृत्व की जरूरत थी, वहां मुख्यमंत्री जी और उपमुख्यमंत्री जी ने नेतृत्व भी प्रदान किया और इसी का परिणाम है कि आज बस्तर नक्सल मुक्त हो चुका है। अमित शाह ने कहा कि राज्यों के बीच के और राज्यों और केन्द्र के बीच के सभी विवादित मुद्दे समाप्त कर हम आज एक अच्छे वातावरण में यह बैठक कर रहे हैं। शाह ने कहा कि आज की बैठक में सभी एजेंडा विकास की मॉनिटरिंग से संबंधित थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में हमारा संघीय ढांचा मजबूत हुआ है और क्षेत्रीय परिषद की बैठकें निरंतर हो रही हैं, जिसके परिणामस्वरूप बहुत बड़े भूभाग में चार राज्यों के बीच और चार राज्यों का केन्द्र के साथ कोई विवाद ही नहीं बचा है, यह एक बहुत बड़ी उपलब्धि है। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि मध्य क्षेत्रीय परिषद में छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड राज्य हैं। उत्तर के हिमालय क्षेत्र से लेकर गंगा–यमुना के मैदानी भूभाग से लेकर मध्य भारत के पठारी, वन समृद्ध और खनिज समृद्ध क्षेत्र इस क्षेत्र में आते हैं।

नागरिक सहकारी बैंकों में बढ़ेंगी आधुनिक बैंकिंग सुविधाएं

रायपुर। राज्य के शहरी सहकारी बैंकों में आधुनिक बैंकिंग सुविधाओं का विस्तार करने के लिए आयुक्त सहकारिता एवं पंजीयक सहकारी संस्थाएं छत्तीसगढ़ महादेव कावरे ने समीक्षा बैठक ली। इस समीक्षा बैठक में राज्य के 12 शहरी नागरिक सहकारी बैंकों के प्रतिनिधि शामिल हुए।

बैठक में सहकारिता आयुक्त ने सभी बैंकों को निर्देश दिए कि वे भारत सरकार के सहकारिता मंत्रालय द्वारा शुरू की गई नवाचारात्मक पहलों में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि ग्राहकों को बेहतर और आसान बैंकिंग सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए मोबाइल बैंकिंग, इंटरनेट बैंकिंग और एईपीएस (आधार आधारित भुगतान प्रणाली) जैसी सुविधाएं शुरू की जाएं।

सहकारिता आयुक्त ने बैंकों को यह भी निर्देशित किया कि वे तकनीकी सहायता और आधुनिक बैंकिंग सेवाओं के विस्तार के लिए गठित अम्ब्रेला ऑर्गेनाइजेशन से जुड़ें। इससे बैंकों को नई तकनीक अपनाने और ग्राहकों को बेहतर सेवाएं देने में मदद मिलेगी।

बैठक में अम्ब्रेला ऑर्गेनाइजेशन, नई दिल्ली के अधिकारी सुमीत हंस ने बैंकों को संगठन से जुड़ने के लाभ और उपलब्ध सुविधाओं की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इससे सहकारी बैंक डिजिटल बैंकिंग सेवाओं को तेजी से लागू कर सकेंगे।

इस अवसर पर व्यावसायिक सहकारी बैंक रायपुर, नागरिक सहकारी बैंक रायपुर, लक्ष्मी नागरिक सहकारी बैंक रायपुर, रायपुर अर्बन मर्केंटाइल को–ऑप बैंक, दुर्ग, भिलाई, बिलासपुर,

रविवि में संकाय की नियुक्ति पर उठे सवाल

रायपुर। छत्तीसगढ़ की उच्च शिक्षा व्यवस्था एक बार फिर चर्चा और विवाद के केंद्र में आ गई है। पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय (क्क्रस्), रायपुर द्वारा जारी एक अधिसूचना के बाद विश्वविद्यालयी नियुक्तियों की पारदर्शिता, नियामकीय मानकों के पालन और योग्यता–आधारित चयन प्रक्रिया पर गंभीर सवाल उठने लगे हैं। शिक्षा जगत से जुड़े विशेषज्ञों, प्राचार्यों और विभिन्न हितधारकों के बीच इस नियुक्ति को लेकर व्यापक बहस शुरू हो गई है। विश्वविद्यालय द्वारा 14 मई 2026 को जारी अधिसूचना क्रमांक 3415/अका./2026 के माध्यम से डॉ. रिया तिवारी को छत्तीसगढ़ विश्वविद्यालय अधिनियम, 1973 की धारा 27(4) के तहत ग्रेसियस कॉलेज ऑफ एजुकेशन, बेलभाठा (अभनपुर) में प्राचार्य स्तर की जिम्मेदारियों के साथ विधि संकाय का संकायाध्यक्ष (डीन) नियुक्त किया गया है। इसी नियुक्ति को लेकर अब कई कानूनी, प्रशासनिक और शैक्षणिक प्रश्न खड़े हो रहे हैं। पिछले कुछ वर्षों में देश के विभिन्न न्यायालय उच्च शिक्षा संस्थानों में नियुक्तियों को लेकर सख्त रुख अपनाते रहे हैं। विशेष रूप से पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय द्वारा दिए गए एक महत्वपूर्ण फैसले का उल्लेख इस मामले में किया जा रहा है।

सिम्स में दुर्लभ एवं अत्यंत जटिल सर्जरी सफल

27 सप्ताह के गर्भ के बराबर विशाल गांठ निकाल मरीज को मिला नया जीवन

रायपुर। शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय एवं सिम्स अस्पताल बिलासपुर के स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग में चिकित्सकों की टीम ने एक अत्यंत दुर्लभ, जटिल एवं जोखिमपूर्ण सर्जरी को सफलतापूर्वक अंजाम देकर मरीज को नया जीवन प्रदान किया है। यह उपलब्धि सिम्स अस्पताल में उपलब्ध विशेषज्ञ चिकित्सा सेवाओं एवं चिकित्सकों की दक्षता का उत्कृष्ट उदाहरण मानी जा रही है।

जानकारी के अनुसार, दुजी बाई (45 वर्ष) को गंभीर अवस्था में जिला अस्पताल जीपीएम से सिम्स अस्पताल रेफर किया गया था। मरीज पिछले लगभग दो वर्षों से लगातार पेट दर्द, अत्यधिक रक्तस्राव, कमजोरी एवं शारीरिक असहजता की समस्या से पीड़ित थीं। प्रारंभिक जांच एवं अंदरूनी परीक्षण के दौरान चिकित्सकों ने पाया कि गर्भाशय के मुंह में लगभग 15म14 सेंटीमीटर आकार का विशाल सर्वाइकल फाइब्रॉइड पॉलीप विकसित हो चुका था। चिकित्सकों के अनुसार यह गांठ अत्यधिक संक्रमित थी तथा आकार में लगभग 27 सप्ताह के गर्भ के बराबर हो चुकी थी। गांठ दो भागों में विभाजित होकर पेट के निचले हिस्से, पेशाब की नली एवं किडनी पर लगातार दबाव बना रही थी, जिससे मरीज की स्थिति दिन–प्रतिदिन गंभीर होती जा रही थी। संक्रमण और अत्यधिक रक्तस्राव के कारण यह मामला चिकित्सकीय दृष्टि से बेहद चुनौतीपूर्ण एवं जानलेवा स्थिति में पहुंच चुका था।

मरीज की गंभीर स्थिति को देखते हुए डॉ. संगीता रमन जोगी के मार्गदर्शन में विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम गठित की गई। कई घंटों तक चली इस जटिल एवं उच्च जोखिम वाली सर्जरी को स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. संगीता रमन जोगी, सह प्राध्यापक डॉ. दीपिका सिंह, डॉ. रचना जैन, डॉ. सोमा वेंकट एवं वरिष्ठ रेजिडेंट डॉ. आकृति यादव ने सफलतापूर्वक संपन्न किया।

ई–फार्मेसी के विरोध में मेडिकल कारोबारियों का देशव्यापी बंद आज

रायपुर। ऑल इंडिया ऑर्गेनाइजेशन ऑफ केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स ने 20 मई 2026 को देशव्यापी बंद का आह्वान किया है। संगठन का आरोप है कि अवैध ई–फार्मेसी और भारी छूट की नीति के कारण छोटे दवा कारोबारियों का व्यवसाय प्रभावित हो रहा है और जनस्वास्थ्य पर भी खतरा बढ़ रहा है। रायपुर जिला दवा विक्रेता संघ सहित देशभर के कई दवा व्यापारी संगठनों ने इस बंद का समर्थन किया है।

देशभर के करीब 12.4 लाख केमिस्ट और दवा कारोबारी इस आंदोलन से जुड़े हैं। संगठन का कहना है कि ऑनलाइन दवा कंपनियां बिना पर्याप्त निगरानी के दवाइयों की बिक्री कर रही हैं। कई मामलों में बिना सही चिकित्सकीय पर्ची के दवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं, जबकि दवाओं के भंडारण और वितरण के नियमों का भी पालन नहीं किया जा रहा। इससे नकली और गलत दवाइयों के इस्तेमाल का खतरा बढ़ने की आशंका जताई गई है। केमिस्ट संगठनों ने कोविड काल में जारी किए गए G.S.R. 220(E) नोटिफिकेशन पर भी सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि महामारी के दौरान घर तक दवा पहुंचाने के लिए दी गई अस्थायी छूट को अब तक जारी रखा गया है, जिसका लाभ ई–फार्मेसी कंपनियां उठा रही हैं। साथ ही त्रस्क्र 817(श्व) ड्राफ्ट नोटिफिकेशन को लेकर भी संगठन नाराज हैं, क्योंकि ऑनलाइन फार्मेसी संचालन के स्पष्ट नियम अब तक लागू नहीं किए गए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, बंद के दौरान कई शहरों में मेडिकल स्टोर बंद रह सकते हैं। हालांकि अस्पतालों के आसपास जरूरी दवा दुकानों को खुला रखने और आपातकालीन सेवाएं प्रभावित न हों, इसके लिए प्रशासनिक स्तर पर तैयारियां की जा रही हैं।

आम नागरिक हो या हाई प्रोफाइल हर व्यक्ति को मिलेगी सुरक्षा : डॉ संजीव शुक्ला

रायपुर। पुलिस कमिश्नरेट ने पूर्व विधानसभा अध्यक्ष धरमलाल कौशिक से मोबाइल छीनने की वारदात का खुलासा करते हुए आरोपी को घटना के महज 8 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से छीना गया मोबाइल फोन तथा वारदात में प्रयुक्त मोटर सायकल भी बरामद कर ली है।

पुलिस के अनुसार सोमवार की सुबह धरमलाल कौशिक मॉर्निंग वॉक के लिए अपने शासकीय निवास से निकले थे। सुबह लगभग 7:15 बजे पीडब्ल्यूडी आर्च ब्रिज के नीचे एक अज्ञात मोटर सायकल सवार युवक ने उनका मोबाइल फोन छीन लिया और फरार हो गया।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे। क्राइम ब्रांच एवं विभिन्न थानों की संयुक्त टीमों को तत्काल आरोपी की पतासाजी में लगाया गया। जांच के दौरान घटना स्थल और संभावित रूट के आसपास लगे सैकड़ों सीसीटीवी कैमरों के फुटेज का सूक्ष्म अवलोकन किया गया। इसके साथ ही तकनीकी विश्लेषण और ह्यूमन इंटेलिजेंस को सक्रिय करते हुए आरोपी की लगातार तलाश की जाती रही।

त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई के परिणामस्वरूप पुलिस ने घटना के मात्र 8 घंटे के भीतर आरोपी को हिरासत में ले लिया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान मणिकांत ध्रुव पिता राजेंद्र ध्रुव उम्र लगभग 19 वर्ष के रूप में हुई है। आरोपी मूलत: जिला बलौदाबाजार–भाटापारा का निवासी है तथा वर्तमान में थाना खम्हारडीह क्षेत्रांतर्गत राजीव नगर रायपुर में रह रहा था। पुलिस के मुताबिक आरोपी यदा–कदा रैपिडो चलाने का कार्य भी करता था।

डॉ. संजीव शुक्ला ने कहा कि रायपुर पुलिस कमिश्नरेट प्रत्येक अपराध को गंभीरता से लेते हुए त्वरित कार्रवाई कर रहा है। चाहे शिकायत किसी आम नागरिक की हो अथवा किसी हाई प्रोफाइल व्यक्ति की, हर मामले में समान संवेदनशीलता और तत्परता के साथ कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है। उन्होंने कहा कि अपराधियों की शीघ्र पहचान, गिरफ्तारी तथा छीने और चोरी गए माल मशरूका की बरामदगी पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है तथा भविष्य में भी इसी प्रकार कठोर कार्रवाई जारी रहेगी।

सीसीपीएल खिलाड़ियों का एक बेहतरीन प्लेटफार्म है : बलदेव भाटिया

छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ बहुत अच्छा कार्य कर रहा है : राजेश चौहान

रायपुर। छत्तीसगढ़ क्रिकेट प्रीमियर लीग के आयोजन अवसर तथा जर्सी अनावरण कार्यक्रम में बलदेव सिंह भाटिया डायरेक्टर छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ ने कहा कि रायपुर में हुए अंतरराष्ट्रीय मैच एवं आईपीएल मैचों के सफलतापूर्वक आयोजन के लिए छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ की पूरी टीम बधाई के पात्र है। उन्होंने होटल मायरा में मीडिया से चर्चा में कहा कि वर्तमान में क्रिकेट के क्षेत्र में छत्तीसगढ़ का नाम तेजी से आगे बढ़ रहा है तथा हमारी इच्छा है कि हमारे खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेल के प्रदेश के नाम को और ऊंचा करें सी सी पी एल खिलाड़ियों हेतु एक बेहतरीन प्लेटफार्म है जिसका फायदा प्रदेश के खिलाड़ियों को उठाना चाहिए। वहीं विजय शाह ने कहा कि सीपीएल आयोजित करने का एकमात्र उद्देश्य प्रदेश के खिलाड़ियों को बड़ा मंच प्रदान करना है। मैं खुशी है कि गत वर्ष जीपीएस के बाद आईपीएल में प्रदेश के साथ खिलाड़ी ऑप्शन हेतु सम्मिलित हुए सीएससीइस का प्रयास है की सीजन दर सीजन सीसीपीएल के स्तर को ऊंचा उठाना है और कमियों को दूर करते हुए शानदार लीग बनाना है। मीडिया से चर्चा में राजेश चौहान भूतपूर्व अंतरराष्ट्रीय राजेश चौहान ने प्रदेश के खिलाड़ियों से अपील की की अपने परफॉर्मेंस को और खेल को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लेकर जाएं। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ बहुत अच्छा कार्य कर रहा है बस खिलाड़ियों को भी अपने आप को प्रूफ करने की जरूरत है। उन्होंने टेस्ट क्रिकेट को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि टेस्ट क्रिकेट इस खेल की रीढ़ की हड्डी है। चौहान जी ने कहा कि वर्तमान में श्री अमय खरसिया जो छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ के मुख्य कोच हैं भारत के शानदार कोचों में से एक है और उनके नेतृत्व में हमारे खिलाड़ी काफी अच्छा प्रदर्शन चौहान जी ने छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ का धन्यवाद किया कि उन्होंने अभय उच्च स्तरीय कोच को छत्तीसगढ़ क्रिकेट हेतु मुख्य कोच के रूप में नियुक्त किया। प्रमोद शंकर शर्मा ने कहा कि सिर्फ दो से तीन वर्षों में हमने सीसीपीएल के स्तर को काफी ऊंचा किया है। सीएससीइस ने क्रिकेट के क्षेत्र में बहुत अच्छा काम कर रहा है तथा प्रतिभावान खिलाड़ियों तथा प्रतिभावान सपोर्टिंग स्टाफ को अच्छा मंच देने का प्रयास कर रहा है पिछले कुछ समय से छत्तीसगढ़ राज्य को काफी बड़े मैचेस मिल रहे हैं तथा भविष्य में भी प्रदेश का नाम क्रिकेट के क्षेत्र में ऊंचा होगा।

भिलाईखुर्द दुर्घटना मामले की संयुक्त जांच दल ने की मौके पर जांच

क्रशर प्लांट किया गया सील, सुरक्षा मानकों की अनदेखी पर संबंधित संचालक के विरुद्ध होगी कड़ी कार्रवाई

रायपुर। बलरामपुर जिले के तहसील राजपुर अंतर्गत ग्राम भिलाईखुर्द में स्थित एक क्रशर प्लांट में कार्यरत मजदूर की दुर्घटना में हुई मृत्यु के मामले को जिला प्रशासन ने गंभीरता से लेते हुए त्वरित कार्रवाई की है। घटना के पश्चात जिला प्रशासन द्वारा संयुक्त जांच दल गठित कर मौके पर विस्तृत जांच की गई।

जांच के दौरान खनिज विभाग के अमले एवं नायब तहसीलदार द्वारा संबंधित क्रशर मशीन को अग्रिम आदेश तक सील कर दिया गया। साथ ही जिला श्रम अधिकारी तथा सहायक संचालक इंडस्ट्रीज एंड हेल्थ सेफ्टी द्वारा श्रम एवं औद्योगिक सुरक्षा संबंधी विभिन्न प्रावधानों के तहत आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की गई। प्रशासन द्वारा स्पष्ट किया गया है कि मामले में जांच उपरांत दोषी पाए जाने पर संबंधित क्रशर संचालक के विरुद्ध नियमानुसार विभिन्न धाराओं के अंतर्गत प्रकरण दर्ज कर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। जिला प्रशासन ने कहा है कि जिले में संचालित औद्योगिक इकाइयों में श्रमिकों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। सुरक्षा मानकों की अनदेखी करने वाले संस्थानों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी। साथ ही सभी औद्योगिक इकाइयों को निर्धारित सुरक्षा नियमों का अनिवार्य रूप से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

संक्षिप्त खबरें

पीएमजीएसवाय सड़क निर्माण में 280 पेड़ों की अवैध कटाई पर सख्त कार्रवाई

बीजापुर। बीजापुर में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत चल रहे सड़क निर्माण कार्यों में बड़े पैमाने पर वन नियमों के उल्लंघन का मामला सामने आया है। वन विभाग ने बिना अनुमति पेड़ों की कटाई और अवैध उत्खनन को गंभीरता से लेते हुए पीएमजीएसवाय विभाग के अधिकारियों और संबंधित ठेकेदारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई शुरू कर दी है। वन मंडल बीजापुर सामान्य के अंतर्गत आने वाले बीजापुर, गंगालूर, भैरमगढ़, आवापल्ली और पामेड़ वन परिक्षेत्रों में निर्माणाधीन सड़कों की जांच के दौरान यह खुलासा हुआ। जांच में पाया गया कि कई स्थानों पर वन विभाग की अनुमति के बिना सड़क निर्माण किया जा रहा था। वन विभाग के अधिकारियों के अनुसार मनकेली-गोरना, बीजापुर-सरपंचपारा मनकेली, चेरपाल-नेन्ड्रा, काकेकोरमा-मुनगा, पीड़िया-मिरघानघोटूल, अकेली-कोटवारपारा, बैल-मयुरिपारा, बीरगुड़ा-बड़े संकनपल्ली, सारकेगुड़ा-बड़े पेगड़ापल्ली, एल-022-तिम्मापुर, पामेड़-रासपल्ली, एल-069/032-मंगलतोर तथा रासपल्ली-पेदाचंदा सहित कुल 13 निर्माणाधीन मार्गों में नियमों का उल्लंघन पाया गया। जांच के दौरान सामने आया कि सड़क निर्माण के लिए लगभग 280 खड़े पेड़ों की बिना अनुमति कटाई कर दी गई। इसके अलावा कई स्थानों पर अवैध खुदाई कर करीब 8755 घनमीटर मुरूम का उपयोग सड़क निर्माण में किया गया।

अमित बघेल की हाईकोर्ट से जमानत याचिका खारिज

बलौदाबाजार। जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी के प्रमुख अमित बघेल की मुश्किलें लगातार बढ़ती जा रही हैं। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने बलौदा बाजार आगजनी कांड मामले में उनकी जमानत याचिका खारिज कर दी है। इससे पहले निचली अदालत से भी उन्हें राहत नहीं मिली थी। हाईकोर्ट के फैसले के बाद अब अमित बघेल को जेल में ही अब तक 187 लोगों की गिरफ्तारी की गई थी।

अलग-अलग धाराओं में हुई थी गिरफ्तारी

जानकारी के मुताबिक, बलौदा बाजार कोतवाली पुलिस ने अमित बघेल को आगजनी कांड में संलिप्तता पाए जाने के बाद विभिन्न धाराओं के तहत गिरफ्तार किया था। पुलिस जांच में उनके खिलाफ कई मामलों में भूमिका सामने आने के बाद कार्रवाई की गई थी। गिरफ्तारी के बाद उन्होंने पहले निचली अदालत और फिर हाईकोर्ट में जमानत याचिका दायर की थी, लेकिन दोनों जगह से उन्हें राहत नहीं मिल सकी।

जैतखाम तोड़फोड़ से शुरू हुआ था विवाद

दरअसल, 15 और 16 मई 2024 की दरमियानी रात गिरौधपुरी धाम स्थित सतनामी समाज के पूज्य जैतखाम में कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा तोड़फोड़ की गई थी। इस घटना के बाद समाज में भारी आक्रोश फैल गया था।

बया शिविर में ग्रामीणों ने दिखाया उत्साह, 20 गांव के लोग हुए शामिल'

रायपुर। राज्य शासन के निर्देशानुसार जन शिकायतों का समयबद्ध एवं प्रभावी निराकरण सुनिश्चित करने तथा आम जनता को सुगम, पारदर्शी एवं त्वरित रूप से सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित कराने हेतु सुशासन तिहार 2026 मनाया जा रहा है। इसी के अंतर्गत बलौदाबाजार जिले के विकासखंड कसडोल के ग्राम पंचायत बया में जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में बया सहित 20 ग्राम पंचायत के लोग उत्साहपूर्वक शामिल हुए। शिविर में प्राप्त 865 आवेदनों में से 125 का मौके पर ही निराकरण किया गया। इस अवसर पर जल संरक्षण हेतु शपथ भी ली गई।

स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने विभिन्न योजना के तहत हितग्राहियों को सामग्री, चेक और सम्मान पत्र दिया गया। इसमें खाद्य विभाग द्वारा राशन कार्ड, स्वास्थ्य विभाग द्वारा आयुष्मान कार्ड पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा मनरेगा जॉब कार्ड, पीएम आवास योजना अंतर्गत आवास की चाबी, मछली पालन विभाग द्वारा महाजाल व आइस बॉक्स, उद्यानिकी विभाग द्वारा 10 हितग्राहियों को फलदार पौधे,भारत माता वाहिनी को सीटी व छड़ी 5 टीबी मुक्त गांव के सरपंच को महात्मा गांधी की प्रतिम,खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा बच्चों को स्पोर्ट्स किट शामिल हैं। इसके साथ ही विकासखंड सिमगा के ग्राम पंचायत तुलसी एवं 4 नगरीय निकायों में भी शिविर आयोजित हुआ।

बीएसपी में गैस रिसाव आपदा प्रबंधन पर उच्चस्तरीय मॉक ड्रिल

भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र अंतर्गत कोक ओवन एवं कोल केमिकल विभाग में विषाक्त गैस रिसाव (गैस पॉइजनिंग) जैसी आपात स्थिति से निपटने की तैयारियों को परखने के लिए बेंज़ोल रिकवरी प्लांट-01 में व्यापक मॉक ड्रिल आयोजित की गई। अभ्यास का उद्देश्य आपदा की स्थिति में विभिन्न विभागों एवं एजेंसियों की तत्परता, समन्वय क्षमता तथा प्रतिक्रिया समय का आकलन करना था।

मॉक ड्रिल के दौरान अग्निशमन विभाग, मुख्य चिकित्सा पोस्ट, ऊर्जा प्रबंधन विभाग, सुरक्षा अभियांत्रिकी विभाग, पर्यावरण विभाग, राष्ट्रीय व्यावसायिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा केंद्र , सिविल डिफेंस, केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल तथा कार्मिक विभाग सहित सभी संबंधित एजेंसियों ने सक्रिय सहभागिता करते हुए निर्धारित जिम्मेदारियों का प्रभावी निर्वहन किया।

यह अभ्यास मुख्य महाप्रबंधक (कोक ओवन एवं कोल केमिकल विभाग) तुलाराम बेहरा के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। इस दौरान विभागीय सुरक्षा अधिकारियों एवं वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में आपदा प्रबंधन से जुड़ी गतिविधियों का संचालन किया गया। अधिकारियों ने कार्यबल को विषाक्त गैस रिसाव जैसी आपात परिस्थितियों में अपनाई जाने वाली सुरक्षा प्रक्रियाओं एवं त्वरित प्रतिक्रिया उपायों की जानकारी भी दी।

मॉक ड्रिल के बाद मुख्य महाप्रबंधक के कॉन्फ्रेंस हॉल में समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें सभी सहभागी एजेंसियों ने हिस्सा लिया। समीक्षा के दौरान विभाग के फर्स्ट एडर्स द्वारा पोर्टेबल ब्रीदिंग अपरेटस की सहायता से प्रभावित व्यक्ति तक त्वरित पहुंच बनाकर प्राथमिक उपचार उपलब्ध कराने की विशेष सराहना की गई। अभ्यास के माध्यम से आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रणाली, अंतर-विभागीय समन्वय तथा किसी भी आकस्मिक घटना से सुरक्षित एवं व्यवस्थित ढंग से निपटने की तैयारियों की प्रभावशीलता का मूल्यांकन किया गया।

11 पूर्व सरपंच जाएंगे जेल : एसडीएम कोर्ट ने जारी किया आदेश

सरकारी राशि डकारने और आदेश की अनदेखी की मिली सजा

अभनपुर। अभनपुर विकासखंड के 11 पंचायतों के पूर्व सरपंचों को न्यायालय एसडीएम अभनपुर की ओर से 30 दिनों के लिए जेल भेजने का आदेश जारी किया गया है, जिससे हड़कंप मच गया है। यह आदेश उन्हें अपने कार्यकाल के दौरान शासकीय राशि का गबन और उस राशि को राजकोष में जमा करने के आदेश का उल्लंघन करने पर जारी किया गया है।

30 दिनों का जेल भेजने का आदेश जारी किए जाने के पहले उन सभी पूर्व सरपंचों को न्यायालय एसडीएम अभनपुर की ओर से मांग नोटिस जारी करने के साथ ही उनकी चल/अचल संपति जब्त करने की कार्रवाई भी गई थी, लेकिन इसके बावजूद संबंधित राशि चुकाने के लिए पर्याप्त साधन होने के बाद भी संबंधित पूर्व सरपंचों द्वारा गबन की गई शासकीय राशि जमा करने में हीलाहवाली किया जा रहा था।

नोटिस का नहीं दिया जवाब

इतना ही नहीं एसडीएम न्यायालय द्वारा सभी को कारण बताओ नोटिस जारी कर उन्हें उनके कृत्य के लिए क्यों न जेल भेजा जाए ? भी पूछा गया था, लेकिन किसी भी पूर्व सरपंच ने नोटिस का संतोषजनक और वैधानिक उत्तर नहीं दिया। आखिरकार 18 मई को एसडीएम न्यायालय द्वारा सभी को 30 दिन या फिर जब तक वे संबंधित राशि जमा नहीं कर देते हैं, तब तक सिविल जेल भेजने का आदेश जारी कर दिया गया।

बंदूक छोड़ थामा ट्रैक्टर का स्टीयरिंग

नारायणपुर। जिले का लाइवलीहुड कॉलेज (पुनर्वास केंद्र) उन हाथों को नई जिंदगी दे रहा है, जो कभी भटककर बंदूक थाम चुके थे। जिला प्रशासन की अनूठी पहल से आत्मसमर्पित नक्सली अब न केवल समाज की मुख्यधारा में लौट रहे हैं, बल्कि सम्मानजनक और आत्मनिर्भर जीवन जीने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं।

वोटर आईडी कार्ड से मिली 'नई पहचान'

पुनर्वासित लोगों को शासकीय सेवाओं और लोकतांत्रिक प्रक्रिया से जोड़ने के लिए प्रशासन ने ठोस कदम उठाए हैं। इसी कड़ी में 8 पुनर्वासित लोगों को नए वोटर आईडी कार्ड बनाकर वितरित किए गए हैं। इसी तरह 25 लोगों का ऑनलाइन पंजीयन (रजिस्ट्रेशन) पूरा किया जा चुका है। लोकतंत्र के सबसे बड़े उत्सव में अपने मताधिकार का प्रयोग करने 40 लोगों से फॉर्म-6 भरवाए गए हैं।?

कभी साइकिल नहीं चलाई, अब चलाना है ट्रैक्टर

हाल ही में कलेक्टर ने पुनर्वास केंद्र का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान वहां रह रहे 40 आत्मसमर्पित नक्सलियों ने उनके सामने एक विशेष इच्छा जाहिर की। वे ट्रैक्टर चलाना सीखने के साथ-साथ उसकी मरम्मत और रखरखाव (मेन्टेनेंस) का प्रशिक्षण पाना चाहते थे। यह मांग इसलिए भी दिलचस्प और चुनौतीपूर्ण थी, क्योंकि इनमें से कई लोग ऐसे थे जिन्होंने जीवन में कभी साइकिल तक नहीं चलाई थी। कलेक्टर ने इस मांग की संवेदनशीलता और उनके उत्साह को भांपते हुए बिना किसी देरी के तत्काल कार्रवाई की। नतीजतन, सोमवार से ही लाइवलीहुड कॉलेज में ट्रैक्टर प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरुआत कर दी गई।

बदलाव की नई इबारत

अब ये सभी पुनर्वासित लोग नियमित रूप से ट्रैक्टर चलाने की बारीकियां सीख रहे हैं। प्रशिक्षण में उन्हें ड्राइविंग के साथ-साथ ट्रैक्टर की तकनीकी जानकारी और रिपेयरिंग के गुर भी सिखाए जा रहे हैं।

यह प्रशिक्षण केवल एक स्किल डेवलपमेंट प्रोग्राम नहीं है, बल्कि इन परिवारों के लिए आजीविका का एक मजबूत जरिया बनने जा रहा है।

फाइटर प्लेन और कॉकपिट का लिया रोमांचक अनुभव, एयरक्राफ्ट की कार्यप्रणाली समझकर बढ़ाया ज्ञान

सक्ति। जिले के 24 होनहार विद्यार्थियों को एयरपोर्ट का भ्रमण कराया गया, जो विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास, ज्ञानवर्धन एवं उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए अत्यंत प्रेरणादायी एवं लाभकारी सिद्ध हुआ। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सक्ती वासु जैन के मार्गदर्शन में जिले के होनहार स्कूली छात्र-छात्राओं को एयरपोर्ट भ्रमण का विशेष अवसर प्रदान किया गया। फाइटर प्लेन और कॉकपिट का रोमांचक अनुभव लिया और एयरक्राफ्ट की कार्यप्रणाली समझकर विद्यार्थियों ने अपना ज्ञान बढ़ाया।

कलेक्टर सक्ति अमृत विकास तोपनो के निर्देशन एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सक्ती वासु जैन के मार्गदर्शन में जिले के होनहार स्कूली छात्र-छात्राओं को एयरपोर्ट भ्रमण का विशेष अवसर प्रदान किया गया। विद्यार्थियों के चयन हेतु 13 मई को जिला स्तरीय सामान्य शिक्षा ज्ञान एवं एप्टीट्यूड टेस्ट आधारित प्रतियोगिता परीक्षा आयोजित की गई थी, जिसमें उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 24 छात्र-छात्राओं का चयन किया गया। चयनित विद्यार्थियों को 16 मई की सुबह जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय सक्ती से बस के माध्यम से स्वामी विवेकानंद विमानतल माना रायपुर के लिए रवाना किया गया। इस अवसर पर जिला पंचायत सक्ती के मुख्य कार्यपालन अधिकारी वासु जैन ने विद्यार्थियों को हरी झंडी दिखाकर उत्साहपूर्वक रवाना किया।

फर्जी क्लीनिक और अवैध मेडिकल स्टोर सील

एमसीबी। जिले में नारकोटिक एवं प्रतिबंधित दवाओं की अवैध बिक्री तथा बिना अनुमति संचालित क्लीनिकों के खिलाफ जिला प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए बड़ी कार्रवाई की है। जनकपुर में मेडिकल नशे का फैल रहा जाल को गंभीरता एवं संवेदनशीलता से लेते हुए जिला प्रशासन ने त्वरित संज्ञान लिया और व्यापक जांच अभियान शुरू किया।

कलेक्टर संतन देवी जाँगड़े के निर्देश पर एसडीएम भरतपुर द्वारा विकासखंड भरतपुर अंतर्गत संचालित दवा दुकानों एवं संदिग्ध स्वास्थ्य संस्थानों के औचक निरीक्षण हेतु संयुक्त जांच दल का गठन किया गया। इसके बाद रामगढ़ एवं जनकपुर क्षेत्र में मेडिकल स्टोर्स, दवा दुकानों तथा संदिग्ध क्लीनिकों में सघन जांच अभियान चलाया गया। संयुक्त टीम ने निरीक्षण के दौरान नारकोटिक्स एवं प्रतिबंधित दवाओं के क्रय-विक्रय, स्टॉक पंजी, दवा अभिलेखों तथा वैधानिक दस्तावेजों की विस्तृत जांच की। प्रशासन ने विशेष रूप से यह सुनिश्चित करने पर जोर दिया कि कहीं भी बिना अनुमति प्रतिबंधित दवाओं का विक्रय या अवैध चिकित्सा गतिविधियां संचालित न हो रही हों। जांच के दौरान रामगढ़ स्थित मंजू मेडिकल स्टोर्स एवं उसके समीप अवैध रूप से संचालित क्लीनिक में गंभीर अनियमितताएं पाई गईं। नियमों के उल्लंघन को गंभीरता से लेते हुए प्रशासन ने नर्सिंग होम एक्ट के तहत संबंधित क्लीनिक एवं दवा दुकान को तत्काल प्रभाव से सील कर दिया।

पांच मेडिकल स्टोर्स को जारी हुआ कारण बताओ नोटिस

निरीक्षण के दौरान पांच अन्य औषधि दुकानों में भी विभिन्न प्रकार की अनियमितताएं सामने आईं, जिसके बाद संबंधित संचालकों के विरुद्ध नियमानुसार कारण बताओ नोटिस जारी किए गए। इनमें प्रदीप मेडिकल स्टोर्स, जनकपुर आलिया मेडिकल स्टोर्स, जनकपुर, केसरवानी मेडिकल एंड जनरल स्टोर्स, सिंह मेडिकल स्टोर्स, जनकपुरॉ न्यू गुप्ता मेडिकल स्टोर्स, जनकपुर शामिल हैं।

प्रशासन ने दी सख्त चेतावनी

जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि बिना वैधानिक अनुमति चिकित्सा गतिविधियों का संचालन, प्रतिबंधित दवाओं का अवैध विक्रय, नशीली दवाओं का दुरुपयोग अथवा औषधि संबंधी नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित व्यक्तियों एवं संस्थानों के विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस-नक्सली मुठभेड़ में हुई मृत्यु की दण्डाधिकारी जांच का आदेश

कांकेर। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी निलेशकुमार महादेव क्षीरसागर ने जिले के छोटेबेठिया थाना अंतर्गत ग्राम माचपल्ली के जंगल पहाड़ी में हुई पुलिस-नक्सली मुठभेड़ घटना की दण्डाधिकारी जांच का आदेश दिए हैं। एसडीएम पखांजूर मनीष देव साहू को जांच अधिकारी नियुक्त किया गया है।

कोयलीबेड़ा विकासखण्ड के छोटेबेठिया थाना अंतर्गत 13 अप्रैल 2026 को ग्राम माचपल्ली के जंगल पहाड़ी में पुलिस एवं माओवादियों के मध्य मुठभेड़ के दौरान एक अज्ञात महिला माओवादी की मृत्यु हुई थी। इसकी दण्डाधिकारी जांच किये जाने बाबत् पुलिस अधीक्षक की मांग अनुसार घटना की निष्पक्ष जांच, गंभीरता एवं आवश्यकता को देखते हुए डिप्टी कलेक्टर एवं अनुविभागीय दण्डाधिकारी राजस्व अनुभाग पखांजूर मनीष देव साहू को जांच अधिकारी नियुक्त किया गया है। जांच अधिकारी को जांच के उपरांत 11 बिन्दुओं में प्रतिवेदन तैयार कर 15 दिवस के भीतर प्रस्तुत करने का आदेश दिया गया है।

दण्डाधिकारी जांच के दौरान घटना की पृष्ठभूमि, घटना में शामिल सशस्त्र बलों का सर्चिंग अभियान हेतु विभागीय आदेशों एवं निर्देशों का विवरण, दिनांक 13 अप्रैल 2026 की घटना क्या वास्तव में सशस्त्र नक्सलियों (माओवादियों) द्वारा पूर्व नियोजित और षड्यंत्रकारी घटना थी, मृतक माओवादी नक्सली की मृत्यु कैसे हुई। मुठभेड़ में मारे गये नक्सलियों की पहचान, परिचय एवं अपराध वृतांत आदि का विवरण। मृतिका के पोस्ट मार्टम में पाये गये मौत का आधारभूत कारक, कारण एवं चिकित्सकीय अभिमत। घटना एवं मुठभेड में पुलिस बल, आम नागरिकों के हताहतों अथवा अन्य जन-धन-बल की हानि का विवरण । मौका मुआयना, सर्चिंग व घटना स्थल निरीक्षण के दौरान पाये गये जप्त सामग्री का विवरण। पुलिस नक्सली मुठभेड़ के सबंध में आसपास के ग्रामीणों का कथन साक्ष्य, गवाही, अभिमत। पुलिस थाना में दर्ज की गई एफआईआर, पुलिस विवेचना व अभिमत और सुसंगत धाराओं का विवरण।

जनसमस्या निवारण शिविर में आमजन को मिला त्वरित समाधान

कल ग्राम पंचायत अमोरा में आयोजित होगा जनसमस्या निवारण शिविर

जांजगीर-चांपा। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की मंशानुरूप आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण के लिए जिले में सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत लगातार जनसमस्या निवारण शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में जांजगीर-चांपा जिले के नगर पंचायत शिवरीनारायण के सत्संग भवन तथा जनपद पंचायत बम्हनीडीह के ग्राम पंचायत बंसुला स्थित शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला परिसर में शिविर आयोजित किया गया। नगर पंचायत शिवरीनारायण में वार्ड क्रमांक 1 से 15 तक के नागरिकों ने भाग लिया। वहीं बंसुला क्लस्टर अंतर्गत 18 ग्राम पंचायतों के ग्रामीणों ने शिविर में पहुंचकर अपनी समस्याएं एवं मांगें प्रस्तुत कीं।

शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाकर शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई और पात्र हितग्राहियों को योजनाओं से लाभान्वित किया गया। इस दौरान मछुआरों को जाल, किसानों को किसान किताब, पात्र हितग्राहियों को जाति प्रमाण पत्र, बी-1, नक्शा-खसरा, राशन कार्ड, आयुष्मान कार्ड, चेक एवं सम्मान पत्र वितरित किए गए। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पूर्ण हुए आवासों की चाबियां भी हितग्राहियों को सौंपी गईं। शिविर को संबोधित करते हुए जिला पंचायत सदस्य मोहन कुमारी साहू एवं जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी गोकुल रावटे ने कहा कि सुशासन तिहार का उद्देश्य आमजन की समस्याओं का संवेदनशीलता और तत्परता के साथ समाधान करना है। उन्होंने नागरिकों से अधिक से अधिक संख्या में शिविरों में पहुंचकर शासन की योजनाओं का लाभ लेने की अपील की।

सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत 20 मई को जनपद पंचायत नवागढ़ के ग्राम पंचायत अमोरा स्थित शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल परिसर में जनसमस्या निवारण शिविर आयोजित किया जाएगा। इस क्लस्टर में अमोरा सहित कुल 19 ग्राम पंचायतों के ग्रामीण शामिल होंगे। जिला प्रशासन ने नागरिकों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर अपनी समस्याएं एवं मांगें प्रस्तुत करने तथा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ लेने की अपील की है।

दिव्यांगता को नहीं बनने दिया बाधा, रामकली हल्बा बनीं आत्मनिर्भरता की मिसाल

मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी। छत्तीसगढ़ में शासन की जनकल्याणकारी योजनाएं जरूरतमंद लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रही हैं। विशेष रूप से समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित स्वरोजगार एवं ऋण योजनाएं दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

ऐसी ही प्रेरणादायक कहानी है मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिले के विकासखंड अंबागढ़ चौकी अंतर्गत ग्राम बिहरीकला की निवासी रामकली हल्बा की, जिन्होंने अपनी मेहनत, लगन और आत्मविश्वास से सफलता की नई मिसाल कायम की है।

अस्थिबाधित दिव्यांग श्रीमती रामकली हल्बा को वर्ष 2011 में समाज कल्याण विभाग से 50 हजार रूपये का ऋण प्राप्त हुआ। इस सहायता राशि से उन्होंने अपने गांव में किराना दुकान का व्यवसाय प्रारंभ किया। शुरुआत में सीमित संसाधनों के साथ शुरू हुआ यह छोटा व्यवसाय धीरे-धीरे मेहनत और ईमानदारी के बल पर आगे बढ़ता गया। रामकली बताती हैं कि आर्थिक कठिनाइयों और शारीरिक चुनौतियों के बावजूद उन्होंने कभी हार नहीं मानी। नियमित मेहनत और ग्राहकों के विश्वास के कारण उनका व्यवसाय लगातार बढ़ता गया। आज उनकी किराना दुकान गांव में अच्छी तरह स्थापित हो चुकी है और वे अन्य लोगों को भी रोजगार उपलब्ध करा रही हैं। उनकी सबसे बड़ी उपलब्धि यह रही कि उन्होंने लगभग डेढ़ से दो वर्षों के भीतर ही पूरा ऋण चुका दिया। समयावधि से पहले ऋण अदायगी करने पर उन्हें 3,750 रूपये की उत्थान सब्सिडी भी प्राप्त हुई।

संपादकीय

तमिलनाडु की मंत्री कीर्तना और उनका हिंदी प्रेम

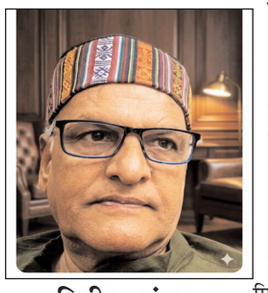

गिरीश पंकज

तमिलनाडु में तमिलगा वेत्री कड़गम (यानी टीवीके) की नई सरकार में शामिल युवा मंत्री एस (संपथ) कीर्तना बहुत सुंदर हिंदी बोलती हैं. उनका कहना है कि हिंदी के माध्यम से में देशभर से जुड़ जाती हैं. इनके हिंदी प्रेम के कारण शायद धीरे-धीरे तमिलनाडु में भी हिंदी प्रेम बढ़ेगा. हालांकि राजभाषा हिंदी को तमिलनाडु के शिक्षा विभाग में मान्यता मिल चुकी है. स्नातक स्तर की पढ़ाई में अब हिंदी शामिल हो चुकी है. इन पंक्तियों के लेखक का सौभाग्य है कि इसका एक हिंदी व्यंग्य तमिलनाडु विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम में शामिल है. धीरे-धीरे हिंदी को तमिलनाडु में स्वीकृति मिल रही है. वर्ना इसके पहले स्टालिन सरकार तो हिंदी का पुरजोर विरोध करती रही है. स्टालिन सरकार के कुछ मंत्री तो सनातन का ही विरोध करने वाले रहे. ये लोग सनातन को डेंगू, मलेरिया और न जाने क्या-क्या कहकर अपमानित करते रहे.खुलेआम यह वक्तव्य देते रहे हैं कि सनातन को खत्म कर देना चाहिए. समय ने करवट बदली और ये खुद खत्म हो गए अर्थात सत्ता से बाहर हो गए. द्रविड़ राजनीति शुरू से हिंदी का विरोध करती रही है. लेकिन अब सरकार बदल गई है, मानसिकता बदलेगी या नहीं कहा नहीं जा सकता. लेकिन आशा की एक किरण 1996 में जन्मी 29 वर्षीय एस कीर्तना ही है, जो समय-समय पर धाराप्रवाह हिंदी में बात कर लेती हैं. यह अलग बात है कि भविष्य में तमिलनाडु की उग्र राजनीति के कारण वह धीरे-धीरे हिंदी बोलने से परहेज करें, लेकिन अभी तो वह वक्त आने पर पत्रकारों से हिंदी में बात करती हैं . चुनावी राजनीति में आने से पहले हुए एक राजनीतिक सलाहकार के रूप में कर रही थी. स्नातकोत्तर अध्ययन के दौरान उन्होंने पाँच भाषाओं का ज्ञान अर्जित किया, जिसमें तेलुगु,अंग्रेजी के साथ ही हिंदी का भी शामिल है.कीर्तना कहती हैं कि भाषा दिलों को जोड़ने का माध्यम है. हिंदी मैंने इसलिए सीखी ताकि इस देश से जुड़ सकूँ. उम्मीद की जानी चाहिए की एस कीर्तना के मंत्री बनने के बाद तमिलनाडु की फिजा में हिंदी की खुशबू भी तेजी के साथ घुलेगी.

तमिलनाडु में नया मंत्री-मंडल गठित हुआ, उसके बाद कीर्तना ने हिंदी में भी बात की और कहा कि वह अपनी भावनाओं को राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फैलाना चाहती हैं इसलिए उन्होंने हिंदी और अंग्रेजी सीखी. हिंदी के माध्यम से मैं अपनी सरकार की बात देश भर में पहुँचा सकूँगी. उनके बयान पर तमिलनाडु में मिलीजुली प्रक्रिया हुई. कट्टर तमिल भक्तों ने उनके मानसिकता का विरोध किया लेकिन उदारवादी लोगों ने उनके बयान का स्वागत भी किया. कीर्तना ने अपनी प्रारम्भिक शिक्षा तमिलनाडु के सरकारी स्कूल से पूरी की, फिर मदुरई विश्वविद्यालय से उन्होंने बीएससी किया. पांडिचेरी केंद्रीय विश्वविद्यालय से एमएससी की उपाधि हासिल की. धीरे-धीरे उनकी राजनीति में रुचि बढ़ी,तो कुछ नेताओं के साथ जुड़ती रही और उनके सलाहकार के रूप में भी काम किया. जैसे पूर्व मुख्यमंत्री स्टालिन, ममता बनर्जी,आंध्र प्रदेश के चंद्रबाबू नायडू. इन सब के साथ कीर्तना ने काम किया. एक रणनीतिकार के रूप में. अलग-अलग राज्यों में जाकर काम करने का अनुभव उनके बड़े काम आया और जहां गई,वहां की भाषा सहजता के साथ सीखती गई.समय ने करवट बदली और जब तमिल फिल्मों के बड़े हीरो विजय चंद्रशेखर ने अपनी पार्टी टीवीके बनाई तो उन्होंने शिवकाशी विधानसभा क्षेत्र से कीर्तना को अपना उम्मीदवार बनाया और कीर्तना ने कांग्रेस के प्रत्याशी अशोकन को ग्यारह हजार से अधिक वोटों से पराजित कर दिया.

तमिलनाडु में इस वक्त दो भाषा फार्मूला लागू है.वहां शिक्षा तमिल और अंग्रेजी में होती है. तमिल के मामले में वहां की सरकार सरकारी कट्टर रही है.इसके पहले मुख्यमंत्री एमके स्टालिन का यह आरोप रहता था कि तमिलनाडु में हिंदी थोपने की कोशिश की जा रही है. यहां हिंदी का कोई औचित्य नहीं है. हमारी पहली प्राथमिकता है कि हम तमिल की रक्षा करें. इसी वर्ष जनवरी में जब स्टालिन मुख्यमंत्री थे तो डीएमके सरकार ने चेन्नई में 'भाषा शहीद दिवस' मनाया था. जिसके तहत उन्होंने हिंदी विरोधी आंदोलन के दौरान मारे गए लोगों को 'भाषा शहीद' के रूप में याद किया था. और और ट्वीट करते हुए लिखा था कि 'हिंदी न तब थी, न अभी, न ही कभी हिंदी को यहां जगह मिलेगी.' इसका जवाब देते हुए केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा था कि 'भाषा की यह राजनीति ठीक नहीं है. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत सभी भारतीय भाषाओं को महत्व देने की बात कही गई है. उसमें कहीं भी यह नहीं कहा गया है कि हिंदी पढ़ानी चाहिए.' एक कटटर भाषाप्रेमी के नाते स्टालिन का बयान ठीक हो सकता है, लेकिन उन्हें यह समझना चाहिए कि हिंदी इस देश की राजभाषा है. बहुसंख्यक समाज हिंदी में बात करता है. खुद तमिलनाडु में भी हिंदी जाने वाले लाखों लोग तमिलनाडु के के लोग दूसरे राज्यों में जाकर आप काम कर रहे हैं व्यवसाय कर रहे हैं अगर वह हिंदी सीखेंगे तो दूसरे राज्यों में काम करने में उन्हें सुविधा होगी. महात्मा गांधी ने वर्षों पहले हिंदी के महत्व को समझकर दक्षिण भारत में हिंदी के प्रचार-प्रसार के लिए अपना काम शुरू कर दिया था. उन्होंने अपने बेटे को दक्षिण भारत में हिंदी सेवा के लिए भेजा था. तब दक्षिण में अनेक राज्यों में हिंदी प्रचार सभा जैसी संस्था ने काम करना शुरू किया. आज भी चेन्नई में हिंदी प्रचार सभा काम कर रही है और वहां हजारों लोग हिंदी सीख रहे हैं. तमिलनाडु विश्वविद्यालय में हिंदी अब पाठ्यक्रम का हिस्सा है. अब जबकि तमिलनाडु के नई सरकार में एक युवा मंत्री कीर्तना हिंदी में बात कर रही है, तो उम्मीद की जा सकती है कि आने वाले समय में नई सरकार हिंदी के मामले में कुछ उदार होगी और हिंदी शिक्षण को महत्व देगी।

कार पर सस्ता, शिक्षा पर ब्याज भारी क्यों?

डॉ. प्रियंका सौरभ

भारत जैसे विकासशील देश में शिक्षा को हमेशा राष्ट्र निर्माण का सबसे बड़ा माध्यम माना गया है। हम अक्सर यह कहते हैं कि युवा देश का भविष्य हैं, शिक्षा समाज की रीढ़ है और ज्ञान ही विकास का आधार है। लेकिन जब व्यवहारिक व्यवस्था को देखा जाता है, तो तस्वीर कुछ और दिखाई देती है। विडंबना यह है कि आज भारत में कार खरीदना आसान होता जा रहा है, लेकिन उच्च शिक्षा प्राप्त करना लगातार कठिन और महँगा होता जा रहा है। बैंक आपको नई कार खरीदने के लिए आकर्षक ब्याज दरों पर तुरंत ऋण देने को तैयार मिल जाएंगे, परंतु वही बैंक जब किसी विद्यार्थी को शिक्षा ऋण देते हैं, तो ब्याज दरें बढ़ जाती हैं, नियम कठोर हो जाते हैं और भविष्य को जोखिम मान लिया जाता है। यह स्थिति केवल बैंकिंग प्रणाली की तकनीकी समस्या नहीं है, बल्कि हमारी सामाजिक और आर्थिक प्राथमिकताओं पर गंभीर प्रश्नचिह्न भी है।

आज भारत में उच्च शिक्षा का खर्च सामान्य परिवारों की सामर्थ्य से तेजी से बाहर होता जा रहा है। मेडिकल, इंजीनियरिंग, मैनेजमेंट, लॉ, निजी विश्वविद्यालयों की पढ़ाई या विदेश में शिक्षा—हर क्षेत्र में फीस लाखों में पहुँच चुकी है। मध्यमवर्गीय परिवार अपने बच्चों की पढ़ाई के लिए वर्षों की बचत लगा देते हैं, गहने बेचते हैं, भविष्य निधि तोड़ते हैं, फिर भी शिक्षा ऋण लेने की आवश्यकता पड़ती है। लेकिन दुखद स्थिति यह है कि जिस शिक्षा से एक युवा का भविष्य बनना है, उसी पर सबसे अधिक ब्याज का बोझ लाद दिया जाता है। कार लोन की ब्याज दरें कई बार शिक्षा ऋण से कम होती हैं। अर्थात एक उपभोक्ता वस्तु खरीदना शिक्षा प्राप्त करने से सस्ता पड़ता है। यह केवल आर्थिक असंतुलन नहीं, बल्कि सामाजिक सोच की भी त्रासदी है।

बैंकिंग व्यवस्था का तर्क यह होता है कि कार लोन सुरक्षित होता है क्योंकि वाहन बैंक के लिए गिरवी संपत्ति का काम करता है। यदि ऋण लेने वाला व्यक्ति भुगतान न करे, तो कार जब्त की जा सकती है। लेकिन शिक्षा ऋण में बैंक के पास कोई भौतिक संपत्ति नहीं होती। वहाँ केवल छात्र की योग्यता, उसकी डिग्री और उसका भविष्य होता है। इसलिए बैंक इसे जोखिमपूर्ण निवेश मानते हैं। यह तर्क बैंकिंग दृष्टि से भले सही प्रतीत हो, लेकिन राष्ट्रीय दृष्टि से अत्यंत संकीर्ण है। किसी भी राष्ट्र के लिए सबसे बड़ा निवेश उसकी युवा पीढ़ी होती है। एक छात्र जब डॉक्टर, इंजीनियर, वैज्ञानिक, शिक्षक, शोधकर्ता या प्रशासक बनता है, तो उसका लाभ केवल व्यक्तिगत नहीं होता, पूरा समाज उससे लाभान्वित होता है। ऐसे में शिक्षा ऋण को केवल व्यापारिक उत्पाद की तरह देखना दूरदर्शिता नहीं कहलाएगा।

वर्तमान समय में शिक्षा ऋण केवल आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि मानसिक दबाव का कारण भी बनता जा रहा है। लाखों विद्यार्थी पढ़ाई पूरी होने से पहले ही ईएमआई और ब्याज की चिंता में घिर जाते हैं। नौकरी मिलने से पहले ही कर्ज का भय उन्हें परेशान करने लगता है। कई छात्र अपनी रुचि और प्रतिभा के अनुसार करियर चुनने के बजाय केवल अधिक वेतन वाली नौकरियों की ओर इसलिए भागते हैं ताकि ऋण चुका सकें। परिणामस्वरूप शोध, अध्यापन, साहित्य, सामाजिक सेवा और कला जैसे क्षेत्रों में प्रतिभाशाली युवाओं की संख्या घटती जा रही है। समाज धीरे-धीरे केवल वेतन आधारित सफलता

का समर्थक बनता जा रहा है।

इस समस्या का सबसे अधिक प्रभाव भारतीय मध्यमवर्ग पर पड़ता है। आर्थिक रूप से संपन्न परिवार महँगी शिक्षा का खर्च आसानी से उठा लेते हैं। गरीब वर्ग के लिए सरकार की कुछ योजनाएँ और छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध होती हैं। लेकिन सबसे अधिक संघर्ष उस वर्ग को करना पड़ता है जो 'गरीब' की श्रेणी में नहीं आता, फिर भी लाखों रुपये की फीस वहन करने में सक्षम नहीं होता। ऐसे परिवारों के लिए शिक्षा ऋण मजबूरी बन जाता है। एक पिता पूरी जिंदगी की कमाई बेटे या बेटी की पढ़ाई में लगा देता है, इस उम्मीद के साथ कि शिक्षा भविष्य को सुरक्षित करेगी। लेकिन जब उसी शिक्षा पर भारी ब्याज लग जाता है, तो वह सपना धीरे-धीरे आर्थिक बोझ में बदलने लगता है।

आज भारत में शिक्षा का निजीकरण तेजी से बढ़ा है। सरकारी संस्थानों की सीमित सीटों के कारण लाखों छात्रों को निजी कॉलेजों का रुख करना पड़ता है। वहाँ फीस इतनी अधिक होती है कि सामान्य परिवारों के लिए बिना ऋण के पढ़ाई संभव नहीं रह जाती। कई बार छात्र केवल फीस और ब्याज के कारण अपने सपनों के संस्थान छोड़ देते हैं। प्रतिभा आर्थिक क्षमता के सामने हार जाती है। यह स्थिति किसी भी लोकतांत्रिक और प्रगतिशील समाज के लिए चिंताजनक है।

यह भी विचारणीय है कि आज के समय में शिक्षा केवल व्यक्तिगत प्रगति का माध्यम नहीं रही, बल्कि आर्थिक और सामाजिक अस्तित्व की आवश्यकता बन चुकी है। बिना उच्च शिक्षा के बेहतर रोजगार प्राप्त करना कठिन होता जा रहा है। ऐसे में यदि शिक्षा ही महँगी और ऋण बोझिल होगा, तो सामाजिक असमानता और बढ़ेगी। जो परिवार आर्थिक रूप से मजबूत हैं, वे आगे निकल जाएंगे, जबकि सीमित साधनों वाले प्रतिभाशाली छात्र पीछे छूटते चले जाएंगे। यह केवल व्यक्ति की हानि नहीं होगी, बल्कि देश अपनी संभावित प्रतिभाओं को खो देगा।

भारत सरकार को इस दिशा में गंभीर और दीर्घकालिक कदम उठाने की आवश्यकता है। सबसे पहले शिक्षा ऋण की ब्याज दरों को नियंत्रित किया जाना चाहिए। यदि सरकार वाहन उद्योग, रियल एस्टेट और अन्य क्षेत्रों को बढ़ावा देने के लिए विशेष आर्थिक नीतियाँ बना सकती है, तो शिक्षा जैसे मूलभूत क्षेत्र के लिए अलग वित्तीय नीति क्यों नहीं बनाई जा सकती? शिक्षा ऋण पर ब्याज न्यूनतम होना चाहिए और पढ़ाई पूरी होने तक ब्याज स्थगन की व्यवस्था व्यापक स्तर पर लागू की जानी चाहिए।

इसके अतिरिक्त रोजगार मिलने तक ऋण पुनर्भुगतान में लचीलापन होना चाहिए। वर्तमान व्यवस्था में कई छात्रों पर डिग्री पूरी होते ही ईएमआई का दबाव शुरू हो जाता है, जबकि नौकरी मिलने में समय लग सकता है। यह मानसिक तनाव युवाओं की ऊर्जा और आत्मविश्वास दोनों को प्रभावित करता है। यदि सरकार और बैंक छात्रों को कुछ वर्षों का व्यावहारिक समय दें, तो वे अपने करियर को अधिक स्थिरता के साथ शुरू कर पाएंगे।

शिक्षा ऋण के साथ करियर आधारित सहायता मॉडल भी विकसित किए जाने चाहिए। उदाहरण के लिए यदि कोई छात्र शोध, अध्यापन, सामाजिक सेवा या ग्रामीण क्षेत्रों में कार्य करना चाहता है, तो उसके ऋण में विशेष छूट दी जा सकती है। इससे समाज के आवश्यक लेकिन कम वेतन वाले क्षेत्रों में भी प्रतिभाशाली युवाओं का आकर्षण बना रहेगा।

दुनिया के कई विकसित देशों में शिक्षा को सामाजिक निवेश माना जाता है। वहाँ सरकारें छात्रों को कम ब्याज पर ऋण, छात्रवृत्ति और आय आधारित पुनर्भुगतान जैसी सुविधाएँ देती हैं। भारत में भी यदि हम 'विश्वगुरु' बनने की कल्पना करते हैं, तो हमें युवाओं को कर्ज के भय से मुक्त करना होगा। केवल भाषणों और नारों से ज्ञान आधारित समाज नहीं बनता, उसके लिए व्यवहारिक आर्थिक समर्थन भी आवश्यक होता है।

यह सच है कि बैंकिंग व्यवस्था को भी अपने आर्थिक हित देखने होते हैं, लेकिन शिक्षा को केवल लाभ-हानि के चश्मे से नहीं देखा जा सकता। कार सड़क पर चलती है, लेकिन शिक्षा समाज को आगे बढ़ाती है। वाहन सुविधा देता है, लेकिन ज्ञान राष्ट्र का भविष्य गढ़ता है। यदि कार लोन सस्ता और शिक्षा ऋण महँगा है, तो यह हमारी प्राथमिकताओं के असंतुलन का संकेत है।

आज आवश्यकता इस बात की है कि शिक्षा को उपभोग नहीं, निवेश माना जाए। एक शिक्षित युवा केवल अपनी जिंदगी नहीं बदलता, वह परिवार, समाज और राष्ट्र की दिशा भी बदल सकता है। इसलिए शिक्षा पर लगाया गया हर रुपया भविष्य की नींव होता है। सरकार, बैंकिंग संस्थानों और समाज—तीनों को मिलकर यह समझना होगा कि यदि प्रतिभा आर्थिक बोझ के नीचे दब गई, तो देश का विकास भी अधूरा रह जाएगा।

जिस दिन भारत में शिक्षा ऋण को बोझ नहीं, अवसर की तरह देखा जाने लगेगा, उस दिन शायद किसी विद्यार्थी को अपने सपनों की कीमत भारी ब्याज में नहीं चुकानी पड़ेगी। तभी शिक्षा वास्तव में अधिकार बनेगी, सुविधा नहीं।

(डॉ. प्रियंका सौरभ, पीएचडी (राजनीति विज्ञान), कवयित्री एवं सामाजिक चिंतक हैं।)

विनम्र स्मरण : भुवन चंद्र खंडूड़ी

पार्थसारथि थपलियाल

उत्तराखंड की राजनीति में सादगी, ईमानदारी और अनुशासन का पर्याय रहे पूर्व मुख्यमंत्री मेजर जनरल भुवन चंद्र खंडूरी का 19 मई को लंबी बीमारी के बाद निधन केवल एक राजनीतिक व्यक्तित्व का अवसान नहीं, बल्कि सार्वजनिक जीवन में आदर्श मूल्यों की एक महत्वपूर्ण परंपरा के क्षीण होने जैसा है। सैनिक पृष्ठभूमि से राजनीति में आए खंडूड़ी जी उन विरले नेताओं में थे जिन्होंने सत्ता को कभी विशेषाधिकार नहीं, बल्कि सेवा का माध्यम माना। उनके निधन से उत्तराखंड ही नहीं, पूरे देश ने एक ऐसे जननेता को खो दिया है जिसकी पहचान शुचिता, राष्ट्रनिष्ठा और कार्यसंस्कृति से थी।

गढ़वाल की धरती से निकले खंडूड़ी जी भारतीय सेना में मेजर जनरल के पद तक पहुंचे। सेना का अनुशासन, स्पष्टता और राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने का संस्कार उनके पूरे राजनीतिक जीवन में दिखाई देता रहा। राजनीति में प्रवेश के बाद भी उन्होंने कभी अपने सैनिक चरित्र से समझौता नहीं किया। यही कारण था कि वे भीड़ जुटाने वाले नेता से अधिक विश्वास अर्जित करने वाले राजनेता के रूप में पहचाने गए।

उत्तराखंड जैसे नवोदित राज्य को जब स्थिर प्रशासनिक सोच और साफ-सुथरे नेतृत्व की आवश्यकता थी, तब खंडूरी जी ने मुख्यमंत्री के रूप में राज्य को दिशा देने का प्रयास किया। सड़क, आधारभूत संरचना और प्रशासनिक सुधारों को लेकर उनकी गंभीरता स्पष्ट दिखाई देती थी। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री रहते हुए उन्होंने राष्ट्रीय राजमार्गों के विकास में भी उल्लेखनीय योगदान दिया। उत्तराखंड की दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियों को समझते हुए उन्होंने संपर्क मार्गों और ग्रामीण क्षेत्रों के विकास पर विशेष ध्यान दिया।खंडूड़ी जी की सबसे बड़ी विशेषता यह थी कि वे राजनीति में नैतिकता के पक्षधर थे। आज जब राजनीति पर अवसरवाद, परिवारवाद और भ्रष्टाचार के आरोप लगते हैं, तब खंडूड़ी जी का जीवन एक सकारात्मक उदाहरण बनकर सामने आता है। मुख्यमंत्री रहते हुए उन्होंने भ्रष्टाचार के विरुद्ध कठोर रुख अपनाया। उत्तराखंड में भूमि और प्रशासनिक मामलों में पारदर्शिता लाने की उनकी कोशिशें आज भी याद की जाती हैं। वे जानते थे कि पहाड़ का विकास केवल घोषणाओं से नहीं, बल्कि ईमानदार कार्यसंस्कृति से संभव है।

उनकी सादगी भी उतनी ही चर्चित थी जितनी उनकी प्रशासनिक दृढ़ता। सत्ता के शिखर पर पहुंचने के बाद भी उनमें अहंकार का लेशमात्र नहीं था। आम जनता से सहज संवाद और कार्यकर्ताओं के प्रति आत्मीय व्यवहार उन्हें विशिष्ट बनाता था। राजनीतिक विरोधी भी उनकी ईमानदारी और शालीनता का सम्मान करते थे। आज के समय में जब राजनीति का स्वर अक्सर कटु और आक्रामक दिखाई देता है, तब खंडूरी जी जैसे संयमित नेताओं की कमी और अधिक महसूस होती है।

उत्तराखंड की राजनीति में खंडूड़ी जी एक नैतिक धुरी की तरह थे। उन्होंने यह संदेश दिया कि विकास और नैतिकता साथ-साथ चल सकते हैं। उनके कार्यकाल में खंडूड़ी है जरूरी' जैसा जननारा केवल राजनीतिक प्रचार नहीं था, बल्कि जनता के भरोसे की अभिव्यक्ति थी। लोगों को विश्वास था कि यह नेता व्यक्तिगत स्वार्थ से ऊपर उठकर राज्यहित में निर्णय लेने की क्षमता रखता है।

उनका निधन उस पीढ़ी के क्रमशः विदा होने का संकेत भी है जिसने राजनीति को राष्ट्रसेवा का माध्यम माना था। आज नई पीढ़ी के राजनेताओं के लिए खंडूड़ी जी का जीवन प्रेरणा का स्रोत होना चाहिए। सार्वजनिक जीवन में शुचिता, अनुशासन और जनसेवा के जो मानक उन्होंने स्थापित किए, वे लोकतंत्र को मजबूत बनाने के लिए अत्यंत आवश्यक हैं।

उत्तराखंड की जनता उन्हें केवल एक पूर्व मुख्यमंत्री के रूप में नहीं, बल्कि पहाड़ की संवेदनाओं को समझने वाले सच्चे जनसेवक के रूप में याद रखेगी। उनका जीवन यह सिखाता है कि पद की प्रतिष्ठा व्यक्ति से नहीं बढ़ती, बल्कि व्यक्ति अपने आचरण से पद को गौरव प्रदान करता है। मेजर जनरल भुवन चंद्र खंडूड़ी का जाना एक युगांतकारी क्षति है, किंतु उनके आदर्श और कार्यशैली आने वाली पीढ़ियों के लिए सदैव प्रेरणास्रोत बने रहेंगे।

दिवंगत आत्मा को शत शत नमन।।

बोध कथा

मन की शांति

एक राजा था जिसे पेटिंग्स से बहुत प्यार था। एक बार उसने घोषणा की कि जो कोई भी उसे एक ऐसी पेंटिंग बना कर देगा जो शांति को दर्शाती हो तो वह उसे मुंह माँगा इनाम देगा। फैसले के दिन एक से बढ़ कर एक चित्रकार इनाम जीतने की लालच में अपनी-अपनी पेंटिंग्स लेकर राजा के महल पहुंचे। राजा ने एक-एक करके सभी पेंटिंग्स देखीं और उनमें से दो को अलग रखवा दिया।अब इन्ही दोनों में से एक को इनाम के लिए चुना जाना था। पहली पेंटिंग एक अति सुन्दर शांत झील की थी। उस झील का पानी इतना साफ़ था कि उसके अन्दर की सतह तक नज़र आ रही थी और उसके आस-पास मौजूद हिमखंडों की छवि उस पर ऐसे उभर रही थी मानो कोई दर्पण रखा हो। ऊपर की ओर नीला आसमान था जिसमें रुई के गोलों के सामान सफ़ेद बादल तैर रहे थे। जो कोई भी इस पेटिंग को देखता उसको यही लगता कि शांति को दर्शाने के लिए इससे अच्छी पेंटिंग हो ही नहीं सकती।दूसरी पेंटिंग में भी पहाड़ थे, पर वे बिलकुल रूखे, बेजान , वीरान थे और इन पहाड़ों के ऊपर घने गरजते बादल थे जिनमे बिजलियाँ चमक रही थीं...घनघोर वर्षा होने से नदी उफान पर थी... तेज हवाओं से पेड़ हिल रहे थे... और पहाड़ी के एक ओर स्थित झरने ने रौद्र रूप धारण कर रखा था। जो कोई भी इस पेटिंग को देखता यही सोचता कि भला इसका 'शांति' से क्या लेना देना... इसमें तो बस अशांति ही अशांति है।

व्यंग्य केसरी

संबंध तोड़ने की प्रेक्टिकली आदत

आसिम अनमोल

जब संबंध तोडने होते है तो हम किसी की तरफ देखना पसंद नही करते। यह हमारी प्रेक्टिकली आदत है। इस आदत के अनुसार सम्बंधित दूरियां बनाना आरम्भ कर देता है। इस बीच मेरी संबंध तोड़ने की सुनोयोजित प्लानिंग पूरी हो जाती है। मिसेस शर्मा अपनी सहेली को नए जमाने से जुड़कर जीने के टिप्स दे रहीं थीं। तजुर्बेकार सहेली ने आहें भरते हुए कहा यार पता नही कैसे तुम संबंध तोड़ लेती हो सपा मुखिया के परिवार की तरह ।

मुझे देखो पिछले पांच साल से अहंकारी सहेली से रिश्ता तोड़ने की मुहिम चला रही हूँ । कमल के फूल की तरह सफलता कहीं दिखाई ही नही देती। इतना बेहतरीन किस्म का मुंह सिकोड़ती हूँ। घर बैठकर परिपक्व आलोचनाएं करती हूँ। इधर उधर की उस पर अकारण ही बुराइयां थोप देती हूँ। पर न जाने वो किस मिट्टी की बनी है। बार बार मिलने पय्यां पय्यां चली आती है। सहेली की कुंठामय परेशानी समझकर मिसेस शर्मा ने अपना एक और टिप्स वाला पैंतरा फेंका। बोली बात को गहराई से समझो। जब तुम्हे संबंध तोडना नही आता तो सीखो। नहीं तो समझ लो इस कलयुगी संसार में तुम अनाड़ी हो ।

आजकल इंसान हर क्षेत्र में संबंध तोड़कर ही आगे बढ़ रहा है। और तुम पीछे होती जा रही हो । ज़रा सोचों तुम्हारे और औरों के बीच संबंधों में जरूर तुम्हारी तरफ से कुछ लचक रहती होगी। तभी तुम्हारे संबंध टूटने के बजाए और मजबूत हो रहें हैं।

तुम ऐसा करो। आँखे खुली रखो। दुनिया के लिए अंधी बन जाओ । कोई दरवाज़े पर आए तो दरवाज़े पर हो रही नॉक को सुन तो लो । पर दरवाज़ा यह बहाना बनाकर न खोलो कि मैं तो गहरी नींद में सो रही थी। ऐसा तुम कई बार करो ।

फिर देखना संबंध कितनी आसानी से टूटेगा।

सम्बन्ध तोड़ने का एक उम्दा तरीका और भी है। अपने आपको व्यस्त न रहकर भी व्यस्त रखना। घर पर रिश्तेदारों के जितने भी शादी के कार्ड आएं उनको बेहद प्यार से अपनाकर शादी वाले दिन व्यस्त रहने या कोई अचानक आई विपत्ति का इतना खूबसूरत बहाना बना दीजिए जिससे सम्बन्ध बिगड़ने के कागार पर पहुंच जाएं। बस सम्बन्धो को बिगाड़ने की कोशिश उम्दा होनी चाहिए। कोशिशें इंसान को कामयाब करती हैं। जिससे लगे कि आप वाकई सम्बन्धो को बिगाड़ने में एक्सपर्ट हो।

एक बार हमारे घर पर मेहमान पधारे। हमको उनसे संबंध तोडना था। इससे अच्छा मौका कहाँ मिलता। मैं किचन से सीधे बैडरूम में जा घुसी। हौले हौले निकली उनके जाने के बाद। कुछ मिनट के बाद देखा कि आने वाला अपने थोमडे का मिला जुला नृत्य करते हुए वहां से खिसक लिया।

एंगल बदल बदलकर ऐसा मैने कई बार किया तो सफलता हाथ लगी। संबंध टूटने लगे। मुझे अच्छा लगने लगा। तुम भी ऐसा ही करो । तुमको भी अच्छा लगेगा। बस हार न मानो । प्रयास ही हथियार होता है कामयाबी का। सोच लो आजकल दुनिया में ऐसे ही जीवन जिया जा रहा है।

इतिहास

19 मई के इतिहास में कई महत्वपूर्ण घटनाएं दर्ज हैं, जिनमें तुर्की के स्वतंत्रता संग्राम की शुरुआत, इटली में दुनिया की पहली तलाक कानूनी रूप से लागू होना, और वियतनामी स्वतंत्रता संग्राम के नेता हो ची मिन्ह का जन्म शामिल हैं। आज का दिन दुनिया भर में और भारतीय इतिहास के संदर्भ में विविध उपलब्धियों और परिवर्तनों के लिए जाना जाता है।आज के दिन (19 मई) की मुख्य ऐतिहासिक घटनाएँ:1536: इंग्लैंड के राजा हेनरी VIII की दूसरी पत्नी, ऐनी बोलेन का लंदन के टॉवर में सिर कलम कर दिया गया था।1919: मुस्तफा कमाल अतातुर्क ने सैमसन में कदम रखा, जो तुर्की के स्वतंत्रता संग्राम की शुरुआत का प्रतीक माना जाता है।1970: इटली में 'तलाक' को कानूनी मान्यता देने वाला कानून पारित किया गया।1999: युगोस्लाविया के खिलाफ नाटो (NATO) के हवाई हमलों में बेलग्रेड स्थित चीनी दूतावास पर बमबारी हुई।

शुरुआती बढ़त खोकर लाल निशान में बंद हुआ बाजार, सेंसेक्स 114 अंक फिसला; निफ्टी आईटी ने दिखाया दम

मुंबई । पश्चिम एशिया में जारी संघर्षों के बीच वैश्विक बाजारों से मिले-जुले संकेतों के चलते सप्ताह के दूसरे कारोबारी दिन मंगलवार को भारतीय शेयर बाजार अपनी शुरुआती बढ़त खोकर गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुआ।

इस दौरान प्रमुख बेंचमार्क इंडेक्स बीएसई सेंसेक्स ने दिन के उच्चतम स्तर से 500 अंकों से ज्यादा फिसलकर कारोबार का समापन किया।

बाजार बंद होने के समय 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 114.19 अंक यानी 0.15 प्रतिशत की गिरावट के साथ 75,200.85 पर था, तो वहीं निफ्टी 31.95 (0.14 प्रतिशत) अंक फिसलकर 23,618 पर पहुंच गया।

व्यापक बाजारों ने प्रमुख बेंचमार्कों से बेहतर प्रदर्शन किया। निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स में 1.17 प्रतिशत और निफ्टी मिडकैप इंडेक्स में 0.91 प्रतिशत की उछाल दर्ज की गई।

वहीं सेक्टरवार देखें तो, निफ्टी प्राइवेट बैंक में सबसे ज्यादा गिरावट आई। निफ्टी बैंक और निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज का प्रदर्शन भी खराब रहा। इस बीच, निफ्टी आईटी में सबसे ज्यादा 3.23 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई। इसके बाद निफ्टी रियल्टी (1.43 प्रतिशत की तेजी), निफ्टी मीडिया (1.18 प्रतिशत की तेजी), निफ्टी केमिकल्स और निफ्टी ऑटो ने भी बेहतर प्रदर्शन किया।

निफ्टी50 इंडेक्स में इंफोसिस, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, टेक महिंद्रा, टीएमपीवी, टीसीएस, इटरनल और विप्रो के शेयरों में सबसे ज्यादा बढ़त दर्ज की गई। इसके विपरीत, कोटक बैंक, टाइटन, अल्ट्राटेक सीमेंट, टाटा कंज्यूमर और भारती एयरटेल के शेयरों में सबसे ज्यादा गिरावट देखने को मिली।

इस दौरान, बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का कुल मार्केट कैप पिछले सत्र के 458 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर 459 लाख करोड़ रुपए हो गया, जिससे निवेशकों को इस सत्र में 1 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा का लाभ हुआ।

एक बाजार विशेषज्ञ ने कहा, 'शुरुआती कारोबार में अमेरिका द्वारा ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई अस्थायी रूप से रोकने की खबर से बाजार में उत्साह देखने को मिला था, लेकिन बाद में बाजार लाल निशान में आ गया। हालांकि, आईटी शेयर इस दौरान अपवाद रहे और इनमें अच्छी तेजी देखने को मिली।

यूके ने विदेशी फंडिंग में की कटौती, पाकिस्तान को तगड़ा झटका : रिपोर्ट

नई दिल्ली। ब्रिटेन ने अपनी वित्तीय स्थिति को ध्यान में रक विदेशी सहायता (फॉरेन एड) में कटौती किए जाने का ऐलान किया। इसका सबसे ज्यादा असर झेलने वाले देशों में पाकिस्तान भी शामिल है। एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है।

द बोरगन प्रोजेक्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, ब्रिटेन सरकार ने 2027 तक अपनी विकास सहायता को सकल राष्ट्रीय आय (जीएनआई) के 0.5 प्रतिशत से घटाकर 0.3 प्रतिशत करने का फैसला लिया है। इसके तहत 6 अरब डॉलर से अधिक की विदेशी सहायता में कटौती की जाएगी।

रिपोर्ट में कहा गया है कि पाकिस्तान और मोजाम्बिक को सबसे ज्यादा झटका लगेगा, जबकि यमन, सोमालिया और अफगानिस्तान जैसे देशों को भी सीधे अनुदान में कमी का सामना करना पड़ेगा।

ब्रिटेन की विदेश मंत्री अवैत कूपर ने संसद में कहा कि वैश्विक सुरक्षा चुनौतियों, खासकर यूक्रेन युद्ध के चलते सरकार को रक्षा खर्च बढ़ाना पड़ रहा है, इसलिए 'कठिन फैसले और समझौते' करने पड़ रहे हैं।

कोविड-19 महामारी से पहले ब्रिटेन अपनी जीएनआई का 0.7 प्रतिशत विदेशी सहायता पर खर्च करता था, लेकिन हाल के वर्षों में इसमें लगातार कमी आई है।

ब्रिटेन सरकार ने कहा है कि अब वह विकासशील देशों में निजी निवेश और विशेषज्ञता को बढ़ावा देने के लिए 'निवेश आधारित साझेदारी' मॉडल पर ज्यादा ध्यान देगी।

रिपोर्ट के अनुसार, इन कटौतियों से कई देशों के विकास कार्यक्रम प्रभावित होंगे और उन्हें वैकल्पिक वित्तीय स्रोतों, खासकर प्रवासी नागरिकों द्वारा भेजी जाने वाली रकम , पर अधिक निर्भर होना पड़ेगा। पाकिस्तान में विदेशों में रहने वाले 80 लाख से अधिक नागरिकों से आने वाली रकम बढ़कर लगभग 30 अरब डॉलर तक पहुंच गई है, जिससे विदेशी सहायता में आई कमी की आंशिक भरपाई हो रही है।

वैश्विक अस्थिरता के बीच सोने में सीमित दायरे में कारोबार

मुंबई । वैश्विक अस्थिरता के बीच सोने की शुरुआत मंगलवार को सपाट हुई और शुरुआती कारोबार में सोने एक सीमित दायरे में कारोबार हो रहा है।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का 5 जून 2026 का कॉन्ट्रैक्ट पिछली क्लोजिंग 1,59,401 रुपए के मुकाबले 498 रुपए या 0.31 प्रतिशत की तेजी के साथ 1,59,899 रुपए पर खुला।

सुबह 10 बजे सोना 20 रुपए की मामूली बढ़त के साथ 1,59,421 रुपए पर था। सोने ने अब तक के कारोबार में 1,59,161 रुपए का न्यूनतम स्तर और 1,59,899 रुपए का उच्चतम स्तर छुआ है।

सोने के उलट चांदी में कमजोरी देखी जा रही है।

चांदी के 3 जुलाई 2026 का कॉन्ट्रैक्ट पिछली क्लोजिंग 2,76,651 रुपए के मुकाबले 380 रुपए की मामूली कमजोरी के साथ 2,76,271 रुपए पर खुला।

खबर लिखे जाने तक चांदी 2,351 रुपए या 0.85 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 2,74,300 रुपए पर थी। अब तक के सत्र में चांदी का न्यूनतम स्तर 2,74,236 रुपए और उच्चतम स्तर 2,76,666 रुपए पर रहा।

अंतरराष्ट्रीय बाजारों में सोने और चांदी की कीमतों में कमजोरी देखी जा रही है। खबर लिखे जाने तक, सोना 0.35 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 4,542 डॉलर प्रति औंस और चांदी 1.32 प्रतिशत की गिरावट के साथ 76.47 डॉलर प्रति औंस पर थी। अमेरिका-ईरान तनाव के कारण वैश्विक स्तर पर अस्थिरता बनी हुई है। वहीं, अमेरिका की ओर से ईरान पर हमले को टाल दिया गया है। इससे कच्चे तेल की कीमतों में भी हल्की नरमी देखने को मिली है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर कहा कि कतर, सऊदी अरब और यूएई के सुझाव पर अमेरिका ने ईरान पर कल होने वाले हमले को टाल दिया है। इसके साथ, ट्रंप ने संकेत दिया कि ईरान के साथ शांति के लिए बातचीत चल रही है।

इसके अतिरिक्त, सोने और चांदी ने बीते एक साल में निवेशकों को शानदार रिटर्न दिया है। इस दौरान डॉलर में सोना ने करीब 40 प्रतिशत और चांदी ने करीब 135 प्रतिशत का रिटर्न दिया है।

सरकार ने जम्मू-कटरा और हावड़ा-दिल्ली कॉरिडोर के लिए 1,200 करोड़ रुपए के रेल इंफ्रा प्रोजेक्ट्स को दी मंजूरी

नई दिल्ली। रेल मंत्रालय ने मंगलवार को बताया कि सरकार ने जम्मू-कटरा और हावड़ा-दिल्ली रेल कॉरिडोर पर सुरक्षा, कनेक्टिविटी और परिचालन दक्षता में सुधार लाने के उद्देश्य से 1,200 करोड़ रुपए के रेल इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स को मंजूरी दे दी है।

मंत्रालय ने बताया कि सरकार ने उत्तरी रेलवे के जम्मू-श्री माता वैष्णो देवी कटरा सेक्शन पर ढलानों को स्थिर करने, सुरंगों के पुनर्वास और पुल संरक्षण कार्यों के लिए 238 करोड़ रुपए की मंजूरी दी है।

बयान में मंत्रालय ने आगे बताया कि मंजूर किए गए कार्यों में ढलान स्थिरीकरण, पुनर्वास उपाय, सुरंगों में पानी रिसाव की समस्या का समाधान, पुल सुरक्षा कार्य और संवेदनशील स्थानों पर अन्य सुरक्षा संबंधी काम शामिल हैं।

केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि ये परियोजनाएं देश के सबसे चुनौतीपूर्ण इलाकों में सुरक्षित और भरोसेमंद रेल कनेक्टिविटी सुनिश्चित करने की सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं।उन्होंने कहा कि कटिंग, पुलों और सुरंगों का विस्तृत आकलन करने के बाद इस रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण रेल सेक्शन की दीर्घकालिक सुरक्षा और विश्वसनीयता बढ़ाने के लिए संरक्षण और पुनर्वास कार्यों को मंजूरी दी गई है।

जम्मू-कटरा सेक्शन को कठिन भू-भाग, प्रतिकूल भूवैज्ञानिक परिस्थितियों और खराब मौसम के कारण कई इंजीनियरिंग और परिचालन चुनौतियों का सामना करना पड़ता रहा है।

सरकार के अनुसार, नए सुरक्षा और पुनर्वास उपायों से यह मार्ग अधिक मजबूत बनेगा और हर साल इस रूट पर यात्रा करने वाले लाखों यात्रियों की सुरक्षा बेहतर होगी।

एक अन्य फैसले में सरकार ने 54 किलोमीटर लंबे किउल-झाझा थर्ड लाइन प्रोजेक्ट को भी मंजूरी दी है, जिसकी लागत 962 करोड़ रुपए होगी। यह परियोजना उच्च घनत्व वाले हावड़ा-दिल्ली कॉरिडोर का हिस्सा है और इसका उद्देश्य रेल क्षमता बढ़ाना, परिचालन दक्षता सुधारना तथा पूर्वी और उत्तरी भारत में यात्री और मालगाड़ियों की आवाजाही को मजबूत करना है।

रेल मंत्रालय के अनुसार, किउल और झाझा के बीच मौजूदा डबल लाइन सेक्शन अभी अपनी क्षमता से अधिक दबाव में काम कर रहा है और आने वाले वर्षों में इस कॉरिडोर पर ट्रैफिक और बढ़ने की संभावना है। प्रस्तावित थर्ड लाइन परियोजना से लाइन क्षमता में बड़ा सुधार होगा, भीड़भाड़ कम होगी और यात्री व मालगाड़ियों की आवाजाही ज्यादा सुगम बनेगी।

भारत महज उपभोक्ता बाजार नहीं, बल्कि दीर्घकालिक निवेश साझेदार के रूप में उभर रहा है: जितिन प्रसाद

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने मंगलवार को कहा कि भारत को केवल उत्पाद बेचने वाले बाजार के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए, बल्कि एक ऐसे दीर्घकालिक निवेश साझेदार के रूप में देखना चाहिए जहां वैश्विक कंपनियां भारतीय व्यवसायों के साथ मिलकर देश की विकास यात्रा में भागीदारी कर सकें।

उद्योग जगत की संस्था एसोचैम के 'इंडिया बिजनेस रिफॉर्म्स समिट 2026' को संबोधित करते हुए मंत्री ने कहा कि भारत का आर्थिक बदलाव अब केवल महानगरों तक सीमित नहीं है, बल्कि छोटे शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों में भी तेजी से आर्थिक गतिविधियां बढ़ रही हैं। इससे कारोबार और निवेशकों के लिए बड़ा घरेलू बाजार तैयार हो रहा है।

उन्होंने कहा, 'भारत में बदलाव जमीनी स्तर से भी हो रहा है। यह सिर्फ हमारे मेट्रो शहरों तक सीमित नहीं है। यही वजह है कि हम दुनिया का सबसे बड़ा बाजार बन रहे हैं।'

मंत्री ने कहा कि सरकार चाहती है कि विदेशी निवेशक भारत को केवल उपभोक्ता बाजार न मानें, बल्कि यहां के मैन्युफैक्चरिंग और बिजनेस इकोसिस्टम में सक्रिय भागीदार बनें।

उन्होंने कहा, 'मैं निवेशकों, खासकर विदेशी निवेशकों से कहता हूं कि भारत को सिर्फ बाजार की तरह न देखें। हम आपके साथ साझेदारी करना चाहते हैं। हम चाहते हैं कि वे भारत में निवेश करें। मंत्री ने कहा कि भारत में कानून का शासन और पारदर्शी कारोबारी माहौल निवेशकों का भरोसा मजबूत कर रहा है। इससे घरेलू और विदेशी दोनों कंपनियों का विश्वास बढ़ा है।

उन्होंने कहा, 'इस सरकार में भारत में कानून का राज है। पारदर्शिता है और सभी को समान अवसर मिलते हैं। अब शॉर्टकट का दौर खत्म हो चुका है।'

प्रसाद ने हाल के मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) की भूमिका पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि इन समझौतों से भारतीय कारोबारियों, खासकर सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योगों (एमएसएमई) के लिए नए वैश्विक बाजारों के दरवाजे खुले हैं।

उन्होंने कहा, 'इन एफटीए ने ऐसे बाजार खोले हैं जिनकी कल्पना भी नहीं की जा सकती थी। हमारे एमएसएमई आने वाले समय में विकास के सबसे बड़े इंजन बनेंगे।' मंत्री ने आगे कहा कि सरकार की औद्योगिक रणनीति का मुख्य फोकस वैल्यू एडिशन बढ़ाने, लॉजिस्टिक्स इंफ्रास्ट्रक्चर मजबूत करने और मैन्युफैक्चरिंग प्रतिस्पर्धा बढ़ाने पर है।

उन्होंने बताया कि गति शक्ति पोर्टल, लॉजिस्टिक्स नीति और एक्सपोर्ट प्रमोशन जैसी पहलें भारत को तेजी से वैश्विक मैन्युफैक्चरिंग हब बनाने में मदद कर रही हैं।

उन्होंने कहा, 'हम वैल्यू चेन में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाना चाहते हैं। यह सिर्फ मैन्युफैक्चरिंग तक सीमित नहीं है, बल्कि ठोस परिणामों पर आधारित है। हमारा गति शक्ति पोर्टल, लॉजिस्टिक्स नीति और एक्सपोर्ट प्रमोशन नीतियां मिलकर यह सुनिश्चित कर रही हैं कि भारत बहुत तेजी से आगे बढ़ रहा है।

पेटीएम भारत के सबसे मजबूत फिनटेक बिजनेस मॉडलों में से एक का कर रहा निर्माण : सिटी

नई दिल्ली । वैश्विक ब्रोकरेज फर्म सिटीग्रुप ने पेटीएम के प्रति अपना सकारात्मक रुख मजबूत करते हुए कहा कि भुगतान, व्यापारी व्यवसाय, ऋण और लाभप्रदता के क्षेत्र में कंपनी की मजबूत गति बनी हुई है।

साथ ही, रिपोर्ट में फिनटेक क्षेत्र की इस प्रमुख कंपनी के लिए 'विकास और मार्जिन बढ़ाने वाले कई कारकों' का हवाला दिया गया है।

सिटी पैन एशिया कॉन्फ्रेंस 2026 में पेटीएम के प्रबंधन की मेजबानी करने के बाद अपनी नवीनतम रिपोर्ट में, ब्रोकरेज फर्म ने कंपनी की 'बाय' रेटिंग बरकरार रखते हुए 1,380 रुपए का लक्ष्य मूल्य निर्धारित किया है, जो मौजूदा स्तरों से तेज वृद्धि का संकेत देता है।

ब्रोकरेज फर्म ने कहा कि पेटीएम को भारत के डिजिटल भुगतान पारिस्थितिकी तंत्र में कई संरचनात्मक विकास कारकों से लगातार लाभ मिल रहा है, जिनमें यूपीआई पर क्रेडिट, ऑनलाइन भुगतान गेटवे, कार्ड ईएमआई का प्रचलन और व्यापारियों के लिए आय के अवसर शामिल हैं।

सिटी ने आगे कहा कि प्रतिस्पर्धी माहौल अनुशासित बना हुआ है, जो भुगतान मार्जिन में लगातार सुधार का समर्थन करता है।

रिपोर्ट के अनुसार, पेटीएम का उपभोक्ता भुगतान कारोबार भी गति पकड़ रहा है।

वित्त वर्ष 2026 के दौरान कंपनी के उपभोक्ता भुगतान की वृद्धि दर बाजार की वृद्धि दर से लगभग दोगुनी थी। मासिक लेनदेन करने वाले उपयोगकर्ताओं की संख्या बढ़कर 77 मिलियन हो गई, जो भारत के डिजिटल भुगतान पारिस्थितिकी तंत्र में पेटीएम के निरंतर विस्तार को मजबूत करती है।

सिटी ने पेटीएम के बढ़ते व्यापारी पारिस्थितिकी तंत्र को एक और प्रमुख ताकत के रूप में उजागर किया।

कंपनी ने वित्त वर्ष 2026 के दौरान लगभग 3 मिलियन व्यापारी उपकरण जोड़े और अब देश भर में लगभग 15 मिलियन उपकरण तैनात हैं। ब्रोकरेज फर्म ने कहा कि पेटीएम के पास अभी भी विस्तार की काफी गुंजाइश है और वह दक्षिण-पूर्व एशिया जैसे बाजारों में अंतरराष्ट्रीय अवसरों का भी पता लगा सकती है।

मंदिरों के सोने को मोनेटाइज करने के किसी प्रस्ताव को नहीं मिली मंजूरी: केंद्र

नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने मंगलवार को उन रिपोर्ट्स को खारिज कर दिया, जिसमें दावा किया गया था कि सरकार मंदिर ट्रस्ट और धार्मिक संस्थानों के सोने को मोनेटाइज करने के लिए योजना लाने की तैयारी कर रही है।

वित्त मंत्रालय ने एक आधिकारिक स्पष्टीकरण में कहा कि कुछ मीडिया रिपोर्टों और सोशल मीडिया पोस्टों में यह झूठा दावा किया जा रहा है कि केंद्र सरकार मंदिरों के गोल्ड रिजर्व के बदले उन्हें गोल्ड बॉन्ड जारी करने की योजना बना रही है या उसने मंदिरों के गोल्ड रिजर्व के मोनेटाइज के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है।

बयान में कहा गया है, 'देश भर में मंदिर ट्रस्टों या किसी भी धार्मिक संस्था के पास मौजूद सोने के मोनेटाइज की सरकारी योजना शुरू करने की अटकलें और अफवाहें पूरी तरह से झूठी, भ्रामक और निराधार हैं।'

सरकार ने उन दावों को भी खारिज कर दिया है कि मंदिर के शिखरों, दरवाजों या अन्य मंदिर संरचनाओं पर लगी सोने की प्लेटों को 'भारत के रणनीतिक स्वर्ण भंडार' के रूप में माना जाएगा।

मंत्रालय ने आगे कहा, 'यह स्पष्ट किया जाता है कि मंदिर के शिखरों, दरवाजों या अन्य मंदिर संरचनाओं पर लगी सोने की प्लेटों को 'भारत के रणनीतिक स्वर्ण भंडार' के रूप में माने जाने के दावे झूठे, भ्रामक और पूरी तरह निराधार हैं।'

सरकार ने नागरिकों से ऐसी अफवाहों पर विश्वास न करने और उन्हें न फैलाने का आग्रह किया, और चेतावनी दी कि अपुष्ट जानकारी के प्रसार से अनावश्यक भ्रम पैदा हो सकता है और जनता गुमराह हो सकती है।

सरकार ने लोगों को नीतिगत निर्णयों और सरकारी योजनाओं से संबंधित जानकारी के लिए केवल अधिकृत चैनलों के माध्यम से जारी आधिकारिक सूचनाओं पर ही भरोसा करने की सलाह दी।

सरकार ने कहा कि ऐसी कोई भी नीतिगत घोषणा आधिकारिक प्रेस विज्ञप्तियों, सरकारी वेबसाइटों और सत्यापित सार्वजनिक संचार प्लेटफार्मों के माध्यम से ही प्रसारित की जाएगी।

लगातार थकान और कमजोरी को हल्के में न लें, ये हो सकते हैं एनीमिया के संकेत

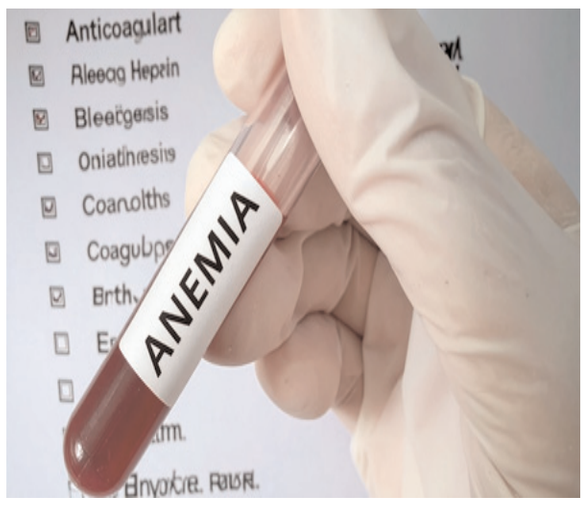

नई दिल्ली। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में महिलाएं घर, नौकरी और परिवार की जिम्मेदारियों के बीच अक्सर अपनी सेहत से समझौता कर लेती हैं, जिसके चलते कई स्वास्थ्य समस्याएं धीरे-धीरे शरीर को जकड़ने लगती है। ऐसी ही एक गंभीर समस्या है एनीमिया।

बहुत सी महिलाएं लगातार थकान, कमजोरी, चक्कर या सांस फूलने जैसी परेशानियों को सामान्य मानकर नजरअंदाज कर देती हैं, लेकिन यह शरीर में खून की कमी का संकेत हो सकता है।

एनीमिया एक ऐसी स्थिति है जिसमें शरीर के अंगों तक पर्याप्त ऑक्सीजन नहीं पहुंच पाती। अगर लंबे समय तक इसका इलाज न किया जाए तो यह दिल, दिमाग और पूरे शरीर पर बुरा असर डाल सकती है।

मेडिकल विज्ञान के अनुसार, एनीमिया तब होता है जब शरीर में लाल रक्त कोशिकाएं कम हो जाती हैं या हीमोग्लोबिन का स्तर घट जाता है। हीमोग्लोबिन एक खास प्रकार का प्रोटीन होता है, जो फेफड़ों से ऑक्सीजन लेकर शरीर के बाकी हिस्सों तक पहुंचाने का काम करता है। जब शरीर में आयरन की कमी होने लगती है तो पर्याप्त हीमोग्लोबिन नहीं बन पाता। इसके कारण शरीर को पूरी ऊर्जा नहीं मिलती और व्यक्ति हर समय थका हुआ महसूस करने लगता है।

एक रिसर्च की मानें तो, महिलाओं में यह समस्या पुरुषों की तुलना में अधिक देखने को मिलती है।

महिलाओं में एनीमिया बढ़ने के पीछे सबसे बड़ा कारण मासिक धर्म को माना जाता है। हर महीने रक्तस्राव होने से शरीर में आयरन की मात्रा कम होती रहती है। जिन महिलाओं को ज्यादा रक्तस्राव होता है, उनमें यह कमी और तेजी से बढ़ सकती है। अगर भोजन के जरिए पर्याप्त आयरन शरीर को नहीं मिलता, तो धीरे-धीरे कमजोरी बढ़ने लगती है।

इसके अलावा, गर्भावस्था के दौरान भी शरीर को सामान्य दिनों से ज्यादा पोषण की जरूरत होती है। मां और गर्भ में पल रहे बच्चे दोनों के लिए खून बनाना पड़ता है। ऐसे में आयरन और फोलिक एसिड की कमी होने पर एनीमिया का खतरा काफी बढ़ जाता है।

कई महिलाएं तेजी से वजन घटाने के लिए खाना कम कर देती हैं या ऐसी डाइट अपनाती हैं, जिसमें पोषक तत्व पर्याप्त मात्रा में नहीं होते। लंबे समय तक ऐसा करने से शरीर कमजोर हो सकता है।

देखने में सुंदर, सेहत के लिए लाभकारी, औषधीय गुणों से भरपूर श्रीकृष्ण को प्रिय 'कदम'

नई दिल्ली। प्रकृति ने ऐसे कई फल-फूल दिए हैं, जो न केवल देखने में सुंदर, स्वाद से भरपूर बल्कि औषधीय गुणों से भी भरपूर हैं। ऐसे ही एक फल का नाम कदम है, जो पोषक तत्वों से भरपूर है और भगवान श्री कृष्ण को भी अति प्रिय है।

बिहार सरकार के पर्यावरण, वन एवं जल विभाग ने लोगों को स्थानीय वृक्षों के महत्व से अवगत कराते हुए कदम कदम के वृक्ष की उपयोगिता और गुणों की विस्तृत जानकारी दी है। श्रीकृष्ण को प्रिय यह वृक्ष न केवल देखने में बेहद सुंदर है, बल्कि इसके फूल, फल और छाल औषधीय गुणों से भरपूर होते हैं। कदम एक विशाल और सदाबहार वृक्ष है।

इसकी सबसे खास पहचान इसके सुगंधित, गोलाकार और नरम पीले फूल हैं, जो दूर से ही अपनी मिठास भरी खुशबू फैलाते हैं। इन फूलों की सुगंध और सौंदर्य के कारण इन्हें भगवान श्रीकृष्ण का प्रिय माना जाता है। विभाग का मानना है कि कदम का वृक्ष सौंदर्य, स्वास्थ्य, औषधीय गुणों और आध्यात्मिकता का अद्भुत संगम है।

सेहत के लिए भी कदम फायदेमंद है और इसके सेवन से कई अद्भुत लाभ मिलते हैं। कदम के फूल और फल दोनों ही खाने योग्य हैं। स्थानीय परंपराओं में इसके फूलों और फलों से स्वादिष्ट चटनी व अन्य पारंपरिक व्यंजन बनाए जाते हैं। कदम में प्रचुर मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट, विटामिन और अन्य पोषक तत्व पाए जाते हैं। इसके नियमित उपयोग से पाचन तंत्र मजबूत होता है। यह पेट की समस्याओं जैसे अपच, दस्त में भी राहत देता है।

साथ ही रक्त शुद्धि होती है और त्वचा संबंधी समस्याओं में राहत मिलती है। मुंह की सेहत के लिए भी कदम फायदेमंद है। इसकी छाल से कुल्ला करने पर मसूड़ों की समस्या और मुंह की बदबू भी कम हो सकती है।

आयुर्वेद में कदम की छाल, पत्तियों और फूलों का उपयोग बुखार, मधुमेह, सूजन और तनाव कम करने जैसी समस्याओं के इलाज में किया जाता है। इसके फूलों का काढ़ा गले की खराश और खांसी में भी लाभकारी माना जाता है।

आपको रोज कितनी रोटी और कितने चावल की जरूरत? डाइटिशियन से समझ लीजिए गणित

भारतीय खानपान में रोटी और चावल का विशेष महत्व है। कुछ लोगों की थाली में चावल ज्यादा होते हैं, तो कई लोग रोटी खाना पसंद करते हैं। दोनों ही सेहत के लिए फायदेमंद होते हैं। आजकल फिटनेस को लेकर लोग जागरूक हो गए हैं और वे खानपान का विशेष ध्यान रख रहे हैं। ऐसे में अक्सर लोगों के मन में सवाल उठता है कि हमें रोज कितनी रोटी और कितने चावल खाने चाहिए। अधिकतर लोग या तो जरूरत से ज्यादा खा लेते हैं या बहुत कम खाते हैं, जिससे वजन बढ़ना, कमजोरी या पोषण की कमी जैसी समस्याएं होने लगती हैं। ऐसे में सही मात्रा समझना बेहद जरूरी है।

नोएडा के डाइट मंत्रा क्लीनिक की डाइटिशियन कामिनी सिन्हा ने ह्द्द2ह्य18 को बताया कि एक स्वस्थ वयस्क को एक दिन में 6 से 8 रोटियां खानी चाहिए। इससे शरीर को जरूरी कार्बोहाइड्रेट मिलता है। अगर आप चावल खाते हैं, तो एक कटोरी पके हुए चावल को लगभग 2 रोटियों के बराबर माना जाता है। अगर आप 4 रोटी खाते हैं, तो उसके साथ एक कटोरी चावल खा सकते हैं। इससे शरीर को जरूरी पोषक तत्व मिल जाएंगे। यह संतुलन इसलिए जरूरी है, ताकि शरीर को पर्याप्त एनर्जी मिले, लेकिन कार्ब्स की मात्रा कंट्रोल में रहे।

जरूरत से ज्यादा कार्ब्स का सेवन करना भी नुकसानदायक होता है।

डाइटिशियन के मुताबिक, अगर आपका काम ज्यादा शारीरिक मेहनत वाला है, तो आपको थोड़ी ज्यादा कैलोरी की जरूरत होती है। ऐसे में आप एक दिन में 8 से 10 रोटियां खा सकते हैं। इसके अलावा, 2 कटोरी चावल का भी सेवन कर सकते हैं।

अच्छी सेहत के लिए सिर्फ रोटी और चावल पर निर्भर रहना सही नहीं है। इनके साथ प्रोटीन से भरपूर फूड्स, सब्जियां और सलाद लेना बहुत जरूरी है। दाल, पनीर, अंडा या दही जैसे प्रोटीन सोर्स शरीर के लिए संतुलन बनाए रखते हैं। अगर प्लेट में कार्ब्स के साथ पर्याप्त प्रोटीन और फाइबर शामिल हो, तो पाचन बेहतर रहता है और भूख भी लंबे समय तक कंट्रोल रहती है।

एक्सपर्ट की मानें तो खाने का समय और तरीका भी मायने रखता है। रात में हल्का भोजन करना बेहतर माना जाता है, इसलिए रात के खाने में रोटी या चावल की मात्रा दिन की तुलना में कम रखनी चाहिए। दिन में शरीर ज्यादा एक्टिव रहता है, इसलिए ज्यादा मात्रा ली जा सकती है।

धीरे-धीरे और अच्छी तरह चबाकर खाना भी पाचन के लिए बेहद जरूरी है। हालांकि, रोटी और चावल की सही मात्रा का कोई सटीक फॉर्मूला नहीं है, लेकिन संतुलन ही सबसे बड़ा नियम है। अपने शरीर की जरूरत को समझकर और लाइफस्टाइल के अनुसार रोटी और चावल का सेवन करना ही सबसे अच्छा है।

नारियल पानी 1ह्य गन्ने का रस: गर्मी में कौन है असली हाइड्रेशन किंग और किससे मिलेगी ज्यादा ताजगी और ताकत?

गर्मी शुरू होते ही शरीर जैसे खुद ही ठंडक की तलाश में लग जाता है। सड़क किनारे गन्ने के रस की मशीन हो या ठेले पर रखे ताजे नारियल—दोनों ही विकल्प हमें बार-बार अपनी तरफ खींचते हैं, लेकिन सवाल वही रहता है, आखिर इनमें से कौन सा पेय सच में शरीर को ज्यादा ठंडा और हाइड्रेट करता है? कई लोग स्वाद के आधार पर चुनाव करते हैं, तो कुछ लोग सेहत को ध्यान में रखते हैं। अगर आप भी कन्फ्यूज हैं कि इस गर्मी में क्या पीना ज्यादा फायदेमंद रहेगा, तो यह तुलना आपको एक साफ जवाब देने में मदद करेगी। यहां हम दोनों ड्रिंक्स के फायदे, असर और सही इस्तेमाल को आसान भाषा में समझेंगे।

नारियल पानी: हल्का, ताज़ा और हाइड्रेशन का मास्टर

नारियल पानी को अक्सर नेचुरल एनर्जी ड्रिंक कहा जाता है। इसमें पोटैशियम, सोडियम और मैग्नीशियम जैसे इलेक्ट्रोलाइट्स होते हैं, जो शरीर में पानी की कमी को जल्दी पूरा करते हैं। यही वजह है कि डॉक्टर भी डिहाइड्रेशन में इसे पीने की सलाह देते हैं।

क्यों है खास?

नारियल पानी पेट पर हल्का होता है और ज्यादा मीठा भी नहीं होता। इसलिए इसे पीने के बाद भारीपन महसूस नहीं होता। खासकर जब तेज धूप में बाहर से घर लौटते हैं, तो एक गिलास नारियल पानी शरीर को तुरंत राहत देता है। कई लोग वर्कआउट के बाद भी इसे पीना पसंद करते हैं, क्योंकि यह शरीर को जल्दी रिकवर करने में मदद करता है।

कब पीना बेहतर?

सुबह खाली पेट या दिन में किसी भी समय नारियल पानी पी सकते हैं। यह उन लोगों के लिए भी अच्छा है जिन्हें ज्यादा मीठा या शुगर से बचना होता है।

गन्ने का रस: तुरंत एनर्जी का देसी फॉर्मूला

गन्ने का रस गर्मियों में सबसे ज्यादा बिकने वाला ड्रिंक है। इसका मीठा स्वाद और ठंडा असर लोगों को तुरंत आकर्षित करता है। इसमें नेचुरल शुगर होती है, जो शरीर को झट से एनर्जी देती है।

क्या हैं इसके फायदे?

गन्ने का रस पीने से थकान तुरंत दूर हो जाती है। अगर आप लंबे समय तक धूप में रहे हैं या बहुत ज्यादा काम किया है, तो यह ड्रिंक आपको तुरंत ताकत देता है। इसमें कुछ मात्रा में फाइबर और मिनरल्स भी होते हैं, जो पाचन में मदद करते हैं।

कब पीना सही?

दोपहर के समय या जब आपको जल्दी एनर्जी चाहिए, तब गन्ने का रस अच्छा विकल्प है। हालांकि, ज्यादा मात्रा में पीने से शुगर का लेवल बढ़ सकता है, इसलिए संतुलन जरूरी है।

कौन ज्यादा हाइड्रेट करता है?

अगर बात सिर्फ हाइड्रेशन की हो, तो नारियल पानी आगे निकल जाता है। इसमें मौजूद इलेक्ट्रोलाइट्स शरीर को जल्दी हाइड्रेट करते हैं और पानी की कमी को संतुलित रखते हैं।

कौन देता है ज्यादा ठंडक?

दोनों ही ड्रिंक्स ठंडक देते हैं, लेकिन नारियल पानी ज्यादा हल्का और फ्रेश फील देता है। वहीं, गन्ने का रस थोड़ा भारी हो सकता है, खासकर ज्यादा पीने पर।

एनर्जी के मामले में कौन आगे?

यहां गन्ने का रस जीतता है। इसमें मौजूद नेचुरल शुगर तुरंत एनर्जी देती है, जो नारियल पानी में कम होती है।

रोजमर्रा की जिंदगी से एक उदाहरण

मान लीजिए आप दोपहर में बाजार से लौटे हैं और बहुत थक गए हैं—ऐसे में गन्ने का रस आपको तुरंत राहत देगा। वहीं, अगर आप पूरे दिन घर से बाहर हैं और बार-बार प्यास लग रही है, तो नारियल पानी ज्यादा बेहतर रहेगा।

भारत में मुंह के कैंसर का संकट: हर घंटे 5 मौतें, जागरूकता के बावजूद पुरुषों में क्यों बढ़ रहे हैं मामले

भारत में मुंह के कैंसर के खिलाफ पहला आधिकारिक अभियान 1975 में राष्ट्रीय कैंसर नियंत्रण कार्यक्रम के तहत शुरू हुआ था। 2000 के दशक में केबल टीवी नेटवर्क विनियमन अधिनियम के तहत सिगरेट और धूम्रपान के विज्ञापनों पर रोक लगा दी गई। 2023 में ओटीटी मंचों पर भी तंबाकू विरोधी चेतावनियां अनिवार्य कर दी गईं, जिन्हें छोड़ा नहीं जा सकता।

इसके बावजूद, भारत में पुरुषों के बीच मुंह के कैंसर के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। हर घंटे लगभग 5 लोगों की मौत हो रही है, जो सालाना करीब 48,000 से 52,000 मौतों के बराबर है।

भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद के एक हालिया अध्ययन के अनुसार, भारत में

पुरुषों में मुंह के कैंसर के मामलों में प्रति वर्ष 1.20 प्रतिशत की वृद्धि हो रही है और कुल मामलों की संख्या लगभग 1,13,000 है। चीन, कनाडा और अमेरिका जैसे देशों में भी इसी तरह की बढ़ती प्रवृत्ति देखी गई है।

मुंह के कैंसर के प्रमुख कारण

मुंह के कैंसर का सबसे बड़ा कारण तंबाकू का सेवन है, जो लगभग 80 प्रतिशत मामलों के लिए जिम्मेदार है, खासकर 40 वर्ष से अधिक आयु के पुरुषों में।

सबसे बड़ा जोखिम बिना धुएं वाले तंबाकू उत्पादों जैसे गुटखा, खैनी और पान से है। धूम्रपान और शराब के साथ इनका सेवन करने से खतरा और बढ़ जाता है।

इसके अलावा कुछ अन्य कारण भी हैं:

मुंह की साफ-सफाई का अभाव
लंबे समय तक मुंह में जलन या घाव
कुपोषण
बीमारी का देर से पता चलना

मानव पेपिलोमा विषाणु का बढ़ता खतरा

बदलती जीवनशैली और यौन व्यवहार के कारण एक नया जोखिम भी सामने आया है—मानव पेपिलोमा विषाणु, विशेषकर एचपीवी-16। यह एक यौन संचारित संक्रमण है, जो अब मुंह और गले के कैंसर से भी जुड़ा पाया जा रहा है, यहां तक कि उन लोगों में भी जो तंबाकू का सेवन नहीं करते।

दो दशक पहले मुंह के कैंसर के 10 प्रतिशत से भी कम मामले एचपीवी से जुड़े थे, लेकिन अब यह संख्या बढ़ रही है।

गुटखा और तंबाकू क्यों हैं सबसे खतरनाक

गुटखा में सुपारी, तंबाकू और चूने का मिश्रण होता है, जो मुंह की अंदरूनी परत को नुकसान पहुंचाता है।

पीरियड्स में पेट की ऐंठन और सूजन को दूर करने में कारगर यह 'चाय'

नई दिल्ली। पीरियड्स के दौरान कई महिलाएं पेट की ऐंठन, सूजन, गैस और भारीपन की शिकायत करती हैं। ऐसी स्थिति में एक चाय है, जो इससे राहत देने में बेहतरीन घरेलू उपाय साबित हो सकती है। यह न सिर्फ स्वादिष्ट बल्कि पेट की परेशानियों को शांत करने में बेहद कारगर भी है।

पीरियड्स के दौरान होने वाली पेट की ऐंठन और सूजन हो या ऑफिस की थकान इन समस्याओं से तुरंत राहत दिलाने में सौंफ की चाय बेहद कारगर साबित होती है। यह स्वादिष्ट और सेहतमंद चाय न सिर्फ पाचन तंत्र को मजबूत बनाती है, बल्कि महिलाओं को आराम भी पहुंचाती है। सौंफ के सूखे बीजों से तैयार की जाने वाली यह चाय मुलेठी जैसा हल्का मीठा स्वाद देती है।

सौंफ पाचन का प्राकृतिक सहायक मानी जाती है। इसमें मौजूद विशेष तत्व गैस, ब्लोटिंग (पेट फूलना) और पेट की ऐंठन को कम करते हैं। खासकर पीरियड्स के समय महिलाओं को जो पेट में दर्द, सूजन और भारीपन महसूस होता है, उसमें सौंफ की चाय पीने से काफी आराम मिलता है। यह पाचन क्रिया को सुचारू रखती है और आंतों को शांत करती है।

नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेद के अनुसार, सौंफ में एंटीऑक्सीडेंट, एंटीबैक्टीरियल और दर्द निवारक गुण होते हैं। यह पित्त दोष को संतुलित करती है, सूजन घटाती है और शरीर से अतिरिक्त पानी निकालने में मदद करती है। नियमित सेवन से पाचन संबंधी समस्याएं जैसे अपच, कब्ज और गैस में स्थायी सुधार आता है। साथ ही थकान कम होती है और मन तरोताजा रहता है।

सौंफ की चाय के सेवन से अन्य फायदे भी मिलते हैं जैसे हार्मोन बैलेंस में सहायक, वजन नियंत्रण में मददगार, त्वचा की चमक बढ़ाती है और सांस की तकलीफ में भी राहत देती है।

सौंफ की चाय बनाने का तरीका भी आसान है। इसके लिए एक कप पानी में एक चम्मच सौंफ के बीज डालकर 5 से 10 मिनट तक उबालें। फिर छानकर गर्म-गर्म पीएं। स्वाद बढ़ाने के लिए थोड़ा शहद मिला सकते हैं। भोजन के बाद या जब भी पेट में असहजता हो, इसे पीना सबसे अच्छा होता है।

सौंफ की चाय एक सस्ता, आसान और प्रभावी घरेलू उपाय है। पीरियड्स के दौरान या रोजाना एक-दो कप इस चाय का सेवन करके पेट की कई परेशानियों से छुटकारा पाया जा सकता है। हालांकि, सावधानियां भी जरूरी है। सौंफ की चाय सामान्य मात्रा में पीना सुरक्षित है, लेकिन अधिक मात्रा से बचें। गर्भवती महिलाएं इसे पीने से पहले डॉक्टर से सलाह जरूर लें। अगर कोई गंभीर स्वास्थ्य समस्या है तो चिकित्सकीय परामर्श के बाद ही नियमित रूप से लें।

खुद की काबिलियत पर भरोसा करें महिलाएं, मेहनत से मिलती है कामयाबी : हुमा कुरैशी

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री हुमा कुरैशी इन दिनों कान्स फिल्म फेस्टिवल में अपना जलवा बिखेर रही हैं। मंगलवार को अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर अपना नया लुक शेयर किया, जिसके साथ उन्होंने आज की भारतीय महिला की पहचान को लेकर एक बेहद दिलचस्प और दिल छू लेने वाली बात कही है। हुमा ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर इस लेटेस्ट लुक की कुछ तस्वीरें पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में वे ब्लैक कलर के खूबसूरत वनपीस आउटफिट में नजर आ रही हैं। अपनी इस पोस्ट में उन्होंने लिखा, 'मेरे लिए एक आधुनिक भारतीय महिला होने का मतलब परफेक्ट होना नहीं है, बल्कि अपनी जड़ों (संस्कृति) को छोड़े बिना अपनी मेहनत के दम पर दुनिया में धीरे-धीरे आगे बढ़ना है। खुद को बदले बिना दुनिया में अपनी एक अलग और नई पहचान बनाना ही सबसे बड़ी खूबी है।'

हुमा ने महिलाओं का हौसला बढ़ाते हुए लिखा, 'जीवन में मुश्किलों से डरने के बजाय उन्हें अपनी असली ताकत बनाना चाहिए। अपने सपनों को खुलकर और खूबसूरती से जीना जरूरी है। जब आप किसी ऊंचे मुकाम पर पहुंचें, तो आपके मन में यह पक्का विश्वास होना चाहिए कि आप यहां सिर्फ अपनी किस्मत के भरोसे नहीं, बल्कि अपनी कड़ी मेहनत के दम पर पहुंची हैं। अभिनेत्री ने आखिर में लिखा कि हर महिला को हमेशा पूरी सच्चाई और आत्मविश्वास के साथ अपनी जिंदगी जीनी चाहिए। उन्होंने लिखा, 'जिंदगी में जब भी कोई नया मोड़ आए, तो उसे अपनी सकारात्मकता से खास बना देना चाहिए। फिर मिलेंगे कान्स में।'

अभिनेत्री हुमा कुरैशी जल्द ही 'टॉक्सिक : ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स' में नजर आएंगी। यश की इस बहुचर्चित पीरियड गैंगस्टर ड्रामा फिल्म में अभिनेत्री 'एलिजाबेथ' का किरदार निभा रही हैं। गीतु मोहनदास के निर्देशन में बन रही इस फिल्म में उनका लुक बेहद रहस्यमयी और शाही है। यह फिल्म 1940 से 1970 के दशक के बीच के गोवा पर आधारित एक डार्क गैंगस्टर ड्रामा है। इसमें क्राइम सिंडिकेट, ड्रग तस्करी और सत्ता की लड़ाई दिखाई जाएगी। फिल्म में यश के साथ कियारा आडवाणी, नयनतारा, हुमा कुरैशी, तारा सुतारिया और रुक्मणी वसंत भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं।

एंजेलिना जोली की बेटी जहरा ने हटाया पिता ब्रैड पिट का सरनेम, सोशल मीडिया पर चर्चा तेज

लॉस एंजेलिस। हॉलीवुड की चर्चित अभिनेत्री एंजेलिना जोली और अभिनेता ब्रैड पिट की बेटी जहरा मार्ले जोली एक बार फिर सुर्खियों में हैं। दरअसल, जहरा ने अपने नाम से पिता ब्रैड पिट का सरनेम हटा दिया। इस खबर के बाद सोशल मीडिया पर उनको लेकर काफी चर्चा हो रही है।

दरअसल, जहरा ने हाल ही में साइकोलॉजी सबजेक्ट में बैचलर ऑफ आर्ट्स की डिग्री हासिल की। कॉलेज के ग्रेजुएशन सेरेमनी में जब वह डिग्री लेने के लिए स्टेज पर पहुंचीं, तो उनका नाम 'जहरा मार्ले जोली' पढ़ा गया। हालांकि, कॉलेज में आधिकारिक रूप में उनका पूरा नाम 'जहरा मार्ले जोली-पिट' लिखा हुआ था, लेकिन स्टेज पर उनके नाम से 'पिट' हटाए जाने को वहां मौजूद लोगों ने नोटिस किया।

नवंबर 2023 में जब जहरा एक छात्र संगठन 'अल्फा कप्पा अल्फा सोरोरिटी' में शामिल हुई थीं, तब भी उन्होंने अपना इंट्रोडक्शन 'जहरा मार्ले जोली' कहकर दिया था। उस समय भी लोगों ने नोटिस किया था कि उन्होंने अपने पिता का सरनेम इस्तेमाल नहीं किया। अब ग्रेजुएशन सेरेमनी में भी ऐसा ही होने के बाद यह चर्चा और तेज हो गई है।

अप्रैल महीने में जहरा एक खास कार्यक्रम में भी नजर आई थीं, जहां उन्होंने अपनी मां एंजेलिना जोली के साथ अपने रिश्ते पर खुलकर बात की थी। यह कार्यक्रम मां और बेटी के रिश्तों को समर्पित था। इस दौरान जहरा ने कहा था, ''मैं और मेरी मां के बीच आपसी समझ बेहद खास है। मेरी जिंदगी में मां की भूमिका बहुत बड़ी रही है। उन्होंने हमेशा मुझे प्यार, दया और दूसरों की मदद करने की सीख दी।

जहरा ने आगे बताया था कि जब मैं सिर्फ छह महीने की थी, तब मुझे गोद लिया गया था। मुझे एक ऐसा परिवार मिला, जिसने हमेशा मुझे अपनापन और प्यार दिया। मां ने मुझे बचपन से सिखाया कि जिंदगी में अच्छा इंसान बनना सबसे जरूरी है। आज की दुनिया में जहां लोग अक्सर दूसरों की मदद करने से बचते हैं, वहां मां ने मुझे इंसानियत की अहमियत समझाई।

उन्होंने मां एंजेलिना जोली की तारीफ करते हुए कहा, ''वह निस्वार्थ, समझदार और प्यार करने वाली महिला हैं।

शिवालिका ओबेरॉय-अभिषेक पाठक ने रिवील किया बेटी का नाम, बताया 'आरिका' के रूप में घर आई लक्ष्मी

मुंबई। अभिनेत्री शिवालिका ओबेरॉय और उनके पति फिल्म निर्माता अभिषेक पाठक इन दिनों बेटी के घर आगमन की खुशियां मना रहे हैं।

मंगलवार को कपल ने सोशल मीडिया के जरिए बेटी के नाम की जानकारी दी। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं। इनमें शिवालिका और उनके पति अभिषेक पाठक बेटी को गोद में थामे नजर आ रहे हैं। माता-पिता बनने की खुशी दोनों के चेहरे पर साफ देखी जा सकती है।

शिवालिका ने तस्वीरें पोस्ट कर लिखा, 'हमारी जिंदगी की सबसे प्यारी खुशी से मिलिए, जिसका नाम है 'आरिका पाठक'। आरिका नाम का मतलब बेहद खास है। इस नाम में साक्षात माता लक्ष्मी का आशीर्वाद छिपा हुआ है, जो दुनिया में प्यार, खुशहाली, समृद्धि और सुंदरता की प्रतीक मानी जाती हैं।'

अभिनेत्री ने बताया कि उनकी बेटी का जन्म इसी साल 19 अप्रैल को अक्षय तृतीया के पावन दिन पर हुआ था। अभिनेत्री ने बेटी को ईश्वर का आशीर्वाद बताते हुए लिखा, 'अक्षय तृतीया के पवित्र दिन आरिका हमारी जिंदगी में आई। यह सब कुछ भगवान की एक बेहद खूबसूरत योजना की तरह लगता है। वह हमारी हर दुआ और हमारे हर सपने से भी बढ़कर है। हम दिल से ईश्वर के शुक्रगुजार हैं, बहुत खुश हैं और एक बार फिर पूरी तरह से प्यार में डूबे हुए हैं।'

बता दें कि कपल ने दिसंबर 2025 में प्रेगनेंसी की जानकारी दी थी।

'पेट्रोल का सीन टाइट है', ईंधन बचाने के लिए सुनील शेट्टी ने अपनाया 'वेलकम टू द जंगल' स्टाइल

मुंबई। देश में ईंधन और प्राकृतिक संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील पर बॉलीवुड अभिनेता सुनील शेट्टी ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। मंगलवार को अभिनेता ने बेहद दिलचस्प और अनूठे अंदाज में इस पर अपनी राय साझा की, जो सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बनी हुई है।

अभिनेता ने इंस्टाग्राम पर अपनी आगामी फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' का एक क्लिप शेयर किया है। इस क्लिप में वह और उनके को-स्टार अक्षय कुमार घुड़सवारी करते नजर आ रहे हैं। वीडियो के बैकग्राउंड में फिल्म का टाइटल ट्रैक इस्तेमाल किया गया है, जो इसे और भी शानदार बना रहा है।

अभिनेता ने वीडियो पोस्ट कर लिखा, 'पेट्रोल का सीन टाइट है। तो हमने घुड़सवारी चुन ली। अब असली, जंगली और मजेदार सफर शुरू होने वाला है।'

सुनील शेट्टी की पोस्ट को काफी पसंद किया जा रहा है। अभिनेता परितोष त्रिपाठी समेत कई कलाकारों ने कमेंट सेक्शन में अपनी प्रतिक्रिया दी।

अहमद खान द्वारा निर्देशित फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' नए और पुराने कलाकारों के साथ फिर से धमाल मचाने को तैयार है। कुछ समय पहले फिल्म का टीजर जारी किया गया था, जिसमें पुरानी 'वेलकम' फिल्मों का नॉस्टेल्जिया और नया पागलपन देखने को मिला। इसी टीजर में सुनील शेट्टी और अक्षय कुमार की घुड़सवारी वाला सीन भी शामिल है।

फिल्म में कॉमेडी के साथ फौजी और युद्ध का एंगल भी देखने को मिलेगा। कहानी को कुछ इस तरह पेश किया जाएगा कि इसमें किरदारों को नकली फिल्म की शूटिंग के लिए असली जंगल में भेजा जाता है, जिसके बाद मजेदार और पागलपन भरी परिस्थितियां पैदा होती हैं। पहले की तरह इस फिल्म में भी एक बहुत बड़ी स्टार कास्ट है, जिसमें अक्षय कुमार के साथ सुनील शेट्टी, परेश रावल, राजपाल यादव, जॉनी लीवर, जैकलीन फर्नांडिस, दिशा पाटनी, कृष्णा अभिषेक, तुषार कपूर, जैकी श्रॉफ, अरशद वारसी और रवीना टंडन समेत कई कलाकार नजर आएंगे। यह 'वेलकम' फ्रेंचाइजी की तीसरी किस्त है, जो 26 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए पूरी तरह तैयार है।

सुर्खियों में बने रहने के लिए कुछ भी कर रहे एक्टर्स, काम से पहचान बनाएं, पीआर से नहीं : मीनाक्षी शेषाद्रि

मुंबई। अभिनेत्री मीनाक्षी शेषाद्रि ने मौजूदा दौर में एक्टर्स के अपनाए जा रहे पब्लिसिटी स्टंट को लेकर अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि कई एक्टर्स वास्तविक काम करने के बजाय सिर्फ अतरंगी कपड़ों को लेकर और पीआर की वजह से सुर्खियों में बने रहना पसंद करते हैं।

मीडिया से बातचीत में मीनाक्षी शेषाद्रि ने कहा, 'आपने फिल्म 'द डर्टी पिक्चर' देखी होगी, जिसमें कहा गया था कि यहां सिर्फ एंटरटेनमेंट चलता है। कुछ लोग बिना कोई काम किए, सिर्फ मीडिया और पब्लिसिटी के जरिए खबरें बनाते हैं। मैं उनमें से नहीं हूं। मुझे पसंद है कि मेरा काम खुद मेरी पहचान बनाए।'

अभिनेत्री ने अंग्रेजी कहावत 'सफलता जैसी कोई सफलता नहीं' का हवाला देते हुए बताया, 'सफलता हासिल करने का सबसे सही तरीका अच्छा काम करना है, इसलिए पहला लक्ष्य काम और कला के जरिए सफलता हासिल करना होना चाहिए। उसके बाद सारी सीढ़ियां और दरवाजे अपने आप खुल जाते हैं।'

इंडस्ट्री में पीआर गेम के साथ ही ट्रोलिंग कल्चर पर हाल ही में अभिनेत्री अमीषा पटेल भी अपनी राय रखती नजर आईं थीं। अपने हालिया सोशल मीडिया पोस्ट पर उन्होंने कहा था कि भारत में अपने ही लोग एक्टर्स को हॉलीवुड सितारों से भी ज्यादा बुरी तरह ट्रोल करते हैं, जो बेहद दुखद और शर्मनाक है।

अमीषा ने एक्स पर लिखा था कि भारतीय मानसिकता अब दूसरों को नीचे गिराने वाली हो गई है। उन्होंने बड़े इवेंट्स में अभिनेत्रियों के लुक और पहनावे को लेकर फैल रही नकारात्मकता पर भी नाराजगी जताई थी।

इसके अलावा, अमीषा ने यंग एक्टर्स पर तंज कसते हुए कहा था कि जिन्होंने कभी 200 करोड़ क्लब की फिल्म तक नहीं दी है, वे पीआर टीम को पैसे देकर खुद को नंबर 1 बता रही हैं। उन्होंने अपनी उपलब्धियों का जिक्र करते हुए कहा था कि उन्होंने 'कहो ना प्यार है', 'गदर' और 'गदर 2' जैसी बड़ी ब्लॉकबस्टर फिल्में दी हैं, लेकिन उनकी पीआर मशीनरी फर्जी नहीं होने के कारण कमजोर है।

भारी बजट या बड़े सितारे नहीं, डायरेक्टर का विजन बनाता है फिल्म को हिट : सुभाष घई

मुंबई। सुभाष घई ने हिंदी सिनेमा में एक-से-बढ़कर फिल्में देकर अपना नाम बेहतरीन निर्देशकों में स्थापित किया। मंगलवार को निर्देशक ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए इंडस्ट्री के बदलते माहौल पर विचार व्यक्त किए।

इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर शेयर कर निर्देशक ने लिखा, 'बड़े पर्दे पर दिखने वाले सिनेमा की असली ताकत सिर्फ और सिर्फ डायरेक्टर की सोच, उसकी कल्पना और उसके विजन में होती है। यह फिल्म इंडस्ट्री का पुराना और वास्तविक सत्य है, जिसे शायद बदला नहीं जा सकता।'

सुभाष घई ने आज के दौर की फिल्मों पर चिंता व्यक्त करते हुए लिखा, 'आजकल हम फिल्म बनाने की कला को बहुत जल्दी भूलते जा रहे हैं। हम सिर्फ पैसे और स्टार पावर के पीछे भाग रहे हैं। यही कारण है कि आज फिल्मों को इसके बुरे नतीजे भी भुगतने पड़ रहे हैं।'

निर्देशक ने समझाते हुए कहा कि केवल भारी बजट या बड़े सितारों के दम पर अच्छी फिल्में नहीं बनाई जा सकतीं। किसी फिल्म की सफलता के लिए अच्छी कहानी और उसे पर्दे पर उतारने वाले कुशल निर्देशक की सबसे ज्यादा जरूरत होती है।

उन्होंने अपनी प्रोडक्शन कंपनी का जिक्र करते हुए लिखा, 'मैं और मेरी कंपनी मुक्ता आर्ट्स हमेशा से ऐसे निर्देशकों पर भरोसा करते आए हैं, जो किसी भी आम कहानी को थिएटर में दर्शकों के लिए मजेदार और यादगार बना सकें। इसलिए हमारी पहली पसंद हमेशा एक समझदार और सिनेमा की खूबसूरती को समझने वाला डायरेक्टर होगा। बाकी सब उसके बाद आता है। डायरेक्टर्स का समय फिर से वापस आ रहा है।'

भारत में आईएसआई की ड्रोन के जरिए नकली नोट भेजने की साजिश, भारतीय एजेंसियां अलर्ट

नई दिल्ली। एजेंसियों की जानकारी के अनुसार, पाकिस्तान की आईएसआई और उसके मददगार भारत में बड़े पैमाने पर नकली नोट फैलाने की कोशिश कर रहे हैं। सबसे ज्यादा चिंता के इलाके त्रिपुरा-बांग्लादेश बॉर्डर और पंजाब हैं।

बांग्लादेश बॉर्डर पर नकली नोट भारत में पहुंचाने के लिए कूरि?यर का इस्तेमाल किया जा रहा है, जबकि पंजाब में ड्रोन के जरिए यह खतरा तेजी से बढ़ रहा है।

एक अधिकारी ने बताया कि नकली भारतीय नोटों को लेकर आईएसआई ने दो तरफा रणनीति अपनाई है। एक तरफ उसका मकसद भारतीय अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचाना है, और दूसरी तरफ वह पाकिस्तान में आतंकवादी संगठनों के लिए फंड जुटाना चाहती है। अधिकारी ने कहा कि पंजाब की तुलना में भारत-बांग्लादेश बॉर्डर पर यह समस्या ज्यादा गंभीर है। इस समस्या से निपटने में नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एनआईए) सबसे आगे काम कर रही है। एनआईए बॉर्डर पर इस खतरे को रोकने के साथ-साथ पश्चिम बंगाल के अंदर भी कई मामलों की जांच कर रही है। राज्य में उसका मुख्य फोकस मालदा पर है, जहां नकली नोट छापने वाली कई यूनिट्स सामने आई हैं।

इंटेलिजेंस ब्यूरो के एक अधिकारी ने कहा कि आगे चलकर आईएसआई नकली नोट भेजने के लिए ड्रोन का ज्यादा इस्तेमाल कर सकती है। अभी तक ड्रोन के जरिए नकली नोट गिराने की लगभग सभी कोशिश नाकाम की गई हैं। हालांकि, अधिकारी ने यह भी कहा कि अभी लापरवाही बरतने का समय नहीं है, क्योंकि ये कोशिश सिर्फ 'ड्राई रन' यानी ट्रायल हो सकती हैं। ये लोग सुरक्षा व्यवस्था को समझने और उसकी कमजोरियां जानने की कोशिश कर रहे हैं।

अभी तक जो नकली नोट पकड़े गए हैं, उनकी मात्रा कम रही है। अधिकारी ने कहा कि जैसे ही ये लोग सुरक्षा तंत्र को चकमा देने में सफल हो जाएंगे, वे ड्रोन के जरिए बड़ी मात्रा में नकली नोट भेजने की कोशिश करेंगे। एक दूसरे अधिकारी ने कहा कि सबसे पहले पश्चिम बंगाल में नकली नोट छापने वाली यूनिट्स को बंद करना जरूरी है। उनका कहना था कि अगर मालदा मॉड्यूल को खत्म कर दिया जाए, तो समस्या का बड़ा हिस्सा अपने आप कम हो जाएगा। इसके बाद ध्यान उन सीमाओं पर लगाया जा सकेगा, जहां से नकली नोट भारत में तस्करी करके लाए जा रहे हैं। अधिकारियों के मुताबिक आईएसआई को पता है कि सुरक्षा एजेंसियों की नजर सबसे ज्यादा उन कूरियर पर रहती है, जो नकली नोट लेकर आते हैं।

भ्रष्टाचार मामले में पीएम नेतन्याहू 88वीं बार कोर्ट के सामने हुए पेश

तेल अवीव। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू भ्रष्टाचार मामले में मंगलवार को जिला कोर्ट में पेश हुए। अपने खिलाफ भ्रष्टाचार के मामले में चल रहे ट्रायल में यह उनकी 88वीं पेशी थी। इजरायल के चैनल 12 ने कहा कि जजों ने पीएम नेतन्याहू की सुरक्षा और राजनीतिक शेड्यूल की वजह से मंगलवार को सुनवाई का सत्र छोटा करने की मंजूरी दी।

केस 1000 और 4000 में उनसे पूछताछ पूरी होने के बाद मंगलवार का सत्र केस 2000 पर केंद्रित था। पीएम नेतन्याहू पर भ्रष्टाचार, रिश्वत और भरोसा तोड़ने के तीन मामले चल रहे हैं, जिन्हें केस 1000, 2000 और 4000 के नाम से जाना जाता है। इन मामलों में चार्जशीट नवंबर 2019 के आखिर में फाइल की गई थी।

केस 1000 में आरोप है कि नेतन्याहू और उनके परिवार के सदस्यों को अमीर बिजनेसमैन से अलग-अलग क्षेत्र में मदद और एहसान के बदले महंगे गिफ्ट मिले। केस 2000 में नेतन्याहू पर डेली अखबार येदिओथ अहरोनोथ के पब्लिशर अर्नोन मोजेस के साथ फायदेमंद मीडिया कवरेज के लिए बातचीत की थी।

केस 4000 में आरोप है कि नेतन्याहू ने सकारात्मक कवरेज के बदले में इजरायली न्यूज वेबसाइट वाले के पूर्व मालिक और टेलीकम्युनिकेशन कंपनी बेजेक के सीनियर एग्जीक्यूटिव शॉल एलोविच को रेगुलेटरी लाभ पहुंचाया।

हालांकि 2020 में अपने ट्रायल की शुरुआत के बाद से पीएम नेतन्याहू ने किसी भी आरोप को मानने से साफ इनकार कर दिया है। इसके साथ ही इजरायली प्रधानमंत्री ने इन आरोपों को उन्हें हटाने के मकसद से चलाया जा रहा राजनीतिक अभियान बताया। इजरायली कानून के तहत राष्ट्रपति तब तक माफी नहीं दे सकते, जब तक आरोपी अपनी गलती न मान ले।

संक्षिप्त खबर

23 साल के तुषार कुमार बने यूके के सबसे युवा भारतीय मूल के मेयर

लंदन। यूके में भारतीय मूल के और हरियाणा से संबंध रखने वाले 23 वर्षीय काउंसलर तुषार कुमार ने इतिहास रच दिया है। तुषार यूनाइटेड किंगडम में भारतीय मूल के सबसे युवा मेयर बन गए हैं। उन्हें एल्स्ट्री और बोरेहमवुड का मेयर नियुक्त किया गया है। तुषार कुमार को 13 मई को बोरेहमवुड के फेयरवे हॉल में आयोजित काउंसिल की मेयर-मेकिंग सेरेमनी में आधिकारिक तौर पर मेयर बनाया गया। इस कार्यक्रम में कई काउंसलर, सामाजिक नेता, कम्युनिटी संगठनों के प्रतिनिधि, स्थानीय लोग, परिवार के सदस्य और दोस्त शामिल हुए।

समारोह के बाद तुषार कुमार ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'एल्स्ट्री और बोरेहमवुड का मेयर बनना मेरे लिए बहुत बड़ा सम्मान है। 23 साल की उम्र में यूके के इतिहास में भारतीय मूल का सबसे युवा मेयर बनना अविश्वसनीय लगता है। किंग्स कॉलेज लंदन में पॉलिटिकल साइंस की पढ़ाई से लेकर अब अपने पसंदीदा शहर की सेवा करने तक का यह सफर किसी सपने जैसा लग रहा है।'

अपने भाषण में तुषार कुमार ने बताया कि जब वह 20 साल के थे और किंग्स कॉलेज लंदन में पॉलिटिकल साइंस की पढ़ाई कर रहे थे, तभी पहली बार काउंसलर चुने गए थे। 'लंदन डेली' के अनुसार, तुषार ने कहा कि इतनी कम उम्र में मेयर बनना उनके लिए खास मायने रखता है। उन्होंने उम्मीद जताई कि इससे और ज्यादा युवा लोग स्थानीय लोकतंत्र, समाज सेवा और कम्युनिटी के कामों में हिस्सा लेने के लिए प्रेरित होंगे। तुषार कुमार ने पूर्व मेयर काउंसलर डैन ओजारो का भी धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि डिप्टी मेयर रहते हुए उन्हें डैन ओजारो से काफी सहयोग और मार्गदर्शन मिला।

उन्होंने काउंसलर लिंडा स्मिथ को नए डिप्टी मेयर बनने पर बधाई भी दी और कहा कि वह उनके साथ मिलकर इलाके की सेवा करने के लिए उत्साहित हैं। तुषार कुमार ने अपने परिवार और दोस्तों का भी शुक्रिया अदा किया, जिन्होंने उनके राजनीतिक सफर में हमेशा उनका साथ दिया। आने वाले समय के लिए अपनी योजना बताते हुए उन्होंने कहा कि वह 'ऐसे मेयर बनना चाहते हैं, जो लोगों के बीच मौजूद रहें' और एल्स्ट्री और बोरेहमवुड के लोगों व स्थानीय संगठनों के साथ लगातार जुड़े रहें।

आईडब्ल्यूटी को लेकर पाकिस्तान कर रहा झूठे दावे भारत पर फोड़ रहा अपनी गलतियों का ठीकरा : रिपोर्ट

इस्लामाबाद/नई दिल्ली। पहलगाम आतंकी हमले के बाद सख्त और स्पष्ट रवैया अपनाते हुए भारत ने सिंधू जल संधि (आईडब्ल्यूटी) को अस्थायी रूप से स्थगित कर दिया था। इसके बावजूद भारत ने पश्चिमी नदियों का पानी नहीं रोका।

इसके अलावा, भारत की तरफ से पूर्वी नदियों के पानी में भी करीब 5 से 6 प्रतिशत हिस्सा तकनीकी और भंडारण सीमाओं के कारण पाकिस्तान की ओर बहता रहता है।

यूरेशिया रिव्यू की रिपोर्ट में कहा गया है कि पाकिस्तान इस मुद्दे को लेकर 'गलत दावे' कर रहा है और अपनी गलती का ठीकरा भारत पर फोड़ने की कोशिश कर रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, असल स्थिति इसके उलट है। रिपोर्ट में कहा गया है कि अंतरराष्ट्रीय जल संसाधन निगरानी करने वाली संस्थाओं ने पहले ही चेतावनी दी थी कि अगर पाकिस्तान अपनी जल प्रबंधन व्यवस्था में सुधार नहीं करता है तो 2025 तक उसे गंभीर जल संकट का सामना करना पड़ेगा। यह भी बताया गया है कि पाकिस्तान अपनी बहुत सीमित जल भंडारण क्षमता (लगभग 30 दिन) को भी बढ़ाने में असफल रहा है, जो उसकी सबसे बड़ी समस्या है। इस मुद्दे को लेकर पाकिस्तान ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में भी शिकायत दर्ज कराई थी, जिसमें भारत के फैसले को 'शांति और मानवता के लिए खतरा' बताया गया। रिपोर्ट के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय समर्थन पाने के लिए पाकिस्तान ने यह दावा भी किया कि देश में केवल 90 दिनों का ही पानी बचा है। हालांकि, रिपोर्ट ने इस दावे पर सवाल उठाते हुए कहा कि अगर स्थिति इतनी गंभीर होती, तो यह पत्र पाकिस्तान के प्रधानमंत्री की बजाय उप प्रधानमंत्री ने क्यों भेजा?

रूस और चीन के बीच संबंध अभूतपूर्व स्तर पर पहुंच चुके हैं : पुतिन

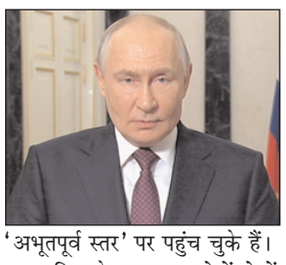

मास्को। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा है कि रूस और चीन के बीच संबंध अभूतपूर्व स्तर पर पहुंच चुके हैं और दोनों देश एक-दूसरे की संप्रभुता जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर समर्थन देने के लिए तैयार हैं। व्लादीमिर पुतिन ने बीजिंग यात्रा से पहले एक वीडियो संदेश में कहा, 'चीन दौरे को लेकर मैं बहुत प्रसन्न हूं। मेरे लंबे समय के अच्छे मित्र और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के निमंत्रण पर मैं ये यात्रा कर पा रहा हूं।'

रूसी राष्ट्रपति के अनुसार, रूस और चीन के शीर्ष स्तर पर नियमित बातचीत दोनों देशों के संबंधों को आगे बढ़ाने और उनके व्यापक सहयोग को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाती है।

उन्होंने कहा कि 25 साल पहले हुए 'अच्छे पड़ोसी और मैत्रीपूर्ण सहयोग संधि' ने दोनों देशों के बीच मजबूत रणनीतिक साझेदारी की नींव रखी थी, और आज यह संबंध एक 'अभूतपूर्व स्तर' पर पहुंच चुके हैं।

पुतिन के अनुसार, दोनों देशों के रिश्ते आपसी समझ, विश्वास और समानता पर आधारित हैं। वे एक-दूसरे के मूल हितों और संप्रभुता की सुरक्षा जैसे मुद्दों पर सहयोग करते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि रूस और चीन अपने राजनीतिक, आर्थिक और रक्षा संबंधों को लगातार मजबूत कर रहे हैं। पीपुल-टू-पीपुल कनेक्ट बढ़ रहा है और सांस्कृतिक आदान-प्रदान भी खूब हो रहा है। राष्ट्रपति पुतिन ने कहा कि दोनों देश मिलकर ऐसे कदम उठा रहे हैं जो द्विपक्षीय सहयोग को और गहरा कर उनकी आगे की राह आसान कर रहे हैं।

उप विदेश मंत्री ने संसद में अमेरिका से बातचीत पर रिपोर्ट की पेश

तेहरान। अमेरिका के दूसरे हमले को फिलहाल टाल देने की खबरों के बीच ईरान की राष्ट्रीय सुरक्षा समिति के समक्ष एक रिपोर्ट पेश की गई। उप विदेश मंत्री काजेम गरीबाबादी ने अमेरिका के साथ संघर्ष विराम को लेकर चल रही बातचीत, शर्तों और ईरान की मांगों को लेकर रिपोर्ट सौंपी।

सरकारी एजेंसी आईआरएनए के मुताबिक, रिपोर्ट में 'शांतिपूर्ण परमाणु ऊर्जा और यूरेनियम संवर्धन के अधिकार' पर विशेष जोर दिया गया। साथ ही अमेरिकी नाकेबंदी और प्रतिबंध हटाने की मांग दोहराई गई।

रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि चर्चा के दौरान ईरान से विभिन्न मोर्चों पर संघर्ष समाप्त करने, लेबनान सहित क्षेत्रीय युद्धों को खत्म करने , अमेरिका की ओर से लगाई समुद्री नाकेबंदी को हटाने, ईरान की संपत्तियों और धन वापस करने की मांग की, युद्ध से हुए नुकसान की भरपाई, सभी एकतरफा प्रतिबंधों और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रतिबंधों को समाप्त करने और ईरान के आसपास से अमेरिकी सैन्य बलों की वापसी की बात कही गई।

यह रिपोर्ट ऐसे समय में सामने आई है जब ईरान और अमेरिका के बीच तनाव और कूटनीतिक बातचीत दोनों जारी हैं। इस बीच यूएन ने भी होर्मुज को लेकर स्थिति स्पष्ट करने पर जोर दिया है।

यूएन के अनुसार, 'होर्मुज में आवाजाही पर कोई रोक नहीं होनी चाहिए।' संयुक्त राष्ट्र के प्रवक्ता फरहान हक ने कहा, 'हम नहीं चाहते कि कोई संस्था होर्मुज स्ट्रेट में आवाजाही की स्वतंत्रता को सीमा में बांध दे।' उन्होंने कहा कि यूएन चाहता है कि समुद्र और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में नौवहन की स्वतंत्रता बनी रहे।

बलूचिस्तान में बढ़ रहे मानवाधिकार उल्लंघन के मामले मार्च में 29 गैर-न्यायिक हत्याएं और 56 लोग लापता

क्वेटा। पाकिस्तान के बलूचिस्तान में बढ़ते मानवाधिकार उल्लंघनों को लेकर एक प्रमुख मानवाधिकार संगठन ने चिंता जताई है। संगठन ने कहा कि वहां पाकिस्तानी सुरक्षा बलों की ओर से जबरन लोगों को गायब करना, यातनाएं देना और गैर-न्यायिक हत्या करना लगातार जारी है।

अपनी रिपोर्ट में बलूच नेशनल मूवमेंट के मानवाधिकार विभाग 'पांक' ने बताया कि इस साल मार्च महीने में पूरे बलूचिस्तान में 29 लोगों की गैर न्यायिक हत?या के मामले सामने आए। संगठन ने कहा कि ये घटनाएं 'बेकाबू सरकारी ताकत के खतरनाक परिणामों' को दिखाती हैं।

इसके अलावा, 56 लोगों के जबरन लापता किए जाने के मामले भी दर्ज किए गए, जिससे साफ होता है कि आम नागरिकों को व्यवस्थित तरीके से निशाना बनाया जा रहा है। पांक ने कहा कि? मार्च 2026 में सामने आए मामलों से यह साफ दिखता है कि राज्य की ओर से दमन, मनमानी गिरफ्तारियां, शारीरिक और मानसिक यातनाएं और गैरकानूनी हत्याएं लगातार हो रही हैं। पाकिस्तानी सुरक्षा बलों की ओर से किए जा रहे ये अत्याचार बलूचिस्तान में डर और जवाबदेही की कमी वाला माहौल बना रहे हैं। संगठन ने अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संस्थाओं, संयुक्त राष्ट्र और सिविल सोसायटी से अपील की कि वे बलूचिस्तान में बिगड़ते हालात पर तुरंत ध्यान दें और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई करें, साथ ही न्याय और आम लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए दबाव बनाएं। इसी बीच, मानवाधिकार संगठन बलूच यकजेहती कमेटी (बीवाईसी) ने शिक्षाविद गमखार हयात की हत्या की कड़ी निंदा की है। संगठन ने इसे 'ज्ञान, लेखनी और जागरूकता' को दबाने की कोशिश बताया।

ओस्लो में प्रधानमंत्री मोदी से मिलीं डेनमार्क की पीएम, द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने पर हुई चर्चा

ओस्लो। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को नॉर्वे की राजधानी ओस्लो में डेनमार्क की प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिक्सन से मुलाकात की। इस दौरान दोनों ने द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने पर चर्चा की।

बैठक में विदेश मंत्री एस. जयशंकर, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल, विदेश सचिव विक्रम मिस्री और विदेश मंत्रालय के सचिव (पश्चिम) सीबी जॉर्ज सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। प्रधानमंत्री मोदी और मेटे फ्रेडरिक्सन के बीच इससे पहले सितंबर में पिछले साल टेलीफोन पर बातचीत हुई थी, जिसमें दोनों ने 'ग्रीन स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप' को और मजबूत करने की प्रतिबद्धता दोहराई थी। इसी दिन प्रधानमंत्री मोदी ने ओस्लो में आइसलैंड की प्रधानमंत्री क्रिस्ट्रुन फ्रॉस्टाडोटिर से भी मुलाकात की। इसके अलावा, उन्होंने फिनलैंड के प्रधानमंत्री पेटेरी ओर्पो से भी बातचीत की, जो तीसरे भारत-नॉर्डिक शिखर सम्मेलन से पहले हुई। विदेश मंत्रालय ने बताया कि यह शिखर सम्मेलन 2018 (स्टॉकहोम) और 2022 (कोपेनहेगन) में हुए पिछले सम्मेलनों की उपलब्धियों को आगे बढ़ाता है।

ग्लोबल पावर बनने की ओर बढ़ रहे भारत को अब वैश्विक जिम्मेदारियां भी निभानी होंगी : अमेरिकी कांग्रेसमैन

वाशिंगटन। अमेरिकी कांग्रेसमैन रो खन्ना ने कहा कि भारत अब दुनिया में एक बड़ी ताकत बन रहा है, इसलिए उसे सिर्फ आर्थिक और रणनीतिक ताकत बढ़ाने तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि अंतरराष्ट्रीय मामलों में भी बड़ी जिम्मेदारी निभानी चाहिए।

अमेरिका-भारत फ्रेंडशिप कार्डसिल की ओर से आयोजित कैपिटल हिल समिट 2026 में बोलते हुए खन्ना ने कहा कि दुनिया में भारत का बढ़ता प्रभाव अब उससे ज्यादा जिम्मेदारी की उम्मीद करता है।

डिफेंस, टेक्नोलॉजी और एनर्जी सहयोग पर हुई एक चर्चा के दौरान खन्ना ने कहा, 'भारत को तय करना होगा कि वह दुनिया में नेतृत्व की इस नई जगह पर खुद को किस रूप में देखना चाहता है। अगर आप विश्व शक्त बनना चाहते हैं, तो जिम्मेदारियों से पीछे नहीं हट सकते।' खन्ना ने खास तौर पर यूक्रेन युद्ध का जिक्र करते हुए कहा कि भारत इस संघर्ष को खत्म कराने में अहम भूमिका निभा सकता है, क्योंकि उसके रूस के साथ लंबे समय से अच्छे संबंध रहे हैं। उन्होंने कहा, 'मैंने भारत में भी और यहां अमेरिका में भी खुलकर कहा है कि भारत यूक्रेन युद्ध खत्म कराने में रचनात्मक भूमिका निभा सकता है। रूस के साथ उसके संवाद के रास्ते खुले हुए हैं।' खन्ना ने कहा कि पहले भारत गुटनिरपेक्ष यानी किसी एक पक्ष के साथ खुलकर न खड़े होने की नीति अपनाता था, लेकिन आज की दुनिया में भारत को बड़े अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर ज्यादा साफ रुख लेना होगा।

उन्होंने कहा कि भारत की अपनी महत्वाकांक्षाएं हैं। यह दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है। अब उसे तय करना होगा कि वह क्या बनना चाहता है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन के दौरान टैरिफ और व्यापार नीतियों को लेकर हाल में कुछ तनाव जरूर रहे हैं, लेकिन खन्ना ने कहा कि अमेरिका और भारत के रिश्तों की बुनियादी रणनीतिक सोच अब भी मजबूत है।

हरित हाइड्रोजन उत्पादन में 50 प्रतिशत की वृद्धि, आईआईटी ने विकसित की नई तकनीक

नई दिल्ली। भारत ने एक ऐसी नई तकनीक विकसित की है, जिससे सूरज की रोशनी की मदद से बनने वाले हरित हाइड्रोजन का उत्पादन पहले से कहीं ज्यादा अधिक व प्रभावी हो सकता है। शोधकर्ताओं का दावा है कि इस नई तकनीक से हाइड्रोजन उत्पादन में 50 प्रतिशत से अधिक बढ़ोतरी दर्ज की गई है। यह रिसर्च आईआईटी गुवाहाटी में की गई है। दरअसल हरित हाइड्रोजन को भविष्य का स्वच्छ ईंधन माना जा रहा है, क्योंकि इसे बनाने में प्रदूषण नहीं होता।

सामान्य तौर पर हाइड्रोजन उत्पादन में ग्रीनहाउस गैसें निकलती हैं, लेकिन हरित हाइड्रोजन सूर्य की रोशनी से पानी को हाइड्रोजन और ऑक्सीजन में अलग करके तैयार किया जाता है। हालांकि, इस प्रक्रिया में भी दो बड़ी समस्याएं सामने आती थीं। पहली, इलेक्ट्रोड पर लगी उत्प्रेरक परत समय के साथ कमजोर होकर अलग होने लगती थी। दूसरी, गैस के बुलबुले सतह पर चिपक जाते थे, जिससे उत्पादन की गति धीमी हो जाती थी। इन्हीं चुनौतियों का समाधान खोजते हुए आईआईटी गुवाहाटी के शोधकर्ताओं ने एक खास कम्पोजिट कोटिंग तैयार की है। इसमें कार्बन नाइट्राइड नामक प्रकाश-सक्रिय पदार्थ को बुलबुला-रोधी हाइड्रोजेल परत के साथ निकेल फोम पर जोड़ा गया। इस नई परत की मदद से गैस के बुलबुले सतह पर टिक नहीं पाते और प्रक्रिया लगातार बेहतर तरीके से चलती रहती है। आईआईटी गुवाहाटी के मुताबिक, यह नई कम्पोजिट कोटिंग तकनीक उत्पादन के सुधार में सक्षम है। इस शोध के निष्कर्ष प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय जर्नल में एक शोध-पत्र के रूप में प्रकाशित हुए हैं। इसे आईआईटी गुवाहाटी के प्रो. उत्तम मन्ना और प्रो. मोहम्मद कुरेशी के साथ डॉ. हृषिकेश सरमा और शोध विद्वान अल्पना साहू, अंशिका चौधरी, सुमंत सरकार, सौरव मंडल और लिंगराज साहू ने मिलकर लिखा है।

बता दें कि हाल के वर्षों में जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम करने के लिए हरित हाइड्रोजन एक महत्वपूर्ण स्वच्छ ऊर्जा स्रोत बनकर उभरा है। पारंपरिक तरीकों से हाइड्रोजन बनाने पर बड़ी मात्रा में ग्रीनहाउस गैसें निकलती हैं, जबकि हरित हाइड्रोजन सूर्य के प्रकाश की मदद से पानी को हाइड्रोजन और ऑक्सीजन में अलग करके तैयार किया जाता है। आईआईटी गुवाहाटी के शोधकर्ताओं ने एक विशेष कोटिंग विकसित की, जो गैस के बुलबुलों को सतह पर चिपकने से रोकती है। इसके लिए उन्होंने कार्बन नाइट्राइड नामक एक विशेष प्रकाश-सक्रिय पदार्थ को बुलबुला-रोधी हाइड्रोजेल परत के साथ निकेल फोम पर जोड़ा। पारंपरिक तरीकों में फोटोकैटेलिस्ट को सतह पर एक अलग परत के रूप में लगाया जाता है, लेकिन शोधकर्ताओं ने इसे सीधे कोटिंग के अंदर शामिल किया।

भुवन चंद्र खंडूरी ने ईमानदारी, सादगी और विकास की राजनीति का उदाहरण पेश किया : राष्ट्रपति मुर्मु

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री मेजर जनरल (सेवानिवृत्त) भुवन चंद्र खंडूरी के निधन पर शोक जताया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा कि भुवन चंद्र खंडूरी ने ईमानदारी, सादगी, पारदर्शिता और विकास की राजनीति का उदाहरण प्रस्तुत किया। देश के तथा उत्तराखंड के विकास, सुशासन और जनहित के प्रति उनकी प्रतिबद्धता हमेशा स्मरणीय रहेगी।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के कार्यालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, ''उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री मेजर जनरल (सेवानिवृत्त) बीसी खंडूरी जी के निधन का समाचार अत्यंत दुखद है। भारतीय सेना में उत्कृष्ट सेवा देने के बाद उन्होंने जन सेवा के लिए ईमानदारी, सादगी, पारदर्शिता और विकास की राजनीति का उदाहरण प्रस्तुत किया। देश के तथा उत्तराखंड के विकास, सुशासन और जनहित के प्रति उनकी प्रतिबद्धता सदैव स्मरणीय रहेगी। मैं उनके शोक संतप्त परिवारजनों और शुभचिंतकों के प्रति शोक संवेदना व्यक्त करती हूं।' उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन के कार्यालय ने सोशल मीडिया पर लिखा, 'पूर्व केंद्रीय मंत्री और उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री, मेजर जनरल बी. सी. खंडूरी (सेवानिवृत्त) के निधन से मुझे गहरा दुख हुआ है। उनके निधन से देश ने एक विशिष्ट सैनिक, एक सक्षम प्रशासक और असाधारण ईमानदारी वाले एक राजनेता को खो दिया है। स्वर्णिम चतुर्भुज और राष्ट्रीय राजमार्ग विकास कार्यक्रम के माध्यम से भारत के सड़क बुनियादी ढांचे को बदलने की दिशा में उनका दूरदर्शी योगदान देश की विकास यात्रा में एक मील का पत्थर बना रहेगा। हाल ही में देहरादून की अपनी यात्रा के दौरान मुझे उनसे मिलने का सौभाग्य मिला था।

संक्षिप्त खबर

रायबरेली दौरे पर राहुल का सरकार पर प्रहार, बोले- महंगाई से आम आदमी बेहाल

रायबरेली। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने मंगलवार को रायबरेली दौरे के दौरान केंद्र सरकार की आर्थिक नीतियों और बढ़ती महंगाई को लेकर तीखा हमला बोला। बछरावां विधानसभा क्षेत्र के ठकुराइन खेड़ा गांव में सांसद निधि से निर्मित बारातघर का उद्घाटन करने पहुंचे राहुल गांधी ने कहा कि पेट्रोल-डीजल समेत रोजमर्रा की जरूरत की वस्तुओं की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी हो रही है, जिससे आम जनता पर भारी बोझ पड़ रहा है।

ग्रामीणों से बातचीत के दौरान राहुल गांधी ने कहा कि देश का आम नागरिक आर्थिक दबाव झेल रहा है, लेकिन सरकार जनता की परेशानियों को गंभीरता से नहीं ले रही। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में आर्थिक स्थिति और चुनौतीपूर्ण हो सकती है, जिसका सीधा असर किसानों, युवाओं, मजदूरों और छोटे कारोबारियों पर पड़ेगा।

राहुल गांधी ने कहा कि रायबरेली की जनता से किए गए वादों को पूरा करने के लिए वह लगातार प्रयासरत हैं। उन्होंने कहा कि छोटे व्यापारियों और मेहनतकश वर्ग की स्थिति लगातार कमजोर हो रही है और सरकार को राहत देने वाले फैसले लेने चाहिए।

इससे पहले रायबरेली पहुंचने पर राहुल गांधी ने चुरुवा मंदिर पहुंचकर बजरंगबली के दर्शन किए। बड़े मंगल के अवसर पर मंदिर में बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद थे। राहुल गांधी ने वहां पहुंचे लोगों से मुलाकात कर उनका अभिवादन भी किया।

इससे पहले मंगलवार सुबह राहुल गांधी लखनऊ पहुंचे, जहां चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। इस दौरान उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय और वरिष्ठ कांग्रेस नेता प्रमोद तिवारी भी मौजूद रहे। एयरपोर्ट से वह सड़क मार्ग से रायबरेली के लिए रवाना हुए।

अपने दो दिवसीय दौरे के दौरान राहुल गांधी जनसंवाद, महिला संवाद और संगठनात्मक बैठकों में हिस्सा लेंगे। राजनीतिक जानकारों के मुताबिक, यह दौरा कांग्रेस की आगामी चुनावी रणनीति और संगठन को धार देने के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

गुजरात के व्यापारी के कर्मचारियों का 'अपहरण', नकली डील के जाल में फंसाकर कोलकाता में 42 लाख रुपए लूटे

कोलकाता। गुजरात के एक व्यापारी के दो कर्मचारियों को कथित तौर पर एक गिरोह ने व्यापारिक लेन-देन के बहाने लूट लिया। उनसे 42 लाख रुपए लूटने के बाद, आरोपियों ने कथित तौर पर दोनों कर्मचारियों का अपहरण कर लिया और उन्हें जबरन एक कार में डाल दिया।

आरोप है कि बाद में दोनों व्यक्तियों को हावड़ा जिले में कोना एक्सप्रेसवे पर ले जाया गया और कार से बाहर फेंक दिया गया।

पुलिस ने मंगलवार को बताया कि घटना के बारे में पता चलने के बाद, गुजरात के व्यापारी कोलकाता पहुंचे और एक औपचारिक शिकायत दर्ज कराई। कथित लूट की यह घटना दक्षिण कोलकाता के सर्वे पार्क इलाके में हुई। व्यापारी ने सर्वे पार्क पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद लूट और अपहरण का मामला दर्ज किया गया। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है और आरोपियों की पहचान करने के लिए सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है।

पुलिस ने बताया कि यह घटना इस महीने के पहले सप्ताह में हुई थी। गुजरात के गांधीनगर के रहने वाले व्यापारी से कथित तौर पर कोलकाता के कुछ लोगों ने एक व्यापारिक सौदे के सिलसिले में संपर्क किया था।

संदिग्धों ने खुद को व्यापारी बताया और कोलकाता से गुजरात कुछ सामान भेजने के बारे में चर्चा की। बताया गया कि यदि वह 42 लाख रुपए का भुगतान कर देते हैं, तो सामान तुरंत भेज दिया जाएगा।

इस समझौते के बाद, गांधीनगर के व्यापारी ने अपने दो कर्मचारियों के माध्यम से कोलकाता पैसे भिजवाए। उन्हें दक्षिण कोलकाता के न्यू संतोषपुर इलाके में एक घर में ले जाया गया। वहां पहुंचने पर, कर्मचारियों से कथित तौर पर नकदी सौंपने के लिए कहा गया, जबकि उन्होंने बदले में सामान की डिलीवरी की मांग की।

आरोप है कि इसके बाद दोनों कर्मचारियों को उसी घर के एक कमरे में बंद कर दिया गया। कथित तौर पर लगभग छह हथियारबंद लोगों ने उन्हें बंदूक की नोक पर रखा और कर्मचारियों से 42 लाख रुपए वाला बैग छीन लिया।

इसके बाद आरोपी पीड़ितों को एक वाहन में ले गए और घटनास्थल से फरार होने से पहले उन्हें कोना एक्सप्रेसवे पर छोड़ दिया। पीड़ित किसी तरह हावड़ा रेलवे स्टेशन पहुंचने में कामयाब रहे और गुजरात लौट आए, जहां उन्होंने व्यापारी को पूरी घटना के बारे में जानकारी दी।

मध्यप्रदेश के मैहर में ट्रक ने ट्रैक्टर-ट्रॉली को टक्कर मारी, 3 श्रद्धालुओं की मौत

मैहर। मध्य प्रदेश के मैहर जिले में मां शारदा देवी मंदिर जा रहे तीर्थयात्रियों से भरी एक ट्रैक्टर-ट्रॉली को एक तेज रफ्तार ट्रक ने टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि तीन श्रद्धालुओं की मौत हो गई और 25 से ज्यादा घायल हो गए।

यह घटना सोमवार देर रात अमदरा थाना क्षेत्र में हुई। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि घायलों में अमदरा थाने के प्रभारी टीकाराम कुर्मी के साथ-साथ कई महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं, जिनमें से कई की हालत गंभीर है। पीड़ित कटनी जिले के रिठी क्षेत्र के लोधी समुदाय के एक परिवार से थे। वे सभी अपने रिश्तेदारों और जान-पहचान वालों के साथ एक ट्रैक्टर-ट्रॉली में सवार होकर तीर्थयात्रा पर निकले थे। अमदरा थाना क्षेत्र के अंतर्गत सुरमा के पास, रात करीब 1:30 बजे उनकी यह पवित्र यात्रा एक बुरे सपने में बदल गई। पीछे से तेज रफ्तार में आ रहे एक भारी ट्रक ने ट्रॉली में जोरदार टक्कर मार दी।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि टक्कर इतनी जोरदार थी कि ट्रॉली सड़क से नीचे जा गिरी और पलट गई। आरोप है कि ट्रक चालक पहली टक्कर के बाद रुका नहीं। इसके बजाय, उसने मौके से भागने की कोशिश की और तेजी से एक के बाद एक, दो बार और ट्रैक्टर-ट्रॉली में टक्कर मारी। बार-बार हुई इन टक्करों ने इस त्रासदी को और भी भयावह कर दिया, जिसके परिणामस्वरूप तीन श्रद्धालुओं की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए।

बारामूला में एटीएस की बड़ी कार्रवाई, दो नशा तस्कर गिरफ्तार, चरस जैसा पदार्थ बरामद

बारामूला। बारामूला पुलिस ने नशा तस्करी के खिलाफ अपनी कार्रवाई तेज करते हुए एक और बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस स्टेशन शीरी की टीम ने फतेहगढ़ इलाके में नाका-गश्त के दौरान दो नशा तस्करों को गिरफ्तार किया और उनके कब्जे से चरस जैसा प्रतिबंधित पदार्थ बरामद किया।

पुलिस के अनुसार, फतेहगढ़ इलाके में नाका चौकी स्थापित कर गश्त कर रही टीम ने एक संदिग्ध व्यक्ति को पकड़ा। उसकी तलाशी के दौरान मक्के के छिलके में लिपटी चरस जैसी पदार्थ की दो छड़ें बरामद की गईं। आरोपी की पहचान सज्जाद अहमद मलिक (पुत्र अब्दुल जब्बार मलिक, निवासी फतेहगढ़) के रूप में हुई।

आगे की पूछताछ और सज्जाद के खुलासे के आधार पर पुलिस ने दूसरे आरोपी मोहम्मद शफी लोन (पुत्र अब्दुल जब्बार लोन, निवासी मालपोरा) को भी गिरफ्तार कर लिया। मोहम्मद शफी एसआरटीसी बस चालक के रूप में काम करता है; उसकी तलाशी के दौरान चरस जैसा पदार्थ की एक छड़ बरामद हुई।

प्रारंभिक जांच में पता चला कि आरोपी शफी लोन कथित तौर पर सरकारी एसआरटीसी बस का इस्तेमाल नशीले पदार्थों की खरीद-बिक्री और परिवहन के लिए कर रहा था। यह बात पूरे मामले को और गंभीर बनाती है। इस मामले में पुलिस स्टेशन शीरी में एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/20 के तहत एफआईआर संख्या 21/2026 दर्ज कर ली गई है। दोनों आरोपियों से पूछताछ जारी है और आगे की जांच में इस नेटवर्क के अन्य सदस्यों के नाम सामने आने की संभावना जताई जा रही है। बारामूला पुलिस ने एक प्रेस नोट जारी कर कहा कि नशे की बुराई को जड़ से खत्म करने के लिए अभियान लगातार चलाया जा रहा है। पुलिस ने आम जनता से अपील की है कि वे अपने इलाके में नशा तस्करी या किसी भी आपराधिक गतिविधि की जानकारी तुरंत पुलिस को दें।

मध्य प्रदेश सरकार पेट्रोल और डीजल के टैक्स को कम करे : कमलनाथ

भोपाल। पेट्रोल और डीजल की कीमतों में हो रही बढ़ोतरी से मध्य प्रदेश के लोगों को राहत दिलाने के लिए पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने राज्य सरकार से टैक्स में कटौती करने की मांग की है।

पूर्व सीएम कमलनाथ ने कहा कि एक हफ्ते के भीतर पेट्रोल और डीजल की कीमतों में दोबारा वृद्धि की गई है। पेट्रोल और डीजल मंगलवार से 90 पैसे प्रति लीटर महंगा हो गया है। सरकार पेट्रोलियम पदार्थों की कीमत में वृद्धि के पीछे अंतरराष्ट्रीय कारण बता रही है, लेकिन सचाई यह है कि मध्य प्रदेश की जनता के लिए बाहरी कारणों की तुलना में राज्य सरकार के टैक्स कीमत वृद्धि का सबसे बड़ा कारण है।

उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश में उत्तर प्रदेश की तुलना में पेट्रोल की कीमत औसतन 13 रुपए और डीजल की कीमत 4 रुपए प्रति लीटर अधिक है। मध्य प्रदेश सरकार पेट्रोल पर 29 प्रतिशत वैट, 2.5 रुपए और एक प्रतिशत सेस ले रही है, वहीं डीजल पर मध्य प्रदेश सरकार 19 प्रतिशत वैट, 1.5 रुपए तथा एक प्रतिशत सेस ले रही है। स्पष्ट है कि मध्य प्रदेश के नागरिक पेट्रोल पर 30 रुपए से अधिक और डीजल पर 20 रुपए से अधिक टैक्स के रूप में राज्य सरकार को दे रहे हैं। इस टैक्स का अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों से कोई संबंध नहीं है। कमलनाथ ने राज्य में लागू टैक्स का हवाला देते हुए कहा कि इसी कारण से भोपाल में एक लीटर पेट्रोल 110.75 रुपए और डीजल 95.91 रुपए का हो गया है। इंदौर-जबलपुर में प्रति लीटर पेट्रोल के नए रेट 110.79 रुपए, ग्वालियर में 110.69 रुपए और उज्जैन में 111.27 रुपए हो गए हैं। वहीं, उज्जैन में डीजल 96.40 रुपए में मिलेगा। यह भोपाल में 95.91 रुपए, इंदौर में 95.97 रुपए, जबलपुर में 95.98 रुपए और ग्वालियर में 95.86 रुपए प्रति लीटर में मिलेगा।

एमसीयू के अभिषेक पाण्डेय ने बनाया मोबाइल एप 'मास्टर प्रिंटपैक'

देश का पहला विशिष्ट शैक्षणिक प्रिंटिंग और पैकेजिंग ऐप

भोपाल। माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल के न्यू मीडिया टेक्नोलॉजी (NMT) विभाग के नाम एक और शैक्षणिक उपलब्धि जुड़ गई है। विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर अभिषेक पांडेय द्वारा इन-हाउस विकसित किया गया विशेष शैक्षणिक मोबाइल एप्लिकेशन 'मास्टर प्रिंटपैक' आधिकारिक तौर पर गूगल प्ले स्टोर पर लाइव हो गया है। विश्वविद्यालय प्रशासन, कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी और विभागाध्यक्ष डॉ. पी. शशिकला के मार्गदर्शन में तैयार इस ऐप को इंटरनेशनल एज रेटिंग कोएलिशन (IARC) द्वारा भी प्रमाणित कर दिया गया है।

प्रिंटिंग और पैकेजिंग तकनीक के लिए अनूठा डिजिटल प्लेटफॉर्म : यह मोबाइल एप्लिकेशन देश भर में प्रिंटिंग, पैकेजिंग, स्मार्ट पैकेजिंग और सस्टेनेबल इंक टेस्टिंग जैसे विषयों से जुड़े विद्यार्थियों और शोधार्थियों के लिए एक व्यापक एजुकेशनल यूटिलिटी और बेंचमार्किंग प्लेटफॉर्म के रूप में कार्य करेगा।

ऐप की खास बातें-

401 विशेषज्ञ-क्यूरेटेड एमसीक्यू (MCQs): ऐप में प्रिंटिंग तकनीक, स्पेक्ट्रोडेन्सिटोमेट्री, पैकेजिंग रीडिजाइन और औद्योगिक मानकों पर आधारित 401 चुनिंदा वस्तुनिष्ठ प्रश्नों का डेटाबेस शामिल है, जो रैंडम शफलिंग लॉजिक के साथ काम करता है।

लाइव ग्लोबल लीडरबोर्ड : विद्यार्थी अपनी तकनीकी दक्षता को परखने के लिए रीयल-टाइम में एक-दूसरे के साथ स्वस्थ प्रतिस्पर्धा कर सकते हैं।

डेटा सुरक्षा और प्राइवेसी : सुरक्षा

मानकों का कड़ाई से पालन करते हुए इसमें विद्यार्थियों की ईमेल आईडी को पूरी तरह सुरक्षित रखकर केवल डिस्प्ले नेम प्रदर्शित करने की आधुनिक व्यवस्था (Hermetic Data Seal) की गई है।

गूगल एडमोंब (AdMob) इंटीग्रेशन : ऐप के सतत संचालन और भविष्य के तकनीकी अपग्रेडेशन के लिए इसे व्यावसायिक विज्ञापन प्रणाली से भी जोड़ा गया है।

90 दिनों की मेहनत एवं 14 दिनों का कड़ा परीक्षण

इस ऐप को प्ले स्टोर पर जारी करने से पहले लगभग 90 दिनों तक का समय लगा। साथ ही न्यू मीडिया टेक्नोलॉजी विभाग के बी.टेक प्रिंटिंग एवं पैकेजिंग के 27 छात्र-छात्राओं और विभाग के फैकल्टी मेंबर्स की एक टीम द्वारा 14 दिनों का 'क्लोज्ड टेस्टिंग' (Closed Testing) ऑडिट सफलतापूर्वक पूरा किया गया। इस दौरान मिले फीडबैक के आधार पर ऐप के यूजर इंटरफेस (UI) और प्राइवेसी फीचर्स को पूरी तरह रिफाइन किया गया।

देश का पहला विशिष्ट शैक्षणिक प्रिंटिंग और पैकेजिंग ऐप : वर्तमान में गूगल प्ले स्टोर पर प्रिंटिंग और पैकेजिंग क्षेत्र से जुड़े जो भी ऐप्स उपलब्ध हैं, वे या तो केवल औद्योगिक प्रदर्शनियों की जानकारी देने तक सीमित हैं या बेहद सामान्य ज्ञान पर आधारित हैं। 'मास्टर प्रिंटपैक' देश का पहला ऐसा शैक्षणिक और मूल्यांकन (Academic Evaluation) ऐप है, जिसमें स्पेक्ट्रोडेन्सिटोमेट्री, सस्टेनेबल इंक टेस्टिंग औरआधुनिक पैकेजिंग डिजाइन जैसे जटिल औद्योगिक विषयों पर आधारित 401 प्रश्नों का गहन डेटाबेस और छात्रों की रीयल-टाइम रैंकिंग के लिए लाइव लीडरबोर्ड की व्यवस्था है। यह अनूठा संगम इसे अपनी तरह का पहला डिजिटल प्लेटफॉर्म बनाता है।

पहाड़ों और तेज हवाओं का कमाल, क्या हैं अनोखे आकार वाले 'लेंटिकुलर बादल', कैसे होता है निर्माण?

नई दिल्ली। आसमान में अक्सर लेंस या तश्तरी के आकार वाले बादल दिखाई देते हैं, जो देखने में बेहद अनोखे और आकर्षक लगते हैं। इन्हें लेंटिकुलर बादल कहा जाता है। तकनीकी भाषा में इन्हें ऑल्टोक्यूमुलस स्टैंडिंग लेंटिकुलरस कहा जाता है।

लेंटिकुलर बादलों के चिकने और साफ किनारों के कारण कई लोग इन्हें यूएफओ यानी अनजान उड़ने वाली वस्तु भी समझ बैठते हैं। लेंटिकुलर बादलों को 'आसमान में तैरती प्लेटों' जैसा भी बताया जाता है। ये बादल मुख्य रूप से ऊबड़-खाबड़ पहाड़ी इलाकों के ऊपर बनते हैं, जहां तेज हवाएं चल रही हों। रॉकी पर्वत श्रृंखला जैसे क्षेत्रों में ये काफी आम हैं, जबकि हवाई जैसे कुछ स्थानों पर अपेक्षाकृत कम दिखाई देते हैं।

वैज्ञानिकों के अनुसार, जब तेज हवाएं किसी बड़ी भौगोलिक रुकावट, जैसे पहाड़ी श्रृंखला, से टकराती हैं तो हवा को पहाड़ों के ऊपर से गुजरना पड़ता है। इस प्रक्रिया में हवा ऊपर उठती है, फैलती है और ठंडी हो जाती है। अगर हवा में पर्याप्त नमी हो तो ठंडा होने पर जलवाष्प संघनित होकर बादल का रूप ले लेती है। जब हवा और ऊपर पहुंचती है तो बादल बनता है। इसके बाद हवा नीचे उतरती है, गर्म होती है और नमी भाप बनकर उड़ जाती है, जिससे बादल का निचला हिस्सा साफ हो जाता है। इसी वजह से बादल लेंस के आकार का दिखाई देता है।

खास बात यह है कि हवा तेजी से इन बादलों के अंदर से गुजरती रहती है, लेकिन बादल एक ही जगह पर स्थिर दिखाई देता है। यही कारण है कि इन्हें स्टैंडिंग लेंटिकुलर बादल भी कहा जाता है। न्यूजीलैंड के दक्षिण द्वीप के ओटागो क्षेत्र में एक खास लेंटिकुलर बादल नियमित रूप से बनता है, जिसे स्थानीय लोग तैएरी पेट भी कहते हैं।

7 सितंबर 2024 को अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा के लैंडसेट 8 सैटेलाइट ने इसकी शानदार तस्वीर खींची थी। यह बादल मिडिलमार्च के पास रॉक एंड पिलर रेंज नामक पहाड़ी क्षेत्र के ऊपर बनता है। उत्तर-पश्चिम दिशा से आने वाली तेज हवाएं इस चपटी लेकिन खड़ी ढलान वाली पहाड़ी से टकराती हैं।

अमेरिकी मौसम विज्ञानी जॉन लॉ के अनुसार, हवा लहरें बनाती है और लहर के शिखर पर बादल बनकर लगभग एक ही जगह पर टिका रहता है। तेज हवाएं इसे अपना खास लंबा लेंस जैसा आकार देती हैं। ये बादल पायलटों के लिए महत्वपूर्ण संकेत होते हैं।

इनके आसपास तेज हवा और बर्फ जमने का खतरा बना रहता है। कभी-कभी ये आने वाली बारिश का भी संकेत देते हैं। ये न सिर्फ सुंदर नजारा पेश करते हैं, बल्कि वायुमंडल की गतिविधियों को समझने में भी मदद करते हैं।

भीषण गर्मी के बीच 'सेंटीग्रेड स्केल' का आविष्कार, आज ही के दिन बना था 'सेल्सियस तापमान पैमाना'

नई दिल्ली। देश के अधिकांश हिस्सों में भीषण गर्मी और हीटवेव का प्रकोप जारी है। कई राज्यों में तापमान लगातार बढ़ रहा है, जिसके कारण भारत सरकार लगातार एडवाइजरी जारी कर रही है। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, आज नई दिल्ली का तापमान 42 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है।

इसी गर्मी भरे दिन एक दिलचस्प ऐतिहासिक संयोग भी जुड़ा हुआ है। आज ही के दिन यानी 19 मई 1743 को फ्रांसीसी वैज्ञानिक ज्यां पियरे क्रिस्टीन ने सेंटीग्रेड (सेल्सियस) तापमान पैमाने को विकसित किया था, जिसका हम आज भी इस्तेमाल करते हैं।

सबसे पहले स्वीडिश खगोलशास्त्री एंडर्स सेल्सियस ने वर्ष 1742 में इस स्केल को प्रस्तुत किया था। शुरुआत में उन्होंने पानी के उबलने का तापमान 0 डिग्री सेल्सियस और जमने का तापमान 100 डिग्री सेल्सियस निर्धारित किया था, लेकिन बाद में इस पैमाने को उलट दिया गया। मानक वायुमंडलीय दबाव पर शुद्ध बर्फ का गलनांक यानी फ्रीजिंग प्वाइंट 0 डिग्री सेल्सियस और शुद्ध पानी का क्वथनांक यानी बॉयलिंग प्वाइंट 100 डिग्री सेल्सियस माना जाता है।

'सेंटीग्रेड' शब्द का अर्थ है 100 भागों में विभाजित। पानी के जमने और उबलने के तापमान के बीच 100 डिग्री का अंतर होने के कारण यह नाम दिया गया। वर्ष

1948 में इसे आधिकारिक रूप से 'सेल्सियस' नाम दिया गया।

वैज्ञानिकों के अनुसार, सेल्सियस स्केल की सरलता और सटीकता ने इसे दुनिया भर में सबसे लोकप्रिय तापमान पैमाना बना दिया है। जब देश हीटवेव की चपेट में है, तब यह तापमान पैमाना और भी प्रासंगिक हो जाता है। मौसम विभाग, स्वास्थ्य मंत्रालय और आयुष मंत्रालय सभी सेल्सियस स्केल का इस्तेमाल करके लोगों को सतर्क करते हैं। यह स्केल न सिर्फ मौसम रिपोर्टिंग में, बल्कि विज्ञान, उद्योग, चिकित्सा, खाद्य सुरक्षा और इंजीनियरिंग के क्षेत्रों में भी व्यापक रूप से उपयोग किया जाता है।

सेल्सियस स्केल के प्रमुख उपयोगों में मौसम पूर्वानुमान और हीटवेव चेतावनी, औद्योगिक प्रक्रियाओं का नियंत्रण, खाना पकाने और खाद्य सुरक्षा, वैज्ञानिक प्रयोग एवं अनुसंधान, साथ ही इंजीनियरिंग डिजाइन शामिल हैं।

'योग अपनाएं, स्वस्थ रहें' की फॉलोअर मैरी कॉम, योगासन से खुद को रखती हैं फिट

नई दिल्ली। विश्व योग दिवस के करीब आने के साथ ही आयुष मंत्रालय योग को ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचाने के लिए लगातार प्रयासरत है। मंत्रालय विभिन्न योगासनों की जानकारी, उनके फायदे और सही तरीके से लोगों को योग अपनाने के लिए प्रेरित कर रहा है। इसी क्रम में मंत्रालय ने भारतीय ओलंपिक मुक्केबाज मैरी कॉम के एक वीडियो को सोशल मीडिया पर पोस्ट किया है।

आयुष मंत्रालय के ऑफिशियल इंस्टाग्राम पर पोस्ट किए पुराने वीडियो में मैरी कॉम योग के महत्व पर जोर देती नजर आ रही हैं। वीडियो के साथ मंत्रालय ने कैप्शन में लिखा, 'अंतरराष्ट्रीय योग दिवस से पहले मैरी कॉम ने सभी से स्वास्थ्य और कल्याण के लिए योग अपनाने की अपील की है।'

वहीं, वीडियो में मैरी कॉम कहती हैं, 'मैं प्रतिदिन योग करती हूं। योग ने मेरा आत्मविश्वास बढ़ाया है। आप भी योग अपनाएं, स्वस्थ, सरल और ऊर्जावान रहें। विश्व स्तरीय मुक्केबाज मैरी कॉम का यह संदेश युवाओं और

आम लोगों के लिए खास प्रेरणादायक है।

उन्होंने बताया कि व्यस्त खेल जीवन में भी योग उन्हें संतुलन और अनुशासन बनाए रखने में मदद करता है। चाहे हाई-इंपैक्ट वाले खेल हों या रोजमर्रा की जिंदगी, योग लंबे समय तक स्वस्थ रहने की अमूल्य कुंजी है।

वहीं, आयुष मंत्रालय बताता है कि योग न सिर्फ शरीर को स्वस्थ रखता है, बल्कि मन और आत्मा को भी संतुलित करता है। इससे तनाव कम होता है, एकाग्रता बढ़ती है और जीवन में सकारात्मक ऊर्जा आती है। मंत्रालय मैरी कॉम से पहले अभिनेता अमिताभ बच्चन, भाजपा सांसद और अभिनेत्री हेमा मालिनी, अनिल कपूर समेत कई हस्तियों, योग गुरुओं और स्वास्थ्य विशेषज्ञों के विचार साझा कर चुका है।

21 जून को विश्व योग दिवस मनाया जाएगा। इसकी तैयारियां जोरों पर हैं। आयुष मंत्रालय का मानना है कि योग केवल व्यक्तिगत स्वास्थ्य ही नहीं, बल्कि पूरे समाज को स्वस्थ, सकारात्मक और ऊर्जावान बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

ऑस्ट्रेलिया में डिप्थीरिया का प्रकोप, उत्तरी क्षेत्र से क्वींसलैंड और साउथ ऑस्ट्रेलिया तक फैला संक्रमण

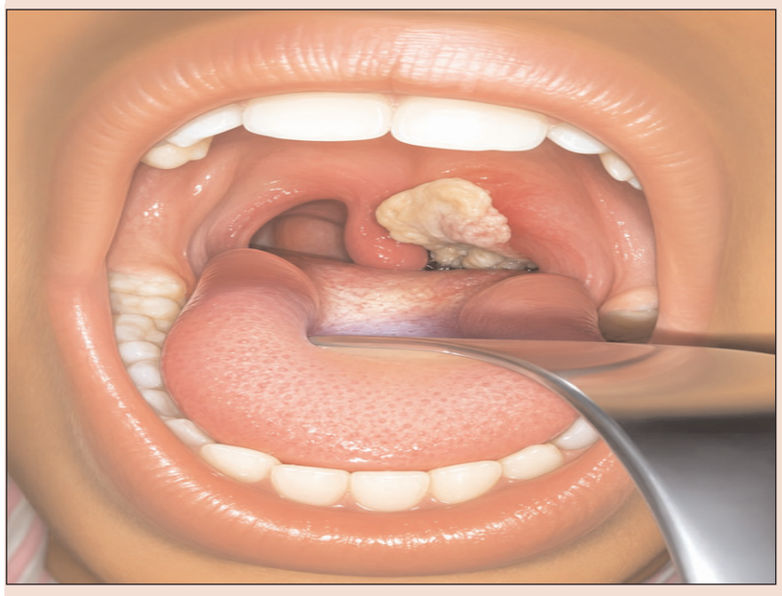

कैनबरा। ऑस्ट्रेलिया के नॉर्दर्न टेरिटरी में डिप्थीरिया का फैलाव (आउटब्रेक) हाल के दशकों में देश का सबसे बड़ा मामला बन गया है। अब यह पड़ोसी राज्यों क्वींसलैंड और साउथ ऑस्ट्रेलिया तक भी फैल रहा है। स्वास्थ्य अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

नेशनल नोटिफिएबल डिजीज सर्विलांस सिस्टम के अनुसार, अब तक नॉर्दर्न टेरिटरी में 133 मामले सामने आ चुके हैं। इसके अलावा साउथ ऑस्ट्रेलिया में छह मामले और क्वींसलैंड में पांच तक मामले दर्ज किए गए हैं।

स्वास्थ्य मंत्री मार्क बटलर ने ऑस्ट्रेलियन ब्रॉडकास्टिंग कॉरपोरेशन (एबीसी) को बताया कि यह आउटब्रेक 'शायद पिछले कई दशकों में सबसे बड़ा' है। उन्होंने यह भी पुष्टि की कि अधिकारी डिप्थीरिया से जुड़ी एक संदिग्ध मौत की जांच कर रहे हैं।

यह फैलाव खासकर आदिवासी समुदायों को ज्यादा प्रभावित कर रहा है, विशेषकर दूर-दराज के इलाकों में। स्वास्थ्य अधिकारी अब एबोरिजिनल मेडिकल सेवाओं के साथ मिलकर टेस्टिंग और टीकाकरण बढ़ाने पर काम कर रहे हैं।

डिप्थीरिया कभी बच्चों की मौत का बड़ा कारण हुआ करता था, लेकिन यह टीकाकरण से रोकी जा सकने वाली बीमारी है। हालांकि जब लोगों में इम्युनिटी (रोग-प्रतिरोधक क्षमता) कम हो जाती है, तो यह फिर से फैल सकती है। अधिकारियों ने अब जोखिम वाले वयस्कों के लिए बूस्टर डोज हर पांच साल में लेने की सलाह दी है, जबकि पहले यह अंतर दस साल का था।

स्थानीय स्वास्थ्य नेताओं के अनुसार, सेंट्रल ऑस्ट्रेलिया में अभी भी हजारों लोग अपने बूस्टर डोज लेने में पीछे हैं, हालांकि हाल के हफ्तों में टीकाकरण तेजी से बढ़ा है। एबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक, नॉर्दर्न टेरिटरी में हर हफ्ते लगभग 15 से 20 नए मामले सामने आ रहे हैं।

अधिकारियों ने लोगों से अपील की है कि अगर किसी में लक्षण दिखें जैसे गले में दर्द या त्वचा में संक्रमण तो तुरंत टेस्ट करवाएं, क्योंकि संक्रमण को रोकने के लिए प्रयास तेज कर दिए गए हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार, डिप्थीरिया एक संक्रामक बीमारी है जो जहर (टॉक्सिन) बनाने वाले बैक्टीरिया से होती है। यह एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में तब फैल सकती है ।

घंटों डेस्क पर बैठने से अकड़ गई है गर्दन और पीठ? 'अर्धचक्रासन' से पाएं मिनटों में राहत

नई दिल्ली। आधुनिक जीवनशैली में गतिशीलता जितनी बढ़ी है, शारीरिक सक्रियता उतनी ही कम हो गई है। ऐसे में अधिकांश लोग पीठ, कमर और गर्दन के दर्द से परेशान हैं। इस समस्या का प्रभावशाली समाधान अर्धचक्रासन है।

यह एक महत्वपूर्ण आसन है, जिसे करने के दौरान शरीर की आकृति अर्धचक्र के समान बन जाती है। संस्कृत में 'अर्ध' का अर्थ आधा और 'चक्र' का अर्थ पहिया होता है। इस अभ्यास में शरीर आधे पहिए के आकार में पीछे की ओर मुड़ता है।

आयुष मंत्रालय के अनुसार, अर्ध चक्रासन (हाफ व्हील पोज) एक बेहतरीन बैकबेंडिंग (पीछे की ओर झुकने वाला) योगासन है, जो रीढ़ की हड्डी के लचीलेपन और फेफड़ों की कार्यप्रणाली में सुधार करने में अत्यधिक प्रभावी है।

यह आसन अग्न्याशय को उत्तेजित करता है, जिससे रक्त शर्करा (ब्लड शुगर) को नियंत्रित

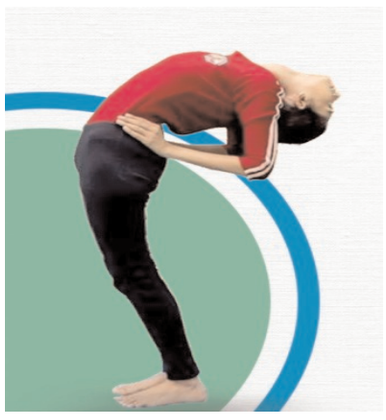

करने में सहायता मिलती है। साथ ही, छाती और कंधों में खिंचाव होने से फेफड़ों की क्षमता बढ़ती है और श्वसन संबंधी विकारों में राहत मिलती है।

अर्ध चक्रासन तनाव कम करने और शरीर की मुद्रा को बेहतर बनाने के लिए एक उपयोगी आसन है। यह आसन शरीर के कुछ खास हिस्सों पर दबाव डालकर गर्दन और कंधों के तनाव को दूर करने में मदद करता है।

आयुष मंत्रालय इसे करने का सही तरीका भी बताता है। इसके मुताबिक, सीधे खड़े होकर पैरों के बीच थोड़ा अंतर रखें और हाथों को कमर पर रखें। फिर गहरी सांस लेते हुए धीरे-धीरे पीछे की ओर झुकें। ध्यान रखें कि घुटने सीधे रहें और सिर पीछे की ओर झुका रहे। इस स्थिति में 10-15 सेकंड तक रुकें और सामान्य रूप से सांस लेते रहें। इसके बाद धीरे-धीरे सांस लेते हुए प्रारंभिक स्थिति में लौट आएं। इस प्रक्रिया को 3-5 बार दोहराना चाहिए।

उच्च रक्तचाप, चक्कर आने की समस्या या हृदय रोग से पीड़ित लोगों को यह आसन विशेषज्ञ की सलाह के बिना नहीं करना चाहिए। गर्भवती महिलाओं और गंभीर स्लिप डिस्क या कमर के निचले हिस्से में तेज दर्द वाले लोगों को भी इससे बचना चाहिए।

शारीरिक-मानसिक समस्याओं पर लगेगी लगाम, छोटे-छोटे बदलाव से बनेगी बात

नई दिल्ली। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में अनियंत्रित खान-पान सेहत के लिए बड़ी समस्या बन चुकी है। समय की कमी की वजह से कहीं दो मिनट में खाना बन जाता है तो कहीं बाहर का खाना ऑर्डर हो जाता है। मगर ये आदतें न केवल शारीरिक, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य का भी दुश्मन हैं।

बाहर के खाने को लेकर सबसे बड़ा भ्रम यह रहता है कि वह लजीज होता है। हालांकि, ज्यादा नमक, चीनी व तेल से बने ये खाद्य पदार्थ शरीर को कई समस्याओं में डाल देते हैं। ऐसे में लोगों को आगाह करते हुए नेशनल हेल्थ मिशन (एनएचएम) बताता है कि अधिक मात्रा में तेल, नमक और चीनी का सेवन धीरे-धीरे शरीर को नुकसान पहुंचाता है और कई गंभीर बीमारियों को न्योता देता है। अधिक तेल, नमक और चीनी के सेवन से हाई ब्लड प्रेशर, मोटापा, डायबिटीज और हृदय संबंधी समस्याएं बढ़ रही हैं।

इनके अलावा मानसिक स्वास्थ्य पर भी बुरा असर पड़ता है। थकान, चिड़चिड़ापन, तनाव और नींद की समस्या आम हो गई है। हेल्थ एक्सपर्ट का कहना है कि इन तीनों चीजों की मात्रा पर लगाम लगाकर शारीरिक और मानसिक दोनों तरह की समस्याओं पर नियंत्रण पाया जा सकता है।

ऐसे में हेल्थ एक्सपर्ट सलाह देते हैं कि छोटे-छोटे बदलाव बड़े स्वास्थ्य लाभ दे सकते हैं। अगर आप आज से तेल, नमक और चीनी की मात्रा थोड़ी कम कर दें तो कुछ हफ्तों में ही आप खुद में ऊर्जा और सुकून महसूस करेंगे।

एनएचएम के अनुसार, रोजाना इनकी मात्रा को नियंत्रित करना बहुत जरूरी है। इसके लिए तेल को वर्तमान मात्रा से 10 प्रतिशत कम कर दें। खाना बनाते समय जितना तेल इस्तेमाल हो रहा है, उसे थोड़ा कम करें। ज्यादा तेल से मोटापा और कोलेस्ट्रॉल बढ़ता है। चाय, दूध, मिठाई, कोल्ड ड्रिंक्स और पैकेज्ड जूस में चीनी की मात्रा घटाएं। ज्यादा चीनी से वजन बढ़ना, डायबिटीज और दांतों की समस्या होती है।

हीटवेव से सतर्क रहने की अपील, आयुष मंत्रालय की पब्लिक हेल्थ एडवाइजरी जारी

नई दिल्ली। देश के कई हिस्सों में बढ़ते तापमान और लू की मौजूदा स्थितियों को देखते हुए स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय (डीजीएचएस) के अंतर्गत आयुष प्रभाग ने आयुष मंत्रालय के समन्वय से एक व्यापक पब्लिक हेल्थ एडवाइजरी जारी की है।

एडवाइजरी आम जनता, संवेदनशील समूहों, नियोक्ताओं, श्रमिकों और बड़े जमावड़ों तथा खेल आयोजनों में भाग लेने वालों को गर्मी के तनाव (हीट स्ट्रेस) और गर्मी से जुड़ी बीमारियों से खुद को बचाने के लिए विस्तृत

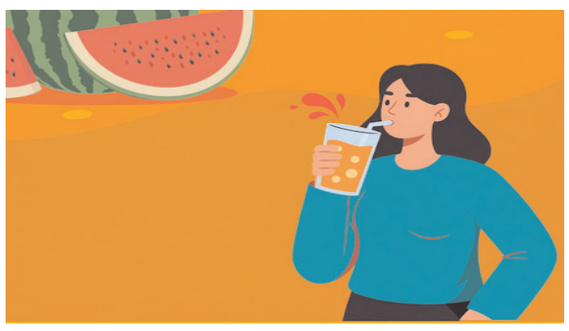

मार्गदर्शन प्रदान करता है। इसमें पर्याप्त मात्रा में पानी पीने, दिन के सबसे गर्म घंटों में सीधे धूप के संपर्क में आने से बचने, हल्के सूती कपड़े पहनने और मौसमी फलों तथा इलेक्ट्रोलाइट्स से भरपूर तरल पदार्थों का सेवन करने पर जोर दिया गया है।

एडवाइजरी में यह भी कहा गया है कि भीषण गर्मी और लू के दौरान शिशु, बच्चे, गर्भवती महिलाएं, बुजुर्ग, बाहर काम करने वाले श्रमिक और हृदय रोग तथा उच्च रक्तचाप जैसी पुरानी बीमारियों से पीड़ित व्यक्ति की विशेष देखभाल तथा निगरानी की आवश्यकता होती है।

कार्यस्थलों, सार्वजनिक जमावड़ों और बाहरी गतिविधियों के लिए विशेष सावधानियों की सलाह दी गई है। इनमें छायादार विश्राम स्थलों की व्यवस्था, नियमित रूप से पानी पीने के लिए अवकाश, श्रमिकों के लिए वातावरण के अनुकूल ढलने के उपाय और गर्मी के तनाव के लक्षणों के बारे में जागरूकता पैदा करना शामिल है।

आईपीएल 2026: सूर्यवंशी की तूफानी पारी, आरआर ने एलएसजी को 7 विकेट से हराया

जयपुर। राजस्थान रॉयल्स (आरआर) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के 64वें मैच में लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) को 7 विकेट से शिकस्त दी। इसी के साथ रॉयल्स प्वाइंट्स टेबल में चौथे स्थान पर पहुंच गई है।

इस जीत के साथ आरआर प्वाइंट्स टेबल में चौथे स्थान पर पहुंच गई है। इस टीम ने 13 में से 7 मैच अपने नाम किए हैं, जबकि 13 में से 9 मुकाबले गंवा चुकी एलएसजी पहले ही प्लेऑफ की रेस से बाहर थी। अगर रॉयल्स की टीम 24 मई को मुंबई इंडियंस के खिलाफ जीत दर्ज करती है, तो यह टीम प्लेऑफ का अंतिम टिकट अपने नाम कर लेगी।

मंगलवार को सवाई मानसिंह स्टेडियम में टॉस गंवाकर बल्लेबाजी के लिए उतरी लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) ने निर्धारित ओवरों में 5 विकेट खोकर 220 रन बनाए। मिचेल मार्श ने जोस इंगलिस के साथ पहले विकेट के लिए 50 गेंदों में 109 रन की साझेदारी की।

इंगलिस 29 गेंदों में 3 छक्कों और 7 चौकों के साथ 60 रन बनाकर पवेलियन लौटे। इसके बाद मिशेल मार्श ने निकोलस पूरने के साथ दूसरे विकेट के लिए 24 गेंदों में 42 रन जोड़े। पूरन 16 रन बनाकर आउट हुए, जहां से मार्श ने कप्तान ऋषभ पंत के साथ तीसरे विकेट के लिए 41 गेंदों में 64 रन जुटाकर टीम को विशाल स्कोर तक पहुंचाया।

मार्श सिर्फ 4 रन से अपना अर्धशतक चूक गए, जिन्होंने 57 गेंदों में 96 रन बनाए। उनकी इस पारी में 5 छक्के और 11 चौके शामिल रहे। पंत 23 गेंदों में 2 छक्कों और इतने ही चौकों के साथ 35 रन बनाकर आउट हुए। विपक्षी खेमे से यश राज ने 35 रन देकर 2 विकेट हासिल किए, जबकि जोफ्रा आर्चर ने 1 विकेट अपने नाम किया।

'करो या मरो' के मुकाबले में विशाल लक्ष्य का पीछा करने उतरी राजस्थान रॉयल्स ने 19.1 ओवरों में जीत हासिल कर ली। इस टीम को यशस्वी जायसवाल और वैभव सूर्यवंशी की सलामी जोड़ी ने शानदार शुरुआत दिलाई।

दोनों खिलाड़ियों ने 39 गेंदों में 75 रन की साझेदारी की। जायसवाल 23 गेंदों में 9 बाउंड्री के साथ 43 रन बनाकर पवेलियन लौटे, जिसके बाद सूर्यवंशी ने ध्रुव जुरेल के साथ दूसरे विकेट के लिए 45 गेंदों में 105 रन जुटाते हुए टीम को 180 के स्कोर तक पहुंचाया।

सूर्यवंशी 38 गेंदों में 10 छक्कों और 7

फीफा वर्ल्ड कप 2026: ब्राजील की टीम में हुई नेमार की वापसी

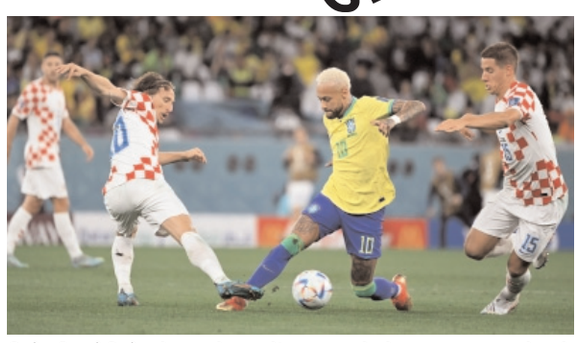

रियो डी जनेरियो। नेमार को जून में होने वाले फीफा वर्ल्ड कप 2026 के लिए ब्राजील की टीम में शामिल किया गया है। नेमार की ढाई साल बाद नेशनल टीम में वापसी हुई है।

न्यूज एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के मुताबिक, मैनेजर कार्लो एंसेलोटी ने सैंटोस स्टार नेमार के नाम की घोषणा सबसे आखिर में की, जिससे हाल के हफ्तों में ब्राजील के मीडिया में चल रही चयन को लेकर बहस खत्म हो गई। एंसेलोटी ने रियो डी जनेरियो में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'हमने नेमार को इसलिए नहीं चुना क्योंकि हमें लगता है कि वह एक अच्छा बैकअप होंगे, बल्कि इसलिए चुना है क्योंकि वह अपनी खूबियों से टीम में जान डाल सकते हैं। चाहे वह एक मिनट खेलें या 90 मिनट। मुझे लगता है कि हमें पिच पर बिताए गए कुल मिनटों की क्वालिटी पर ध्यान देना होगा। वह तभी खेलेंगे, जब वह खेलने के हकदार होंगे। इसका फैसला ट्रेनिंग करेगी। मुझे लगता है कि यह जरूरी है कि सारी उम्मीदें सिर्फ एक खिलाड़ी पर न टिकी हों।

34 वर्षीय नेमार ब्राजील के लिए अब तक 128 इंटरनेशनल मैच खेल चुके हैं। वह टीम की ओर से 79 गोल कर चुके हैं। ब्राजील के लिए सबसे ज्यादा गोल करने का रिकॉर्ड भी नेमार के नाम है। नेमार ने ब्राजील की जर्सी में अपना आखिरी मुकाबला साल 2023 में उरुग्वे के खिलाफ वर्ल्ड कप क्वालीफायर में खेला था, जहां उनके एंटीरियर क्रूसिएट लिगामेंट में चोट लग गई थी।

बार्सिलोना और पेरिस सेंट-जर्मेन के पूर्व फॉरवर्ड इसके बाद से चोटों से जूझ रहे हैं।

कप्तानी की जिम्मेदारी से पड़ रहा ऋतुराज की बल्लेबाजी पर असर : रविचंद्रन अश्विन

नई दिल्ली। भारत के पूर्व क्रिकेटर रविचंद्रन अश्विन का मानना ?है कि कप्तानी की जिम्मेदारी का असर ऋतुराज गायकवाड़ की बल्लेबाजी पर पड़ रहा है। आईपीएल 2026 में ऋतुराज की कप्तानी में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) ने 13 मुकाबलों में से 6 में जीत दर्ज की है, जबकि 7 मुकाबलों में टीम को हार का सामना करना पड़ा है।

एमएस धोनी के कप्तानी छोड़ने के बाद से सीएसके बदलाव के दौर से गुजर रही है। सीएसके को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मिली हार पर 'जियोहॉटस्टार' संग बात करते हुए अश्विन ने कहा, 'धोनी के कप्तानी छोड़ने के बाद से चेन्नई सुपर किंग्स साफ तौर पर बदलाव के दौर से गुजर रही है। इसमें शामिल सभी लोगों, फैंस, स्टेकहोल्डर्स और टीम, के लिए यह समझना जरूरी है कि फिर से बनने में समय लगता है।'

पूर्व स्पिनर ने आगे कहा, 'सीएसके से जुड़े मानकों और उम्मीदें उनकी विरासत की वजह से बहुत ज्यादा हैं, लेकिन इस ग्रुप को आगे बढ़ने के लिए स्पेस और सब्र की जरूरत है।

इसके साथ ही, कप्तानी की ज्यादा जिम्मेदारी ने ऋतुराज गायकवाड़ की बैटिंग पर असर डाला है।

टी20 क्रिकेट पहले से ही डिमांडिंग है, और सीएसके जैसी फ्रेंचाइजी से उम्मीदों के साथ लीडरशिप का बोझ उठाने से खिलाड़ी पर काफी असर पड़ सकता है।'

सोमवार को एमए चिदंबरम क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ भी ऋतुराज का बल्ला पूरी तरह से खामोश रहा। वह 21 गेंदों का सामना करने के बाद सिर्फ 15 रन ही बना सके। ऋतुराज अपनी इस पारी के दौरान एक बाउंड्री भी नहीं लगा सके। ऋतुराज का आईपीएल 2026 में स्ट्राइक रेट महज 120 का रहा है।

चेन्नई सुपर किंग्स को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 5 विकेट से हार का सामना करना पड़ा। इस हार के साथ ही सीएसके के लिए प्लेऑफ की राह काफी मुश्किल हो गई है। टीम को अपना आखिरी लीग मुकाबला 21 मई को गुजरात टाइटंस के खिलाफ खेलना है। इस मैच को बड़े अंतर से जीतने के साथ-साथ सीएसके को बाकी टीमों के नतीजे पर भी निर्भर रहना होगा।

कई चीजों का त्याग करना होगा, शॉर्टकट से सफलता नहीं मिलती है: सचिन तेंदुलकर

अहमदाबाद। भारत के पूर्व बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर का कहना है कि अगर माता-पिता अपने बच्चों को कामयाब होते देखना चाहते हैं, तो उन्हें आजादी देनी होगी। सचिन ने कहा कि युवा खिलाड़ियों को भारत की जर्सी में खेलने के लिए त्याग करने होंगे, क्योंकि शॉर्टकट से कभी सफलता नहीं मिलती है।

सचिन अहमदाबाद में एसआरटी10 अल्टेवोल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' के लॉन्च इवेंट में शामिल हुए, जिसमें आईसीसी चेयरमैन जय शाह और गुजरात के उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी भी पहुंचे।

सचिन ने सभी माता-पिता को संदेश देते हुए कहा, 'हम चाहते हैं कि हमारे बच्चे सफल हों, और इसके लिए हमें कड़ी मेहनत करनी होगी। सबसे जरूरी यह है कि हमें अपने बच्चों को आजादी देनी चाहिए। आजादी और हौसला एक बेहतरीन मेल है, क्योंकि इसी से नतीजे मिलते हैं। मेरे माता-पिता ने मुझ पर कभी दबाव नहीं डाला। न ही मेरे भाई-बहनों ने मुझसे कभी पूछा कि मैं रन क्यों नहीं बना पा रहा हूं।

जब मैंने दो क्लब या प्रैक्टिस मैच खेले, तो मैं पहले दो मैच में जीरो पर आउट हो गया और घर आ गया। तीसरे मैच में, मैंने एक रन बनाया। लेकिन अंदर ही अंदर मैं खुश था कि मैं कम से कम एक रन तो बना पाया।

स्पेन को झटका, फर्मिन लोपेज के पैर में फ्रैक्चर, नहीं खेलेंगे फीफा वर्ल्ड कप

मैड्रिड । फीफा वर्ल्ड कप 2026 की टीम घोषित होने से पहल स्पेन को बड़ा झटका लगा है। एफसी बार्सिलोना के मिडफील्डर फर्मिन लोपेज पैर में फ्रैक्चर के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं।

रविवार को रियल बेटिस के खिलाफ 3-1 की जीत के दौरान लोपेज के दाहिने पैर की पांचवीं मेटाटार्सल हड्डी में फ्रैक्चर आया था। स्पेनिश चैंपियन टीम ने बताया है कि लोपेज की सर्जरी होगी, लेकिन उनके वापस लौटने का कोई समय नहीं बताया गया है।

सोमवार को बार्सिलोना की तरफ से जारी एक बयान में कहा गया, 'बेटिस के खिलाफ मैच में फर्मिन लोपेज के दाहिने पैर की पांचवीं मेटाटार्सल हड्डी टूट गई। खिलाड़ी की सर्जरी होगी।'

रविवार को रियल बेटिस के खिलाफ बार्सिलोना की 3-1 की घरेलू जीत में लोपेज को हाफ-टाइम में बदल दिया गया था। क्लब ने एक दिन बाद उनकी चोट की गंभीरता की पुष्टि की।

स्पेन 15 जून को केप वर्डे के खिलाफ अपने फीफा वर्ल्ड कप अभियान की शुरुआत करेगा, जिसके बाद 21 जून को सऊदी अरब और छह दिन बाद उरुग्वे का सामना करेगा। ऐसे में 23 वर्षीय लोपेज के पास टूर्नामेंट शुरू होने तक ठीक होने का कोई मौका नहीं बचा है।

लोपेज ने स्पेन के लिए 7 मैच खेले हैं और उन्हें डे ला फुएंते की 26 सदस्यीय टीम में शामिल किया जाना लगभग तय माना जा रहा था।

पिछले दो सीजन में लोपेज बार्सिलोना के नियमित खिलाड़ी बन गए हैं, और उन्होंने कैटलन टीम को लगातार दो ला लीगा खिताब जीतने में मदद की है। इस सीजन में सभी प्रतियोगिताओं के 48 मुकाबलों में इस मिडफील्डर ने 13 गोल किए और 17 असिस्ट दिए, जबकि उन्हें दो बार ग्रोइन इंजरी भी हुई थी।

अगर लोपेज वर्ल्ड कप में खेलते, तो यह उनका दूसरा बड़ा अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट होता, इससे पहले उन्होंने स्पेन के सफल यूरो 2024 अभियान में 28 मिनट तक खेला था। यह चोट टूर्नामेंट से पहले स्पेन की टीम में फिटनेस चिंताओं को और बढ़ा देती है। डे ला फुएंते ने पिछले हफ्ते कहा था कि वह एथलेटिक क्लब के विंगर निको विलियम्स के हैमस्ट्रिंग चोट से उबरने का इंतजार करने को तैयार हैं; उन्होंने कहा था कि अगर विलियम्स शुरुआती मैच नहीं भी खेल पाते हैं, तो भी वह ग्रुप चरण के दूसरे मैच में वापसी कर सकते हैं। बार्सिलोना के विंगर लामिन यामल भी हैमस्ट्रिंग इंजरी से उबरने की कोशिश कर रहे हैं, जबकि आर्सेनल के मिडफील्डर मिकेल मेरिनो का खेलना भी संदिग्ध बना हुआ है, क्योंकि इस साल की शुरुआत में उनके पैर की चोट की सर्जरी हुई थी।

आईसीसी महिला रैंकिंग: फातिमा सना ने टी20 और लॉरेन बेल ने वनडे में लगाई बड़ी छलांग

दुबई। आईसीसी की मंगलवार को जारी महिला खिलाड़ियों की रैंकिंग में पाकिस्तान की कप्तान फातिम सना ने टी20 और इंग्लैंड की तेज लॉरेन बेल ने वनडे में लंबी छलांग लगाई है।

पाकिस्तान और जिम्बाब्वे की महिला क्रिकेट टीमों के बीच हाल ही में कराची में टी20 सीरीज खेली गई थी। पाकिस्तान ने इस सीरीज को 3-0 से जीता था। इस सीरीज में फातिम का प्रदर्शन शानदार रहा था और इसका फायदा उन्हें टी20 रैंकिंग में हुआ है। आखिरी मैच में 62 रन की पारी खेल कर प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार जीतने वाली फातिम सना 4 स्थान की छलांग लगाते हुए बल्लेबाजों की रैंकिंग में 23वें स्थान पर पहुंच गई हैं।

फातिमा सना ने गेंदबाजी में भी दमदार प्रदर्शन किया था और 5 विकेट लिए थे, इसका फायदा उन्हें गेंदबाजी रैंकिंग में भी हुआ है। वह 6 स्थान की छलांग लगाकर 29वें स्थान पर चली गई हैं।

पाकिस्तान की स्पिनर नशरा संधू ने भी इस सीरीज में 5 विकेट लिए थे। उन्हें टी20 गेंदबाजों की ताजा रैंकिंग में एक स्थान का फायदा हुआ है। नशरा अब सातवें स्थान पर चली गई हैं। पाकिस्तान की सादिया इकबाल ने सीरीज में छह विकेट लिए थे। वह नंबर 1 टी20 गेंदबाज हैं।

टी20 बल्लेबाजों की रैंकिंग में पाकिस्तान की दो खिलाड़ियों—आयशा जफर और ऐमन फातिमा—ने भी बड़ी छलांग लगाई। शीर्ष 100 से बाहर रहीं आयशा, जिम्बाब्वे सीरीज के बाद 52वें स्थान पर पहुंच गईं, जबकि ऐमन 89वें स्थान पर पहुंच गई हैं।

इंग्लैंड की तेज गेंदबाज लॉरेन बेल को वनडे की गेंदबाजी रैंकिंग में बड़ा फायदा हुआ है। न्यूजीलैंड के खिलाफ हाल में संपन्न सीरीज में पांच विकेट लेते हुए तीन स्थान की छलांग लगाते हुए आईसीसी महिला गेंदबाजों की रैंकिंग में 18वां स्थान हासिल किया है। ऑलराउंडरों की रैंकिंग में भी बेल तीन स्थान ऊपर चढ़कर 22वें स्थान पर पहुंच गई हैं।

प्रीमियर लीग : खिताब के करीब पहुंचा आर्सेनल, बर्नले को 1-0 से हराया

लंदन । आर्सेनल एफसी सोमवार को बर्नले एफसी पर 1-0 की रोमांचक जीत के बाद 22 साल में अपने पहले प्रीमियर लीग खिताब के करीब पहुंच गया। आर्सेनल के लिए मैच में एकमात्र गोल काई हैवर्ट्ज ने किया।

हाफटाइम से ठीक पहले बुकायो साका के कॉर्नर पर हैवर्ट्ज ने शानदार हेडर की मदद से गोल दागा। इसके बाद दोनों टीमों ने गोल करने के काफी प्रयास लिए, लेकिन किसी को भी सफलता नहीं मिल सकी। आर्सेनल एक मैच बाकी रहते टेबल में टॉप पर पांच पॉइंट की बढ़त बना चुका था।

हालांकि, मैनचेस्टर सिटी एफसी को अभी भी दो मैच खेलने हैं, और अगर वे मंगलवार को एएफसी बॉर्नमाउथ को हरा देते हैं, तो वह खिताब की रेस में बने रहेंगे। वहीं, अगर इस मुकाबले में सिटी को हार का सामना करना पड़ता है, तो क्रिस्टल पैलेस एफसी के खिलाफ अपने आखिरी मैच से पहले आर्सेनल चैंपियन बन जाएगा।

आर्सेनल ने नॉर्थ लंदन में जोश भरे माहौल के साथ मैच में एंट्री की। बर्नले के रेलिगेट होने और स्थायी मैनेजर के बिना होने के बावजूद, आर्सेनल को जीत के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ी।

मेहमान टीम ने हैनिबल मेजब्री के साथ शुरुआत में दबाव बनाया, जबकि आर्सेनल को भारी उम्मीदों के बीच अपनी लय पाने में मुश्किल हुई। हालांकि, धीरे-धीरे आर्टेटा की टीम ने मैच को कंट्रोल करना शुरू कर दिया।

एबेरेची एजे ने गोलकीपर मैक्स वीस को परखा। लुकास पाइरेस के चैलेंज पर साका के गिरने के बाद आर्सेनल ने पेनल्टी के लिए भी नाकाम अपील की। आर्सेनल को फिर से एक तयशुदा मौके (सेट-पीस) से सफलता मिली। इस पूरे सीजन में टीम कॉर्नर और फ्री-किक जैसे मौकों पर बहुत अच्छा खेली है। साका ने शानदार क्रॉस दिया, जिसे हैवर्ट्ज ने शानदार हेडर से इस सीजन में कॉर्नर से आर्सेनल का 18वां लीग गोल किया। एमिरेट्स में टेंशन थोड़ी देर के लिए कम हुई, लेकिन हाफ टाइम के बाद आर्सेनल मैच पर पूरी पकड़ नहीं बना सका।

आईपीएल 2026: मुंबई इंडियंस को दोहरा झटका, क्विंटन डी कॉक और राज अंगद बावा बाहर हुए

नई दिल्ली। आईपीएल 2026 के प्लेऑफ की रेस से बाहर हो चुकी मुंबई इंडियंस (एमआई) को सीजन के आखिरी 2 मैचों से पहले दो झटके लगे हैं। विकेटकीपर-बल्लेबाज क्विंटन डी कॉक और ऑलराउंडर राज अंगद बावा चोट की वजह से दोनों मैचों के लिए उपलब्ध नहीं होंगे।

डी कॉक बाईं कलाई में टेंडन की चोट से जूझ रहे हैं। वहीं, बावा अपनी दाईं हाथ के अंगूठे में लिगामेंट फटने के कारण बाहर हो गए हैं। बावा को चोट पिछले मैच में पंजाब किंग्स के खिलाफ लगी थी। दोनों खिलाड़ी मुंबई इंडियंस की मेडिकल टीम की देखरेख में अपने-अपने घर पर पुनर्वास करेंगे। एमआई जल्द ही दोनों खिलाड़ियों के रिप्लेसमेंट का ऐलान कर सकती है। मुंबई इंडियंस की तरफ से जारी बयान में कहा गया है, 'क्विंटन डी कॉक अपनी बाईं कलाई में टेंडन की चोट के कारण बाहर हो गए हैं। यह चोट उन्हें सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ घरेलू मैच से पहले लगी थी। राज अंगद बावा के दाएं अंगूठे का लिगामेंट पंजाब किंग्स के खिलाफ पिछले मैच के दौरान फट गया था। इस वजह से दोनों सीजन के बाकी मैच नहीं खेल पाएंगे। क्विंटन और बावा दोनों अपने-अपने घर पर अपना रिहैब जारी रखेंगे। मुंबई इंडियंस की मेडिकल टीम उन्हें जल्द से जल्द मैदान पर वापसी करने में सहयोग और मार्गदर्शन देगी। डी कॉक को आईपीएल 2026 की नीलामी में एमआई ने 1 करोड़ में खरीदा था। डी कॉक सीजन में तीन मैच खेल सके। पंजाब किंग्स के खिलाफ खेली 112 रनों की पारी की बदौलत उन्होंने कुल 132 रन बनाए। मुंबई इंडियंस का अगला मुकाबला बुधवार को ईडन गार्डन्स में कोलकाता नाइट राइडर्स से होगा। लीग चरण में एमआई का आखिरी मुकाबला 24 मई को वानखेड़े में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ होगा। एमआई का सीजन बेहद निराशाजनक रहा है। बचे 2 मैचों में जीत हासिल कर टीम अंकतालिका में अपना स्थान बेहतर करने की कोशिश करेगी।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा साई प्रीटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर 6 नोएडा,गौतम बुध्द नगर पिन कोड -201301 उ.प्र. से मुद्रित और मकान संख्या एन-58 जगतराम पार्क के सामने, लक्ष्मी नगर पूर्व दिल्ली-110053 से प्रकाशित
समाचार संपादक : चन्द्रमणी साव (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र दिल्ली होगा) मोबाइल 9340573892 ई-मेल: vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. DLHIN/2015/61415